@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 27 जून 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 219 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'झारखंड में कौन करवा रहा है घुसपैठः सीएम सरमा

रांची, 26 जून। लोकसभा चुनाव के बाद अब झारखंड में विधानसभा चुनाव आयोजित कराने की तैयारियां शुरू हो रहीं हैं। इस बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा झारखंड पहुंचे। सरमा ने झारखंड विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत का दावा करते हुए कहा कि झारखंड में जुलाई के लिए भाजपा का कार्यक्रम तैयार है। उन्होंने कहा कि संसदीय चुनावों में झारखंड विधानसभा की 81 सीटों में से 52 सीटों पर भाजपा को बढ़त मिली थी। असम के सीएम ने कहा कि आज झारखंड के आदिवासियों के सामने सबसे बड़ा मुद्दा घुसपैठ का है। सरमा के अनुसार भारतीय सेना भी मान रही है कि उन्होंने घुसपैठ के ऐसे हालात कभी नहीं देखे। उन्होंने कहा 'घुसपैठियों ने पूरे इलाके को खोखला कर दिया है। आदिवासियों की बेटियों से शादी का झांसा देकर उनकी जमीनें किसने छीनी? इस मामले में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) से बहस करनी है कि घुसपैठियों के खिलाफ क्या कदम उठाए गए? हमारी बेटियों को शादी का झांसा देकर जमीन लूटने वालों पर क्या कार्रवाई करेंगे? हिमंत बिस्व सरमा ने घुसपैठ के मुद्दे पर झारखंड सरकार को घेरते हुए कहा कि इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय कार्रवाई कर सकता है लेकिन घुसपैठियों को राय में शरण कौन दे रहा है? उन्होंने कहा कि राय सरकार, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सीमा के 50 किलोमीटर के भीतर काम करने की शक्ति देती है, जैसा कि असम सरकार ने किया है।

ओम बिरला को आसन तक ले जाते वक्त प्रधानमंत्री मोदी की ओर राहुल ने बढ़ाया हाथ

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 26 जून। भाजपा सांसद और एनडीए के उम्मीदवार ओम बिरला लोकसभा के अध्यक्ष चुने गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह समेत कई दिग्गजों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। विपक्ष की ओर से के. सुरेश के नाम का प्रस्ताव रखा गया। प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने सदन की कार्यवाही आगे बढ़ाते हुए प्रस्ताव को सभी के सामने रखा और इसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। इसके बाद प्रोटेम स्पीकर ने ओम बिरला को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू बिरला को अध्यक्षीय आसन तक लेकर गए। इस दौरान ओम बिरला से हाथ मिलाने के बाद पीएम मोदी और राहुल गांधी ने एक-दूसरे से भी हाथ मिलाया। जब बिरला ने अध्यक्षीय आसन ग्रहण किया तो पीएम मोदी, राहुल गांधी और रिजिजू ने उन्हें बधाई और शुभकामना दी। पांचवीं बार ऐसा होगा कि कोई अध्यक्ष एक लोकसभा से

अधिक कार्यकाल तक इस पद पर आसीन रहेगा। इससे पहले कांग्रेस नेता बलराम जाखड़ एकमात्र ऐसे पीठासीन अधिकारी रहे, जिन्होंने सातवीं और आठवीं लोकसभा में दो कार्यकाल पूरे किए हैं।

नए आपराधिक कानून लागू करने की तैयारी

नई दिल्ली, 26 जून। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) अगले हफ्ते से तीन नए आपराधिक कानून लागू करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए जमीनी स्तर के 40 लाख पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि लोग कानूनों के बारे में जागरूक रहें और इनका असर हर किसी पर, खासतौर पर महिलाओं और बचों पर पड़े। 5.65 लाख से यादा पुलिस, जेल, फोरेंसिक, न्यायिक और अभियोजन अधिकारियों को भी तीन नए कानूनों भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के बारे में प्रशिक्षित किया गया। एक जुलाई से लागू होने वाले ये कानून ब्रिटिश काल के भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। सूत्रों ने बताया, चूंकि नए आपराधिक कानूनों में जांच, मुकदमे और अदालती कार्यवाही में प्रौद्योगिकी पर जोर दिया गया है। इसलिए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने मौजूदा अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (सीसीटीएनएस) एप्लिकेशन में 23 संशोधन किए हैं। जिसके तहत सभी मामले अब हर थाने में दर्ज किए जा सकते हैं। एनसीआरबी में नई प्रणाली के लिए रायों और केंद्र शासित प्रदेशों को तकनीकी मदद भी प्रदान कर रहा है। उसने नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन में रायों और केंद्र शासित प्रदेशों की निरंतर मदद के लिए 36 सहायता टीमों और कॉल सेंटर्स का गठन किया है। पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो (बीपीआरएंडडी) ने क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल बनाए हैं और उन्हें सभी हितधारकों के साथ साझा किए हैं। ब्यूरो ने 250 प्रशिक्षण कार्यक्रम, वेबिनार और सेमिनार भी आयोजित किए, जिनमें 40,317 अधिकारियों और कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया।

प्रोटेम स्पीकर ने लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में मत विभाजन की नहीं दी अनुमतिः अभिषेक बनर्जी

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 26 जून। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रोटेम स्पीकर ने लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में मतदान की अनुमति नहीं दी। जबकि विपक्षी सांसदों ने मत विभाजन की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि सरकार के पास संख्या नहीं है। उन्होंने संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि नियमों के अनुसार एक सदस्य द्वारा मांग किए जाने पर भी मत विभाजन की अनुमति दी जानी चाहिए। नियम कहा है कि अगर सदन का कोई सदस्य मत विभाजन की मांग करता है तो प्रोटेम स्पीकर को इसकी अनुमति देनी होगी। आप लोकसभा के फुटेज से देख और सुन सकते हैं कि विपक्ष के कई सदस्यों ने मत विभाजन की मांग की। टीएमसी सांसद ने कहा, प्रस्ताव को मतदान के लिए रखे बिना स्वीकार कर लिया गया। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि सत्तारूढ़ दल भाजपा के पास पर्याप्त संख्या नहीं था। यह सरकार बिना संख्या बल के चल रही है। यह अवैध, अनैतिक

और असंवैधानिक है। देश के लोगों ने पहले ही उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया है। यह सिर्फ समय की बात है। उन्हें फिर से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से पेश प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित होने के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार ओम बिरला फिर से लोकसभा स्पीकर चुने गए। विपक्ष ने आठ बार के कांग्रेस सांसद के. सुरेश का नाम अपने उम्मीदवार के रूप में आगे बढ़ाया था। विपक्ष द्वारा मत विभाजन के लिए दबाव न बनाए जाने के सवाल पर बनर्जी ने कहा, सवाल यह नहीं है कि मत विभाजन की मांग कितनी मजबूती से की गई। नियम कहता है कि अगर 500 लोगों में से एक भी मत विभाजन की मांग करता है, तो इसकी अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, प्रोटेम स्पीकर ही स्पष्ट कर सकते हैं कि मत विभाजन की अनुमति क्यों नहीं दी गई। वह कुर्सी पर बैठे थे। इसलिए जवाब वहीं दे सकते हैं। तृणमूल कांग्रेस के एक अन्य सांसद कल्याण बनर्जी ने भी कहा कि लोकसभा स्पीकर का चुनाव कानून के अनुसार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव को ध्वनिमत से पेश किए जाने पर कई सदस्यों ने मत विभाजन की मांग की।

राम मंदिर गर्भगृह में नहीं टपका है एक भी बूंद पानीः चंपत राय

अयोध्या, 26 जून। बारिश के बाद राम मंदिर के टपकने की चर्चा ने जोर पकड़ लिया है। यह मामला अयोध्या ही नहीं पूरे देश में चर्चाओं में है। चर्चा इस बात की है कि करोड़ों रुपयों की लागत से बना मंदिर पहली बरसात नहीं झेल पाया। इस बार पर ट्रस्ट की तरफ से सफाई जारी की गई है। बारिश के दौरान राममंदिर की छत टपकने के मामले में अब राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कुछ तथ्य जारी किए हैं। चंपत राय का कहना है कि गर्भगृह जहाँ भगवान रामलला विराजमान हैं, वहाँ एक भी बूंद पानी छत से नही टपका है और न ही कहीं से पानी गर्भगृह में प्रवेश हुआ है। मंदिर और परकोटा परिसर में बरसात के पानी की निकासी का सुनियोजित तरीके से उत्तम प्रबंध किया गया है। जिसका कार्य भी प्रगति पर है। मंदिर निर्माण का कार्य पूरा होने के बाद मंदिर एवं परकोटा परिसर में कहीं भी जलभराव की स्थिति नहीं होगी। श्री रामजन्म भूमि परिसर मे बरसात के पानी को अंदर ही पूर्ण रूप से रखने के लिए रिचार्ज पिटो का भी निर्माण कराया जा रहा है। रामनगरी में बुधवार भोर में सुबह तीन घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश के चलते एक बार फिर रामपथ धंस गया। इसके बाद रिकाबगंज मार्ग पर बैरियर लगाकर एक लेन पर आवागमन बंद कर मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया। इसके पहले शनिवार को रात भर हुई बारिश में रिकाबगंज के आसपास कई जगहों पर रामपथ धंस गया था। यहां गिट्टी और बालू डालकर मरम्मत कराई गई थी। एक बार फिर बारिश होने पर यहीं पर सड़क धंस गई है। आनन-फानन में जेसीबी से रोड की पटाई कराई जा रही है।

उपग्रह प्रक्षेपण बाजार के लिए घरेलू मांग काफी नहींः एस सोमनाथ

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 26 जून। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस सोमनाथ ने बुधवार को कहा कि भारत में उपग्रह प्रक्षेपण बाजार (सेटेलाइट लॉन्च मार्केट) के लिए घरेलू मांग काफी नहीं है। उपग्रह प्रौद्योगिकी (सैटेलाइट टेक्नोलॉजी) के एप्लिकेशन पर और काम करके यह मांग पैदा की जा सकती है। सोमनाथ इंडिया स्पेस कांग्रेस-2024 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बड़ी कंपनियां अंतरिक्ष क्षेत्र में आना चाहती हैं लेकिन वे ऑर्डर पाने की समयसीमा को लेकर चिंतित हैं। सोमनाथ ने कहा, जब मैं उन कंपनियों से बात करता हूं जो यहां आना चाहते हैं और सुविधाएं स्थापित करना चाहते हैं, तो वे सभी ऐसा करने के लिए तैयार रहते हैं। लेकिन वे पूछते हैं कि ऑर्डर कहां हैं, ताकि वे सुरक्षित रूप से इसमें निवेश कर सकें। मुझे लगता है कि ये एक बड़ा सवाल है। अंतरिक्ष वैज्ञानिक ने कहा, बड़ी परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर निवेश के लिए निवेशकों को राजी करना बड़ी चुनौती है।

उन्होंने कहा, हमें और अधिक घरेलू मांग पैदा करने की जरूरत है। इसका मतलब है कि घरेलू मांग पर्याप्त नहीं है। हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। मांग उपभोक्ता और संचार खंड से आएगी, जिसमें निश्चित तौर पर बड़े उपग्रह निर्माता शामिल हैं। सोमनाथ कहा, हम ऑर्बिटल स्लॉट और फ्रीक्वेंसी को ढूंढना चाहते हैं, जिन्हें सैटेलाइट और लॉन्चर बनाने के लिए उद्योगों को दिया जा सकता है। यह आंतरिक मांग पैदा करने की दिशा में पहला कदम है। इनस्पेस ने पहले ही एक नया पृथ्वी अवलोकन समूह बनाने के लिए फंडिंग की घोषणा की है। यह घरेलू मांग पैदा करने की दिशा में एक और कदम है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अंतरिक्ष तक पहुंचने की लागक वैश्विक स्तर पर काफी कम हो गई है, खासतौर पर स्पेसएक्स के कारण। लेकिन भारत की रॉकेट लागत में उस तरह की कटौती की गई है। उन्होंने कहा कि लागत कम करने से छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण को बढ़ावा मिल सरकता है और अंतरिक्ष क्षेत्र में नए प्रतिभागियों को आकर्षित किया जा सकता है। उन्होंने जिक्र किया कि अमृत काल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन में 2040 तक चंद्र पर उतरने के लक्ष्य के साथ ही मानव अंतरिक्ष गतिविधि का विस्तार करना शामिल है। इसमें गगनयान मिशन भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत के मौजूदा रॉकेट चंद्रमा की परिक्रमा करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। इसरो प्रमुख ने कहा कि वहां से नमूने वापस लाने और भविष्य के मानव मिशनों दोनों के लिए यादा पेलोड क्षमता वाले रॉकेट विकसित करना जरूरी है। हालांकि उन्होंने कहा, जीएसएलवी-एमके3 हमारे पास सबसे बड़ा रॉकेट है। लेकिन यह काफी बड़ा नहीं है। इसमें चांद तक जाने की पर्याप्त क्षमता है, लेकिन यह वापस नहीं आ सकता। हमें नमूनों को वापस लाने की क्षमता विकसित करने और फिर से इंसानों को चंद्रमा पर भेजने और उन्हें वापस लाने की जरूरत है।

हिजाब पर प्रतिबंध के कॉलेज के फैसले के खिलाफ दायर याचिका हाईकोर्ट ने की खारिज

मुंबई, 26 जून। मुंबई के एक कॉलेज ने एक नियम लागू किया। जिसमें कॉलेज परिसर में हिजाब, नकाब, बुर्का, स्टॉल आदि पहनने को प्रतिबंधित किया गया था। यह ड्रेस कोड लागू करने बाद कुछ छात्राओं ने इसका विरोध किया। जब कॉलेज प्रशासन ने उनकी नहीं सुनी तो उन्होंने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। बॉम्बे हाईकोर्ट के जस्टिस एएस चंदुरकर और राजेश पाटिल की खंडपीठ ने मुंबई शहर के एक कॉलेज द्वारा लिए गए फैसले को चुनौती देने वाली नौ छात्राओं द्वारा याचिका को खारिज कर दिया। इससे पहले जुलाई में विज्ञान डिग्री कोर्स के दूसरे और तीसरे वर्ष में पढ़ने वाले छात्रों ने चेंबूर ट्रॉम्बे एजुकेशन सोसायटी के एनजी आचार्य और डीके मराठे कॉलेज द्वारा जारी निर्देश के खिलाफ याचिका दायर की थी। इसमें छात्राओं को परिसर के अंदर हिजाब, नकाब, बुर्का, स्टॉल आदि पहनने पर रोक लगाने वाला ड्रेस कोड लागू किया गया था। कॉलेज के अधिकारियों ने दावा किया था कि यह निर्णय केवल अनुशासनात्मक था, न कि मुस्लिम समुदाय के खिलाफ। कॉलेज प्रबंधनक की ओर से मौजूद वरिष्ठ वकील अनिल अंतुरकर ने कहा कि ड्रेस कोड हर धर्म और जाति से संबंधित सभी छात्रों के लिए था। हालांकि लड़कियों ने अपनी याचिका में दावा किया कि ऐसा निर्देश शक्ति के रंग रूपी प्रयोग के अलावा और कुछ नहीं है। याचिका में छात्राओं ने कॉलेज के निर्णय को मनचाहा, अनुचित, कानून के विरुद्ध और विकृत बताया गया।

हम अपने संविधान की रक्षा करेंगेः राहुल गांधी

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 26 जून। पिछले 10 सालों से बगैर नेता विपक्ष रहने के बाद आखिरकार 18वीं लोकसभा में निचले सदन को नेता विपक्ष मिला है। बता दें कि लोकसभा चुनाव में देश की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस ने अपने सांसद राहुल गांधी को विपक्ष का नेता चुना है। वहीं लोकसभा ने नेता विपक्ष के लिए राहुल गांधी की नियुक्ति पर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया ङ्ग पर लिखा- 18वीं लोकसभा में, जनता का सदन सही मायने में अंतिम व्यक्ति की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करेगा, जिसमें राहुल गांधी उनकी आवाज बनेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में, मुझे विश्वास है कि देश के कोने-कोने में यात्रा करने वाला एक नेता लोगों की आवाज उठाएगा - खासकर वंचितों और गरीबों का। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की शुभकामनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया ङ्ग पर लिखा - मैं कांग्रेस अध्यक्ष खरगे जी और कांग्रेस नेता के साथ-साथ पूरे देश में पार्टी के बब्बर शेर कार्यकर्ताओं के सहयोग और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद देता हूं। राहुल गांधी ने आगे लिखा - हम साथ में सभी भारतीयों की आवाज संसद में उठाएंगे, अपने संविधान की रक्षा करेंगे और एनडीए सरकार को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराएंगे। आपको बता दें कि पिछले 10 सालों से लोकसभा में कोई नेता विपक्ष नहीं था क्योंकि सत्ताधारी

दल के अलावा और कोई भी राजनीतिक दल लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद हासिल करने के लिए जरूरी सीट नहीं जीत सकी थी। हालिया लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने रायबरेली और वायनाड लोकसभा सीट से जीत हासिल की थी। वायनाड लोकसभा सीट पर राहुल गांधी ने सीपीआई पार्टी के उम्मीदवार एनी राजा को 3 लाख 64 हजार से यादा वोट से हराया था। वहीं रायबरेली लोकसभा सीट पर उन्होंने भाजपा के उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह को 3 लाख 90 हजार से यादा वोट से मात दी थी। फिलहाल राहुल गांधी ने वायनाड सीट से इस्तीफा देकर रायबरेली लोकसभा सीट से सांसद बने हुए हैं। जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पिछले हफ्ते वायनाड लोकसभा सीट के उपचुनाव के लिए पार्टी की नेता प्रियंका गांधी को उम्मीदवार बनाया है। अगर प्रियंका गांधी वायनाड लोकसभा सीट का उपचुनाव जीत जाती है तो नेहरू-गांधी परिवार से कुल तीन सदस्य संसद में होंगे। अभी सोनिया गांधी रायसभा से सदस्य हैं, राहुल गांधी रायबरेली लोकसभा सीट से सांसद हैं। बता दें कि लोकसभा सीटों की कुल संख्या के दसवें हिस्से से कम सीटें न रखने वाले सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता को विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दी जाती है। वह लोक लेखा (अध्यक्ष), सार्वजनिक उपक्रम, अनुमान और कई संयुक्त संसदीय समितियों जैसी महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य होते हैं। इसके साथ-साथ केंद्रीय सतर्कता आयोग, केंद्रीय सूचना आयोग, सीबीआई, एनएचआरसी और लोकपाल जैसे वैधानिक निकायों के प्रमुखों की नियुक्ति के लिए जिम्मेदार कई चयन समितियों का सदस्य होने का हकदार भी होते हैं।

रिज क्षेत्र में पेड़ों के कटान पर डीडीए को 'सुप्रीम' फटकार

नई दिल्ली, 26 जून। दिल्ली के रिज क्षेत्र में 1100 पेड़ों को काटने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में लगातार सुनवाई जारी है। इस बीच शीर्ष अदालत ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को फटकार लगाई है। अदालत ने कहा है कि इस मामले में डीडीए द्वारा बड़े नामों को बचाने की कोशिश की जा रही है, जबकि छोटे अफसरों पर आरोप लगाए जा रहे हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि डीडीए ने रिज क्षेत्र में दिल्ली के उपरायपाल वीके सक्सेना के दौरे को लेकर जानकारी उपलब्ध नहीं करवाई। अदालत ने आगे कहा कि डीडीए द्वारा इस मामले में बड़े अधिकारियों को बचाया जा रहा है जबकि छोटे अधिकारियों पर आरोप लगाए जा रहे हैं। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की अवकाशकालीन पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। पीठ ने कहा कि इस मामले में डीडीए द्वारा घोर लापरवाही बरती गई है। उपरायपाल ने 3 फरवरी को रिज क्षेत्र का दौरा किया था। अदालत का कहना है कि इस बारे में डीडीए द्वारा कोई भी जानकारी नहीं दी गई। शीर्ष अदालत ने कहा 'ये घोर डीडीए की तरफ से घोर लापरवाही है। आप एक सामान्य दस्तावेज को ढूंढ नहीं पाए। जिस तरह से घटनाएं घटित हुई हैं, उस पर हमें संदेह है। हमने उस ईमेल के पहले भाग को देखा है, जिसमें उप रायपाल के दौरे की बात बताई गई है। क्या डीडीए को इस मामले में कार्रवाई नहीं करनी चाहिए थी? डीडीए का काम सिर्फ बड़े अधिकारियों को बचाना और छोटे अधिकारियों पर आरोप लगाना है। शीर्ष अदालत में दिल्ली के निवासी बिंदु कपूरिया की याचिका पर सुनवाई की जा रही थी। यचिका में आरोप लगाए गए हैं कि अदालत द्वारा अनुमति न मिलने के बाद भी पेड़ों को काटा गया। अदालत में डीडीए की तरफ से वकील के रूप में मनिंदर सिंह पेश हुए। उन्होंने कहा कि अदालत को गलत जानकारी दी गई है। सिंह ने कहा कि दिल्ली के उप रायपाल ने रिज क्षेत्र का नहीं बल्कि केंद्रीय सुरक्षा बलों के अस्पताल का दौरा किया था। जब अदालत ने सिंह से पूछा कि उप रायपाल के दौरे के दौरान उनके साथ कौन अधिकारी मौजूद था। इसके जवाब में सिंह ने अशोक कुमार गुप्ता का नाम बताया। इसके बाद अदालत ने कहा 'हम अशोक कुमार गुप्ता को एक हलफनामा दायर करने का निर्देश देते हैं। वह बताएंगे कि उपरायपाल की यात्रा के दौरान वास्तव में क्या हुआ था।

चुनाव में हार के बाद सुखबीर के खिलाफ तेज होने लगी आवाज

नरेश मल्होत्रा

चंडीगढ़, 26 जून। शिरोमणि अकाली दल में सब कुछ ठीक नहीं है। मंगलवार को प्रधान सुखबीर सिंह बादल की अध्यक्षता में जब चंडीगढ़ में जिला प्रधानों व हलका प्रभारियों की बैठक चल रही थी, तब कई वरिष्ठ नेता जालंधर में जुटे थे। इन सीनियर नेताओं ने जालंधर में एक बैठक आयोजित कर पार्टी प्रधान सुखबीर बादल को बदलने की मांग कर दी। हालांकि शिरोमणि अकाली दल कार्यसमिति ने पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व में पूर्ण विश्वास जताया है और विरोधियों से पंथ के दुश्मनों के हाथों में न खेलने का आग्रह किया है। समिति ने अध्यक्ष से पार्टी, पंथ और पंजाब के खिलाफ साजिशों को उजागर करने के प्रयासों का नेतृत्व करने को कहा है। जालंधर में वरिष्ठ नेता प्रेम सिंह चंदूमाजरा ने कहा कि सभी वरिष्ठ नेता एक जुलाई को अकाल तख्त पर मत्था टेकने के बाद वहीं से शिरोमणि अकाली दल बचाओ लहर की शुरुआत करेंगे। इस बैठक में चंदूमाजरा के साथ सिकंदर सिंह मलूका, सुरजीत सिंह, रखड़ा, बीबी जागीर कौर व अन्य नेता मौजूद थे। इस मीटिंग को बगावत के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने कहा कि भाजपा की शह पर पार्टी को खत्म करने का काम किया जा रहा हैं, लेकिन पार्टी विरोधी लोगों को इसमें सफल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव में खराब के प्रदर्शन के बाद भी शिअद अपने स्टैंड पर कायम है कि उसने भाजपा के साथ गठबंधन न करके सही किया है। आगे भी पार्टी उनके साथ गठबंधन में नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा व आप दोनों ही शिअद को खत्म करने के लिए काम कर रही हैं। साथ ही पार्टी में भी कुछ लोग भाजपा की हिमायत कर रहे हैं, क्योंकि शिअद ने पंथक व पंजाब के मुद्दों के साथ समझौता नहीं करने का फैसला लिया था। पार्टी नेता सोहन सिंह ठंडल ने कहा कि कार्यसमिति, कोर समिति, जिला नेतृत्व या निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी, हर कोई लोकसभा परिणामों के बारे में बैठकें और आत्मचिंतन कर रहा है और नीतियां तय कर रहा है। शिरोमणि अकाली दल एक बड़ी पार्टी है... हर किसी को अपने विचार रखने का अधिकार है। जालंधर में हुई बैठक में वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। किसी का भी इस्तीफा लेने की एक व्यवस्था है और उन्हें यह पता होना चाहिए था... बाहर जाकर खुलेआम पार्टी की छवि खराब करने के बजाय उन्हें पार्टी के भीतर अपनी बात रखनी चाहिए थी। प्रधान

बादल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि उनके लिए पार्टी के हितों से ऊपर कुछ भी नहीं है। लोकसभा चुनाव में भाजपा के साथ समझौते का भ्रम केवल उन लोगों के बीच था, जो खालसा पंथ के हितों और सिद्धांतों की कीमत पर भी भाजपा के साथ गठबंधन करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने लोकसभा चुनाव से पहले ही कोर कमेटी को साफ कर दिया था कि वह बीजेपी के साथ गठबंधन के खिलाफ हैं. उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष होने के नाते मैं संप्रदाय, किसानों, गरीबों और वंचित लोगों के हितों के साथ विश्वासघात नहीं कर सकता। शिअद के वरिष्ठ नेता प्रेम सिंह चंदूमाजरा ने सुखबीर बादल का नाम लेकर कहा कि उन्हें बलिदान की भावना को समझना चाहिए। आज पार्टी की हालत काफी खराब है और उसे पुरानी पहचान दिलाने के लिए पार्टी के अहम पदों में बदलाव जरूरी है। चंदूमाजरा ने साफ कहा-मैं पार्टी प्रमुख सरदार सुखबीर सिंह बादल से अपील करता हूं कि वह कार्यकर्ताओं की भावनाओं को नजरअंदाज न करें, बल्कि उन्हें समझें। लोकसभा चुनावों में आए नतीजे शिअद के गिरते ग्राफ की कहानी समझने को काफी है। पार्टी में समय-समय पर विरोध होता रहता है और कई वरिष्ठ नेता पार्टी को छोड़ भी चुके हैं। चंदूमाजरा ने मंगलवार को साफ-साफ कहा कि जालंधर उपचुनाव में मतदान के बाद वे तय करेंगे कि पार्टी में आगे की रणनीति क्या रहेगी।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र मंच पर कश्मीर का मुद्दा उठाने के पाकिस्तान के प्रयास को 'निराधार' बताया

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के मंच पर चर्चा में कश्मीर को शामिल करने के पाकिस्तान के प्रयास की जमकर आलोचना की है।भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन के मंत्री प्रतीक माथुर ने पाकिस्तान द्वारा कश्मीर मुद्दे को उठाने पर कहा कि उसने इस मंच का दुरुपयोग निराधार और कपटपूर्ण बयानबाजी करने के लिए किया है, जो कोई आश्चर्य की बात नहीं है। उन्होंने तीखे स्वर में कहा, मैं इस प्रतिष्ठित संस्था का कीमती समय बचाने के लिए इन टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दूंगा।माथुर ने अपने बयान में पाकिस्तान का नाम भी नहीं लिया। चूंकि भारत ने पाकिस्तान का नाम नहीं लिया गया, इसलिए पाकिस्तान को जवाब देने का अधिकार नहीं मिला। कश्मीर का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र में चर्चा का विषय नहीं था, इसलिए पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि मुनीर अकरम इसे बार-बार फिलिस्तीन से जोड़ने की कोशिश कर रहे थे। मंगलवार को भी उन्होंने ऐसा ही किया, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। पिछले साल संयुक्त राष्ट्र महासभा की एक बैठक में पाकिस्तान के अलावा केवल एक ही देश ने कश्मीर का उल्लेख किया था। बाकी के 191 देशों ने इसे अनदेखा कर दिया था।

भारत के साथ मधुर संबंध चाहता है पाकिस्तान - उप प्रधानमंत्री इशाक डार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री इशाक डार ने मोदी सरकार से दोनों परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसियों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य पर गंभीरता से विचार करने का आह्वान किया। यहां एक कार्यक्रम में उन्होंने भारत के साथ संबंधों के बारे में अपने पिछले बयानों को दोहराया और कहा कि पाकिस्तान हमेशा से भारत के साथ अच्छे संबंध रखने का इच्छुक रहा है।

डार ने कहा, भारत के साथ हमारे संबंध ऐतिहासिक रूप से खराब रहे हैं। लेकिन पाकिस्तान सतत शत्रुता में विश्वास नहीं करता। हम आपसी सम्मान, संप्रभु समानता और लंबे समय से चले आ रहे जम्मू-कश्मीर विवाद के न्यायसंगत और शांतिपूर्ण समाधान के आधार पर भारत के साथ अच्छे पड़ोसी का संबंध चाहते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत के साथ बेहतर संबंध सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तान हर कदम उठाएगा, लेकिन वह किसी भी भारतीय सैन्य दुस्साहस का समुचित जवाब देने से नहीं चूकेगा। उन्होंने कहा, हम दक्षिण एशिया में रणनीतिक स्थिरता बनाए रखने के लिए हर आवश्यक कदम उठा रहे हैं, लेकिन भारत के किसी भी सैन्य दुस्साहस का प्रभावी और निर्णायक तरीके से जवाब देंगे।

श्रीश्री रविशंकर ने आइसलैंड के प्रधानमंत्री से की मुलाकात, मेंटल हेल्थ के मुद्दों पर की चर्चा

आइसलैंड। आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक और वैश्विक आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर का रेकजावी में आइसलैंड के प्रधानमंत्री बजरनी बेनेडिक्टसन ने स्वागत किया। यहां श्रीश्री रविशंकर ने उनके साथ मेंटल हेल्थ और सामाजिक कल्याण के महत्व पर चर्चा की। दोनों के बीच हुई बैठक यूरोप में वर्तमान शांति की स्थिति, मेंटल हेल्थ के मुद्दों को संबोधित करने की आवश्यकता और सामाजिक समृद्धि के लिए व्यक्तिगत लाभ को मूल में रखने के महत्व पर केंद्रित थी।

श्रीश्री ने आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के काम के बारे में यहां बताया कि, यह संस्था लोगों को तनाव और चिंता से छुटकारा पाने में मदद करने के लिए टाइम-टेस्टेड मेडिटेशन और ब्रीदिंग टेक्निक का उपयोग करता है, और लोगों के समग्र शारीरिक और मानसिक कल्याण को सुनिश्चित करता है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे आर्ट ऑफ लिविंग अपराधियों के बीच हिंसा और नशीली दवाओं की लत को कम करने के लिए ब्रीथ स्मार्ट कार्यक्रम के साथ डेनमार्क में कैदियों और आपराधिक गिरोह के सदस्यों का पुनर्वास कर रहा है। इसके जरिए ऐसे हिंसक लोगों में आंतरिक शांति और एक-दूसरे की देखभाल की भावना को बढ़ावा दिया जा रहा है।

रूस के साइबेरिया में गर्मी ने पार की हद, 50 साल का टूटा रिकॉर्ड

मॉस्को। दुनिया की सबसे ठंडी जगह रूस के पश्चिमी साइबेरिया में इन दिनों जानलेवा गर्मी पड़ रही है। कई क्षेत्रों के तापमान ने पिछले 50 साल के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पश्चिम साइबेरियाई जल-मौसम विज्ञान और पर्यावरण निगरानी विभाग की मौसम पूर्वानुमान सेवा की प्रमुख नतालिया किचानोवा ने कहा कि कई क्षेत्रों, विशेषकर नोवोसिबिर्स्क और केमेरोवो ओब्लास्ट्स, साथ ही अल्ताई क्षेत्र और अल्ताई गणराज्य में तापमान 1970 और 1980 के दशक के रिकॉर्ड को पार कर गया है।

समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार किचानोवा ने कहा कि जून के अंत तक पश्चिमी साइबेरिया में गर्मी की लहर जारी रहने की संभावना है, जिसके बाद तापमान 17-25 डिग्री सेल्सियस तक आ सकता है। इसके साथ ही बारिश की भी उम्मीद लगाई जा रही है उन्होंने कहा कि असामान्य रूप से उच्च तापमान मध्य एशिया से मैक्रो-क्षेत्र में आने वाली गर्म हवा के कारण है, जबकि मध्य-क्षोभमंडल में हीट रिज ने गर्मी को और बढ़ा दिया है। रूस और उत्तरी कजाकिस्तान का विशाल क्षेत्र साइबेरिया पश्चिम में यूराल पर्वत से लेकर पूर्व में प्रशांत महासागर तक और उत्तर में आर्कटिक महासागर से लेकर उत्तर-मध्य कजाकिस्तान की पहाड़ियों और मंगोलिया और चीन की सीमाओं तक फैला हुआ है।मॉस्को। दुनिया की सबसे ठंडी जगह रूस के पश्चिमी साइबेरिया में इन दिनों जानलेवा गर्मी पड़ रही है।

पश्चिमी नाइजर में आतंकवादी हमले में 20 सैनिक मारे गए

एजेंसी

नियामी। नाइजीरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि पश्चिमी नाइजर के टिल्लाबेरी क्षेत्र में हुए आतंकवादी हमले में 20 सैनिक मारे गए। मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10 बजे रक्षा और सुरक्षा बलों की एक टुकड़ी पर तासिया गांव के बाहरी इलाके में सशस्त्र आतंकवादी समूहों ने हमला किया, जिसके कारण 20 सैनिक और एक नागरिक सहित 21 लोग मारे गए। विज्ञप्ति में कहा गया कि हमले में नौ सैनिक घायल हो गए और सेना के दो वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान कई आतंकवादियों को मार गिराया गया और उनके यात्रा तथा संचार के साधनों को नष्ट कर दिया गया। साथ ही, शेष हमलावरों की तलाश करने और उन्हें नष्ट करने के लिए हवाई और जमीनी बलों को

तैनात किया गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, तासिया गांव 'तीन सीमाओं' वाले क्षेत्र (नाइजर-माली-बुर्किना फासो) में स्थित है।पश्चिमी नाइजर में आतंकवादी हमले में 20 सैनिक मारे गए।

अमेरिका के नेवादा में गोलीबारी में 5 लोगों की मौत

एजेंसी

लॉस एंजिलिस। अमेरिकी राज्य नेवादा के उत्तरी लास वेगास में सोमवार रात हुई गोलीबारी में पांच लोगों की मौत हो गई और एक किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट में पुलिस का हवाला देते हुये बताया गया कि संदिग्ध को सुबह तलाशी के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।

केटीएनवी टेलीविजन स्टेशन की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरी लास वेगास पुलिस विभाग ने 57 वर्षीय एरिक एडम्स की हत्या की घटना में एक संदिग्ध के रूप में पहचान की है। रात लास वेगास महानगरीय क्षेत्र के एक शहर उत्तरी लास वेगास के एक अपार्टमेंट में पुलिस को बुलाए जाने के बाद संदिग्ध की तलाश शुरू हुई। अधिकारियों को अपार्टमेंट में दो वयस्क महिलाएं मिलीं, जिनमें से एक की उम्र 40 वर्ष के आसपास थी और दूसरी की 50 वर्ष के आसपास

थी, जो स्पष्ट रूप से बंदूक की गोली के घाव से मृत थीं। रिपोर्ट के अनुसार, अपार्टमेंट के अंदर, पुलिस को एक 13 वर्षीय लड़की मिली जो स्पष्ट रूप से बंदूक की गोली के घाव से पीड़ित थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 20 साल की उम्र की दो महिलाएं और 20 साल की उम्र का एक पुरुष पड़ोसी अपार्टमेंट में स्पष्ट रूप से बंदूक की गोली के घाव से मृत पाए गए।

असांजे ने जेल जाने से बचने के लिए अमेरिका के साथ हुए समझौते के तहत दोष स्वीकार किया

एजेंसी

वाशिंगटन। विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे ने बुधवार को उत्तरी मारियाना द्वीप समूह की राजधानी साइपन स्थित संघीय अदालत में जासूसी अधिनियम का उल्लंघन करने के एक मामले में दोषी होने की दलील दी।

यह श्री असांजे और अमेरिकी न्याय विभाग के साथ हुए एक समझौते के तहत किया गया, ताकि उन्हें आगे जेल की सजा से बचाया जा सके और वर्षों से चल रही कानूनी लड़ाई को समाप्त किया जा सके। गौरतलब है कि राष्ट्रीय रक्षा से संबंधित वर्गीकृत जानकारी को अवैध रूप से प्राप्त करने और प्रसारित करने के एक मामले में अपराध स्वीकार करने के बावजूद श्री असांजे को अमेरिका में किसी तरह की जेल की सजा नहीं पड़ेगी और उन्हें ऑस्ट्रेलिया वापस जाने की अनुमति दी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि श्री असांजे अमेरिका नहीं आना चाहते थे, इसलिए अमेरिकी न्याय विभाग ने प्रशांत महासागर में स्थित अमेरिकी राष्ट्रमंडल के सुदूर द्वीप में सुनवाई करने पर सहमति जताई। श्री असांजे 2009 और 2011 के बीच वर्गीकृत सैन्य और राजनयिक दस्तावेजों को हासिल करने और जारी करने में अपनी भूमिका के कारण अमेरिकी सरकार के साथ लंबी कानूनी लड़ाई में

उलझे हुए थे। इन फाइलों में अफगानिस्तान और इराक में युद्धों से संबंधित सैकड़ों हज़ारों गुप्त अमेरिकी सैन्य दस्तावेज शामिल थे।

सऊदी अरब ने हज यात्रा के लिए वीजा के दुरुपयोग के खिलाफ चेतावनी दी

एजेंसी

रियाद। सऊदी अरब ने अन्य देशों की पर्यटन कंपनियों पर विजिट वीजा धारकों को हज यात्रा में भाग लेने के लिए गुमराह करने का आरोप लगाया है। सऊदी प्रेस एजेंसी के अनुसार सऊदी गृह मंत्रालय के सुरक्षा प्रवक्ता तलाल शल्हौब ने कहा कि उन कंपनियों ने हज के लिए वीजा जारी नहीं किया बल्कि उन्हें हज शुरू होने से दो महीने पहले मक्का में रहकर नियमों का उल्लंघन करने के लिए प्रोत्साहित किया प्रवक्ता ने कहा कि हज परमिट केवल एक ट्रांजिट कार्ड नहीं है बल्कि एक महत्वपूर्ण उपकरण है जो तीर्थयात्रियों तक पहुंच की सुविधा प्रदान करता है तथा आवश्यक देखभाल और सेवाएं प्रदान करने के लिए उनके स्थानों की पहचान करता है। बिना हज परमिट वाले व्यक्तियों को तीर्थयात्रा के दौरान

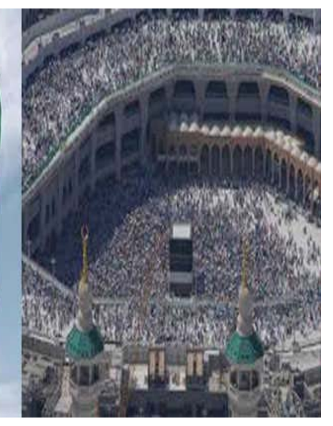

आवश्यक सेवाओं और स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है श्री शल्हौब के अनुसार, इस वर्ष हज के दौरान कुल मृत्यु दर में से 83 प्रतिशत, यानी 1,301 में से 1,079, बिना हज परमिट वाले थे।

अंतरिक्ष में फंसीं सुनीता विलियम्स! बोइंग के कैप्सूल ने दिया धोखा...एलन मस्क करेंगे मदद

वाशिंगटन। भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स नासा बुच विल्मो के साथ स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से स्पेस में गई थी। जहां उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर एक सप्ताह बिताने के बाद 13 जून को वापस पृथ्वी पर लौटना था, लेकिन अभी तक वो लौटी नहीं हैं। उनके साथ एक और अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर भी वहां फंस गए हैं। दोनों 5 जून को स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष गए थे। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर कब तक लौटेंगे? अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने अब तक इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। बोइंग ने एक बयान में कहा कि स्पेस कैप्सूल में थ्रस्टर फेलियर और लीक वॉल्व जैसी कुछ तकनीकी समस्याएं आ गई थीं और इसे ठीक करने के लिए ही विलियम्स और बुच की वापसी टालनी पड़ी है। 59 साल की सुनीता विलियम्स इससे पहले दो बार अंतरिक्ष की यात्रा कर चुकी हैं। इससे पहले वो 2006 और 2012 में अंतरिक्ष जा चुकी हैं। नासा के मुताबिक, उन्होंने अंतरिक्ष में कुल 322 दिन बिताए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, नासा और बोइंग दोनों को ही हीलियम लीक के बारे में जानते थे। उसके बावजूद उन्होंने इस लीकेज को

मिशन के लिए मामूली खतरा माना। स्टारलाइनर बोइंग का ही स्पेसक्राफ्ट है नासा और बोइंग के इस फैसले के कारण सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में फंस गए हैं। दावा ये भी किया जा रहा है कि इसी लीकेज के कारण लॉन्चिंग को पहले टाल दिया गया था। पहले ये मिशन 7 मई को लॉन्च होने वाला था। स्टारलाइनर की फ्यूल कैपेसिटी 45 दिन की है। इस मिशन को शुरू हुए 18 दिन गुजर चुके हैं और अब सिर्फ 27 दिन बाकी हैं। फिलहाल, नासा और बोइंग दोनों ही सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को सुरक्षित वापस लाने के लिए जुटे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, नासा को दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने के लिए नया रॉकेट भेजने के लिए मजबूर किया जा सकता है। ऐसे में उन्होंने उम्मीद कि जा रही है कि इस मिशन को पूरा करने के लिए एलन मस्क के स्पेसएक्स की मदद ली जा सकती है। वहीं ब्रिटिश टैबलॉयड डेलीमेल ने एक्सपर्ट्स से बातचीत के हवाले से बताया कि नासा को उन दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने के लिए नया रॉकेट भेजने के लिए मजबूर किया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि इस मिशन को पूरा करने के लिए एलन मस्क के स्पेसएक्स की मदद ली जा सकती है।नई दिल्ली। भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स नासा बुच विल्मो के साथ स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से स्पेस में गई थी। जहां उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर एक सप्ताह बिताने के बाद 13 जून को वापस पृथ्वी पर लौटना था, लेकिन अभी तक वो लौटी नहीं हैं। उनके साथ एक और अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर भी वहां फंस गए हैं। दोनों 5 जून को स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष गए थे।

भारत और अमेरिका के बीच संबंध बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं : अमेरिकी राजदूत गार्सेटी

एजेंसी

ओक्सन हिल। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच रिश्ते पहले कभी इतने अच्छे नहीं रहे जितने आज हैं और दोनों रणनीतिक साझेदारों के बीच संबंध बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। गार्सेटी ने 'सेलेक्ट यूएसए इन्वेस्टमेंट समिट' के इतर एक कार्यक्रम में ये टिप्पणियां कीं जिसमें सबसे बड़ा प्रतिनिधिमंडल भारत से है। गार्सेटी ने वाशिंगटन में हुई एक बैठक में कहा, ''यह (भारत-अमेरिका) ऐसा रिश्ता है जो बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध पहले कभी इतने अच्छे नहीं रहे। उन्होंने कहा, ''हमारा कभी भारत के साथ इतना करीबी रिश्ता नहीं रहा। भारतीय मूल के अमेरिकियों की संख्या अब हमारी आबादी का करीब 1.5 प्रतिशत है और वे अमेरिका में छह फीसदी कर का भुगतान करते हैं। यह अमेरिका में सबसे सफल प्रवासी समुदाय है। इस कार्यक्रम में भारत के 'जेएसडब्ल्यू स्टील' ने टेक्सास के बेटाउन में 14 करोड़ डॉलर निवेश करने की अपनी योजना की घोषणा की। गार्सेटी ने कहा, अब अमेरिकी भारतीय ब्रांड और भारतीय कंपनियों से अधिक परिचित हो रहे हैं...हम एक साथ मिलकर तीसरे देशों, बुनियादी ढांचों, ऊर्जा, जलवायु समाधानों में निवेश कर रहे हैं। उन्होंने जेएसडब्ल्यू स्टील की घोषणा पर कहा कि इस प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से 800 से अधिक अमेरिकी कर्मियों को नौकरियां मिलेंगी। हजारों निवेशकों, कंपनियों, आर्थिक विकास संगठनों (ईडीओ) और उद्योग विशेषज्ञों को कारोबारी निवेश की सुविधा प्रदान करने के लिए 'सेलेक्ट यूएसए इन्वेस्टमेंट समिट' अमेरिका में एक उच्च स्तरीय कार्यक्रम है।

लोपेज़ ओब्रेडोर ने की लंदन जेल से जूलियन असांजे की रिहाई की सराहना

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्रेडोर ने विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे की रिहाई की सराहना की।गौरतलब है कि श्री असांजे इंग्लैंड की एक उच्च सुरक्षा वाली जेल में पांच साल बिताने के बाद पिछले दिनों अमेरिका के साथ हुए एक समझौते के तहत रिहा हुए हैं। श्री लोपेज़ ओब्रेडोर ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, मैं जूलियन, उनके परिवार, उनके पिता, उनके भाइयों, उनके दोस्तों और लाखों मेक्सिकन और दुनिया के सभी देशों के लोगों को बधाई देता हूं, जिन्होंने श्री जूलियन असांजे की आजादी को संभव बनाने में भाग लिया। उन्होंने कहा कि श्री

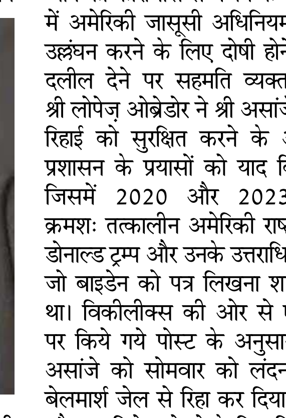

असांजे की कैद अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को जेल में डालन के समान और उनकी दुर्दशा को बहुत अनुचित थी। अमेरिकी न्याय विभाग के साथ एक समझौते के बाद श्री असांजे को रिहा कर दिया गया। इस समझौते के तहत श्री असांजे को आगे की कारावास से बचने के बदले में अमेरिकी जासूसी अधिनियम का उल्लंघन करने के लिए दोषी होने की दलील देने पर सहमति व्यक्त की श्री लोपेज़ ओब्रेडोर ने श्री असांजे की रिहाई को सुरक्षित करने के अपने प्रशासन के प्रयासों को याद किया, जिसमें 2020 और 2023 में क्रमशः तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके उत्तराधिकारी जो बाइडेन को पत्र लिखना शामिल था। विकीलीक्स की ओर से एक्स पर किये गये पोस्ट के अनुसार श्री असांजे को सोमवार को लंदन की बेलमार्श जेल से रिहा कर दिया गया और वह ब्रिटेन छोड़ने के लिए विमान में सवार हो गए।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका और सहयोगी देशों ने परमाणु कार्यक्रम को लेकर तेहरान और मास्को का किया विरोध

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में सोमवार को अमेरिका और उसके प्रमुख यूरोपीय सहयोगियों ने तेहरान के बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान और रूस का विरोध किया। अमेरिका ने ईरान को परमाणु हथियार संपन्न होने से रोकने के लिए सभी आवश्यक साधनों का उपयोग करने का संकल्प जताया। अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी ने ईरान पर आरोप लगाया कि वह अपनी परमाणु गतिविधियों को, परमाणु हथियार विकसित करने से रोकने के उद्देश्य से 2015 के समझौते में तय की गई सीमाओं से कहीं अधिक बढ़ा रहा है और संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था, अन्तरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के साथ सहयोग करने में विफल रहा है।

ईरान और रूस ने अमेरिका और उसके सहयोगियों पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाया, जिन्हें समझौते के तहत हटा दिया जाना था। दोनों देशों ने जोर देकर कहा कि तेहरान का परमाणु कार्यक्रम अन्तरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण (आईएईए) की निरंतर निगरानी में है। यह टकराव ईरान और छह प्रमुख देशों - अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी - के बीच परमाणु समझौते के कार्यान्वयन पर अर्ध-वार्षिक बैठक के दौरान हुआ, जिसे संयुक्त व्यापक कार्य योजना के रूप में जाना जाता है। समझौते के तहत तेहरान ने आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने के बदले में परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के लिए आवश्यक स्तर तक यूरेनियम संवर्धन को सीमित करने पर सहमति व्यक्त की थी।

वर्ष 2018 में तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को समझौते से यह कहते हुए अलग कर लिया था कि वह और कड़ा समझौता करेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। परिषद की बैठक मई के अंत में आईएईए की रिपोर्ट के बाद हुई जिसमें कहा गया था कि ईरान के पास 60 प्रतिशत शुद्धता तक संवर्धित 142 किलोग्राम (313 पाउंड) से अधिक यूरेनियम है, जो 90 प्रतिशत के हथियार-ग्रेड स्तर बनाने में बेहद मददगार है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

चंद्रमा के अंधेरे वाले हिस्से से चट्टान और मिट्टी के नमूने लेकर पृथ्वी पर लौटा Chang'e 6

एजेंस

बीजिंग। चीन का चांग'ए 6 अंतरिक्ष यान पहली बार चंद्रमा के सुदूर क्षेत्र से चट्टान और मिट्टी के नमूने एकत्रित करने का ऐतिहासिक मिशन पूरा करने के बाद मंगलवार को पृथ्वी पर लौट आया। यह चीन के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक प्रमुख उपलब्धि है। चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) ने घोषणा की कि यह अंतरिक्ष यान दोपहर को उत्तरी चीन के इनर मंगोलियाई स्वायत्त क्षेत्र में बीजिंग के समयानुसार दोपहर दो बजकर सात मिनट पर उतरा और ''यह मिशन पूरी तरह सफल'' रहा।

सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने चांग'ए 6 मिशन की सफलता पर बधाई दी। चीन का यह अभियान चंद्रमा के सुदूर क्षेत्र तक पहुंचने और वहां से नमूने एकत्रित करने वाला पहला अभियान है। इससे पहले भारत अगस्त 2023 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र के समीप उतरने वाला पहला देश बन गया था। उसका चंद्रयान-3 का लैंडर सफलतापूर्वक वहां उतरा था। पृथ्वी के इकलौते उपग्रह चंद्रमा का यह वह हिस्सा है जिसके बारे में अभी अधिक जानकारी नहीं है।चीन चंद्रमा के सुदूर हिस्से में उतरने वाला इकलौता देश है। इससे पहले उसने 2019 में ऐसा किया था। चंद्रमा का निकटतम भाग चंद्र गोलार्ध है जो हमेशा सुदूर भाग के विपरीत यानी पृथ्वी की ओर होता है। ऐसा माना जाता है कि चंद्रमा के सुदूर भाग पर पर्वत और गड्ढे हैं जो कि निकटतम भाग पर दिखायी देने वाली अपेक्षाकृत सपाट सतह से अलग है। सीएनएसए ने बताया कि इस अंतरिक्ष यान को विमान से बीजिंग ले जाया जाएगा और वैज्ञानिकों का एक दल चंद्रमा से एकत्रित किए नमूनों का भंडारण

करेगा।

उम्मीद है कि चांग'ए 6 यान चंद्रमा की दो किलोमीटर तक की धूल के कणों और सुदूर हिस्से की चट्टानों के साथ पृथ्वी पर लौटा है जिसका विश्लेषण चीनी अनुसंधानकर्ता करेंगे। चांग'ए चंद्र मिशन का नाम चीन की पौराणिक चंद्रमा देवी के नाम पर रखा गया है। एक ऑर्बिटर, एक रिटर्नर, एक लैंडर और एक आरोहक के साथ चांग'ए 6 मिशन को इस साल तीन मई को प्रक्षेपित किया गया था। चांग'ए-6 मानव इतिहास में पहली बार दक्षिणी ध्रुव-एटकेन बेसिन नामक एक विशाल गड्ढे में दो जून को उतरा और उसने नमूने एकत्रित किए। यह चार जून को चंद्रमा के अल्प ज्ञात एक क्षेत्र से पहली बार चट्टान के नमूने एकत्रित करके मंगलवार को उसके सुदूर हिस्से से वापस पृथ्वी के लिए रवाना हुआ था।

'चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज' में अनुसंधानकर्ता यांग वेई ने कहा, ''चांग'ए 6 मिशन मानव चंद्र अन्वेषण के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है तथा इससे चंद्रमा की उत्पत्ति के बारे में और जानकारियां मिलेंगी।'' चीन ने हाल के वर्षों में चंद्रमा तक कई सफल मिशन भेजे हैं। उसके चांग'ए 5 अंतरिक्ष यान ने चंद्रमा के निकटतम भाग से नमूने एकत्रित किए थे

चीन की भविष्य में चंद्रमा पर एक चंद्र स्टेशन स्थापित करने की भी योजना है। एक प्रमुख अंतरिक्ष शक्ति के रूप में उभरे चीन ने पूर्व में भी चंद्रमा पर मानवरहित मिशन सफलतापूर्वक भेजे हैं जिसमें एक रोवर उतारना भी शामिल है। चीन ने मंगल ग्रह के समीप भी एक रोवर भेजा और एक अंतरिक्ष स्टेशन बनाया है जो अभी काम कर रहा है। चीन का उद्देश्य 2030 से पहले चंद्रमा पर एक मनुष्य को भेजना है।

राहुल गांधी लोकसभा में होंगे कांग्रेस संसदीय दल के नेता

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 18वीं लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता बनाये गये हैं।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर मंगलवार की शाम संसद में विपक्षी गठबंधन के घटक दलों के नेताओं की बैठक के बाद पत्रकारों को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने लोकसभा में श्री गांधी को सदन में कांग्रेस का नेता नियुक्त किया है और इसकी जानकारी प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब को दे दी गई है।

गौरतलब है कि श्री गांधी को पिछले दिनों पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति ने लोकसभा में विपक्ष का नेता बनने

का अनुरोध किया था। कांग्रेस के निर्धारित 55 सीटों से कम सदस्य होने के कारण 16वीं और 17वीं लोकसभा में विपक्ष का नेता का दर्जा नहीं दिया गया था। श्री गांधी को लोकसभा चुनाव से पहले भले ही कांग्रेस ने प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया था लेकिन चुनाव में वही पार्टी के प्रमुख चेहरा थे। उनकी 'भारत जोड़ो यात्रा' और 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' तथा चुनाव प्रचार के दौरान 'संविधान बचाओ अभियान' के कारण पार्टी को इस चुनाव में जबरदस्त फायदा हुआ है। लोकसभा के लिए रायबरेली संसदीय सीट से निर्वाचित श्री गांधी आज जब लोकसभा में शपथ ले रहे थे तो वह हाथ में संविधान की प्रति भी लेकर आए थे और उनकी संविधान बचाओ मुहिम का संसद में शपथ लेते समय पार्टी के कई अन्य सदस्यों ने भी अनुकरण करते हुए शपथ लेते समय संविधान की प्रति हाथ में रखी।

गंगा जल संधि पर समीक्षा समिति में प. बंगाल भी शामिल है

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत ने बंगलादेश के साथ गंगा जल बंटवारे की संधि के नवीनीकरण के पूर्व आंतरिक समीक्षा के लिए जो समिति बनाई थी उसमें बिहार और पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधि भी शामिल थे और उसी समिति की

रिपोर्ट के आधार पर ही 2026 से आगे गंगा जल संधि का नवीनीकरण किया जाएगा। सूत्रों ने बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की हाल की यात्रा के दौरान गंगा जल संधि पर चर्चा के समाचार पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के पत्र के संबंध में आज यहां यह जानकारी दी।

मकान में आग लगने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

नई दिल्ली। द्वारका जिले के छावला इलाके में एक घर में आग लगने से 4 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। छावला स्थित प्रेम नगर में ये हादसा हुआ। घटना में एक ही परिवार के सदस्य पति-पत्नी और उनके दो बेटों की आग के बाद दम घुटने से मौत हो गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। दमकल विभाग और पुलिस के अनुसार सूचना मिली कि प्रेम नगर के मकान में आग लग गई है। खबर लिखे जाने तक आग पर काबू पाने के लिए दो दमकल की गाड़ी को भेजा गया। फायर विभाग के अनुसार आग लगने की शुरुआत इनवर्टर से हुई और फिर उस आग ने पास ही रखे सोफा को अपनी चपेट में ले लिया। इस बीच घर के लोग सोए हुए थे और उन्हें आग के बारे में पता नहीं चल पाया और दम घुटने से चारों की मौत हो गई।पुलिस और दमकल विभाग जब मौके पर पहुंची थी तो बेहोशी की हालत में पड़े सभी चारों लोगों को राव तुलाराम अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन चारों को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान हीरा सिंह (48), पत्नी नीतू सिंह (46) और दो बेटे रॉबिन (22) और लक्ष्य (21) के रूप में हुई है। फिलहाल आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। वहीं पीड़ित परिवार से मिलने और उन्हें सहानुभूति देने के लिए सांसद कमलजीत सहरावत उनके घर पहुंचीं। जहां सांसद सहरावत ने परिवार के लोगों को सांत्वना दी और मदद करने का अश्वासन दिया।

सफदरजंग अस्पताल की पुरानी इमरजेंसी में लगी आग

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल की पुरानी इमरजेंसी में भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना पर दमकल की सात गाड़ियों को मौके पर भेजा गया, जो आग पर काबू पाने के लिए जुट गई हैं। आग बिल्डिंग के स्टोर वाले हिस्से में लगी थी। इसकी पुष्टि फायर डायरेक्टर अतुल गर्ग ने की है। आग किन कारणों से लगी है, इसकी जांच की जा रही है। गनीमत है कि अभी तक आग लगने से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दिल्ली फायर ऑफिसर मनोज शर्मा ने बताया कि सफदरजंग अस्पताल में आज सुबह 10:40 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। इस पर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां भेजी गई। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। सफदरजंग अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में आग लगने की जानकारी मिली थी। तुरंत मौके पर दमकल विभाग की 11 गाड़ियां पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया गया है। जैसे ही हम पहुंचे तो पता चला कि वार्ड केंद्र से धुआं निकल रहा है। फिर दमकल के कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी। अंदर जो मेडिसिन थी वह जल गई। इससे पहले दिल्ली के कनॉट प्लेस के एम ब्लॉक की एक दुकान में आग लगी थी। दुकान के अंदर फंसे एक व्यक्ति को दमकलकर्मियों की मदद से बचाया गया था। कनॉट प्लेस के एम ब्लॉक में मिस्ट्री रूम्स के गेमिंग जोन में आग लगी थी। दमकल विभाग के मुताबिक एक शख्स छत पर चढ़ गया था, जिसे दमकल कर्मियों ने उतार लिया था। दमकल विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया था। शार्ट सर्किट से आग लगी थी।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के निर्माण में देरी : यमुना अथॉरिटी के सीईओ ने जताई कड़ी नाराजगी

नोएडा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के निर्माण में छह महीने की देरी की घोषणा पर यमुना अथॉरिटी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति पर यमुना अथॉरिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरुण वीर सिंह ने मंगलवार को तीखी प्रतिक्रिया दी। डॉ. सिंह ने साफतौर पर कहा, "YIAL ने हमसे बिना परामर्श किए यह बयान जारी किया है। हमने उनसे स्पष्टीकरण मांगा है कि बिना हमसे चर्चा किए निर्माण की समय सीमा बढ़ाने की घोषणा कैसे की गई? साथ ही, आ रही समस्याओं की जानकारी क्यों नहीं दी गई? परियोजना में आ रही बाधाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि प्रमुख समस्या सामग्री की आपूर्ति में विलंब है। विशेष रूप से स्टील फैब्रिकेशन में कठिनाइयाँ आ रही हैं। टाटा प्रोजेक्ट्स को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन मानकों के अनुरूप कुछ विशिष्ट स्टील सामग्री विदेशों से मंगवानी पड़ रही है।

दिल्ली सरकार ने हरियाणा पर लगाया मनमानी का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ती गर्मी के बीच जल संकट से लाखों लोग जूझ रहे हैं। इसको लेकर राजनीति भी तेज हो गई है। ऐसे में आम आदमी पार्टी की ओर से आरोप लगाया गया है कि हरियाणा की भाजपा सरकार ने दिल्ली के 4.83 लाख लोगों का पानी रोक दिया है। इससे पहले दिल्ली सरकार ने हरियाणा सरकार पर 28 लाख लोगों का पानी रोकने का आरोप लगाया था। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने पानी की समस्या को लेकर भाजपा पर हमला किया है। उन्होंने दावा किया है कि जब से आतिशी ने अनशन शुरू किया है तब से हरियाणा सरकार ने दिल्ली का पानी और कम कर दिया है। भारद्वाज ने पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि दिल्ली में उप्र और हरियाणा से पानी आता है। हरियाणा दिल्ली को 613 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) पानी देता है, लेकिन 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से हरियाणा सरकार सिर्फ 513 एमजीडी पानी दे रही है। इससे दिल्ली में जल संकट गहराया हुआ है। 21 जून से 17 एमजीडी पानी देना और काम कर दिया है।

बोम्मई ने कांग्रेस के संविधान की प्रतियां लेकर विरोध जताने की आलोचना की

एजेंसी
नई दिल्ली। कर्नाटक में हावेरी से सांसद एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने कांग्रेस के संविधान की प्रतियां लेकर संसद में विरोध जताने की तीखी आलोचना की।

श्री बोम्मई ने आज यहां संवाददाताओं से कहा कि 50 साल पहले इसी कांग्रेस ने आपातकाल लगाया था और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को सीमित किया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाना भारतीय लोकतंत्र में एक काला अध्याय था। उन्होंने जोर दिया कि आपातकाल लगाकर असहमति और मानवाधिकारों को दबाया गया तथा राजनीति और प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाये गये। कांग्रेस पर सत्ता में बने रहने के लिए संविधान को विकृत करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि अब उनके पास इसके संरक्षण की

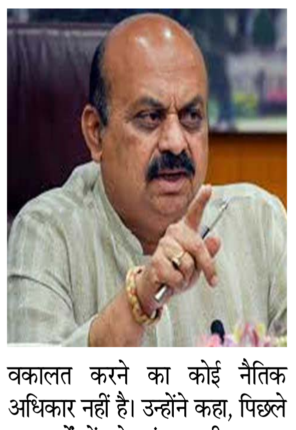

वकालत करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, पिछले 50 वर्षों में लोकतंत्र काफी मजबूत हुआ है। श्रीष न्यायालय के फैसलों और संसदीय संशोधनों जैसे सुरक्षा उपायों से यह सुनिश्चित हुआ है कि ऐसा आपातकाल फिर से नहीं लगाया जा सकता है। उन्होंने इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने तथा जनता के बीच भ्रम फैलाने के कांग्रेस के प्रयासों की आलोचना की और कहा कि यह राजनीतिक जमीन हासिल करने का निरर्थक प्रयास है।

श्री बोम्मई ने कांग्रेस के मौजूदा रुख में विरोधाभास को उजागर करते हुए कहा कि यह भी विडंबना है कि जो लोग कभी संविधान का विरोध करते थे, वे अब संसद में विरोध के लिए इसे हाथ में लिए हुए हैं। हाल के वर्षों में अघोषित आपातकाल के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कांग्रेस को स्वतंत्रता में कटौती के अपने दावों को पुष्ट करने की चुनौती दी और कहा कि उनके विरोध प्रदर्शन स्वयं लोकतंत्र के अस्तित्व की पुष्टि करते हैं।

केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने पारंपरिक चिकित्सा पर राष्ट्रीय परामर्श बैठक का आयोजन किया

एजेंसी
नई दिल्ली। पारंपरिक चिकित्सा अनुसंधान को वैश्विक मानकों और प्राथमिकताओं के साथ जोड़ने के अग्रणी प्रयास को प्रोत्साहन देते हुए, आयुष मंत्रालय के अंतर्गत एक शीर्ष स्वायत्त संगठन, केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् (सीसीआरएएस) ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र स्थित श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय और भारत की एक प्रमुख आयुर्वेदिक कंपनी डाबर इंडिया के साथ दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् (सीसीआरएएस) ने अपनी नई और अपडेट की गई वेबसाइट का भी शुभारंभ किया।

अपने तरह की पहली परामर्श बैठक में भारत में पारंपरिक चिकित्सा (टीएम) के विविध क्षेत्रों के प्रतिनिधि एक साथ आए, जिनमें नीति निर्माता, शैक्षणिक संस्थान, शोधकर्ता, रोगी और उद्योग जगत के हितधारक शामिल थे। इसका उद्देश्य आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी जैसी विभिन्न पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में प्रमुख संगठन - दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र कार्यालय) कार्यालय और डब्ल्यूएचओ-जीटीएमसी (विश्व

अनुसंधान क्षेत्रों की पहचान करना और उन्हें प्राथमिकता देना है।

ये घोषणाएं 24 जून, 2024 को नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में ÷ पारंपरिक चिकित्सा में अनुसंधान को प्राथमिकता देनाः पर एक दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श बैठक के दौरान की गई, जिसे डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ (विश्व स्वास्थ्य स्वास्थ्य संगठन - वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र) के सहयोग से आयोजित किया गया था।

आयुष मंत्रालय के सचिव, श्री राजेश कोटेचा ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा, इसका उद्देश्य धन का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना और पारंपरिक चिकित्सा के अंतर्गत आवश्यकता के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को संबोधित करना है, जिसमें औषधीय पौधों पर शोध, गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावशीलता का अध्ययन, पूर्व-नैदानिक सत्यापन, पारंपरिक दवाओं का तर्कसंगत उपयोग, नैदानिक परीक्षण निगरानी, चिकित्सा नविज्ञान और प्राचीन चिकित्सा साहित्य का डिजिटलीकरण शामिल है। इसके अलावा इस तरह इसकी वैश्विक स्वीकृति और एकीकरण का समर्थन करना है। केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् (सीसीआरएएस) के महानिदेशक प्रो. (वैद्य) रबीनारायण आचार्य ने कहा, हम अगले दशक के लिए एक शोध रूपरेखा तैयार करना चाहते थे और पारंपरिक चिकित्सा में एक दशक लंबी शोध रणनीति की नींव रखना चाहते थे और विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों के साथ प्रयासों को संयोजित करना चाहते थे। डाबर और श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय के साथ ये दो समझौता ज्ञापन इस दिशा में एक अच्छी शुरुआत है।

मनरेगा हो 200 दिन, कृषि को लाया जाए दायरे में

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े भारतीय मजदूर संघ ने मनरेगा में रोजगार की अवधि 200 दिन तक बढ़ाने और इसके दायरे में कृषि और सहयोगी क्षेत्रों को शामिल करने की मांग की है। भारतीय मजदूर संघ ने यहां केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में केंद्रीय बजट 2024-25 पूर्व परामर्श बैठक में कहा कि आशा कार्यकर्ता, आंगनवाडी कार्यकर्ता, मिडडे मील कार्यकर्ता और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए मानदेय बढ़ाया जाना चाहिए।

मजदूर संघ ने कहा कि आगामी बजट में ग्रामीण विकास, छोटे उद्योगों, विनिर्माण, निर्यात और आधारभूत ढ़ांचा क्षेत्र पर जोर दिया जाना चाहिए।

इसके अलावा बैठक में मजदूर नेताओं ने कहा कि सभी पेंशन योजनाओं में पेंशन के रूप में अंतिम वेतन का पचास प्रतिशत और महंगाई भत्ता सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने पुरानी पेंशन प्रणाली बहाल करने की भी कहा। बीड़ी मजदूरों और असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए भी उचित मानदेय सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की पेंशन योजना ईपीएस 95 में सभी पेंशन धारकों को कम से कम पांच हजार रुपए प्रतिमाह पेंशन और महंगाई भत्ता दिया जाना चाहिए और सभी पात्र परिवारों को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लाया जाना चाहिए। रोजगार के मुद्दे पर मजदूर संगठन ने कहा कि केंद्र सरकार को लगभग 20 लाख रिक्त पदों को अतिशीघ्र भरना चाहिए। इसके अलावा नगर निगमों और पंचायत स्तर पर भी कर्मचारियों की भर्ती करने की व्यवस्था की जानी चाहिए। अनुबंध पर काम करने वाले कर्मचारियों को नियमित किया जाना चाहिए। सभी जिला मुख्यालयों में उद्यम केंद्र स्थापित किये जाने चाहिए और युवाओं की क्षमता की लाभ उठाना चाहिए। सरकार को शीघ्र आठवां वेतन आयोग गठित करना चाहिए। केंद्रीय बजट में मध्यम वर्ग को आयकर में छूट दी जानी चाहिए।

साय ने की मोदी से मुलाकात, तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर दी बधाई

एजेंसी
नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संसद भवन में मुलाकात की। इस मौके पर उन्होंने श्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री को 'अमृतकाल और छत्तीसगढ़ विजन 2047' 'विजन डॉक्यूमेंट' के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसका निर्माण राज्य नीति आयोग द्वारा किया जा रहा है जिसे एक नवंबर को राज्य की जनता को समर्पित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विगत छह माह में माओवादी विरोधी अभियानों में की गयी कार्रवाई की जानकारी भी प्रधानमंत्री को दी। नियद नेल्लानार योजना (आपका आदर्श गाँव) के बारे में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इस योजना के तहत नक्सलियों के आधार को कमजोर

करने व शासन-प्रशासन व ग्रामीणों के बीच परस्पर विश्वास बहाली का कार्य किया जा रहा है।इस योजना के तहत वर्तमान में 23 कैंप खोले गए हैं, जिनमें 90 गांव शामिल हैं तथा भविष्य में 29 कैंपों को प्रारंभ करने की योजना है। विश्वस्त सूत्रों की मानें तो श्री साय दिल्ली से लौटने के बाद नए मंत्रियों के नाम का ऐलान कर सकते हैं। इसके बाद जुलाई के प्रथम सप्ताह में मंत्रियों का शपथ समारोह आयोजित किया जाएगा। गौरतलब है कि दो दिन पहले श्री साय ने राज्यपाल बिस्वभूषण हरिचंदन से मुलाकात की थी, तभी से साय कैबिनेट के विस्तार को लेकर चर्चा तेज है।

खुद की कमियों को छिपाने के लिए अतीत में खुदाई करते रहते हैं मोदी : खड़गे

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह (मोदी) खुद की कमियों को छिपाने के लिए अतीत में खुदाई करते रहते हैं जबकि पिछले 10 वर्षों में 140 करोड़ भारतीयों पर लगाये गये 'अघोषित आपातकाल' ने लोकतंत्र और संविधान को गहरा झटका दिया है। खड़गे ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, ''देश भविष्य की ओर देख रहा है। आप अपनी कमियों को छिपाने के लिए अतीत में खुदाई करते रहते हैं। पिछले 10 वर्षों में आपने 140 करोड़ भारतीयों को जो 'अघोषित आपातकाल' का अहसास कराया, जिससे लोकतंत्र और संविधान को गहरा झटका पहुंचा है।'' उन्होंने सवाल किया कि पार्टियों को तोड़ना, पिछले दरवाजे से चुनी हुई सरकारों को गिराना, 95 प्रतिशत विपक्षी नेताओं पर ईडी, सीबीआई, आईटी का दुरुपयोग

करना, यहां तक कि मुख्यमंत्री को जेल उनके काम इसके उलट है। जब विपक्ष के 146 सांसदों को संसद से निलंबित किया गया और आपराधिक न्याय प्रणाली को बदलने के लिए तीन कानून पारित किये गये, तब सहमति शब्द कहां था। विपक्ष से पूछे बिना महान हस्तियों की मूर्तियों को जब संसद परिसर के एक कोने में 'शिफ्ट' कर दिया गया, तब सहमति शब्द कहां था। जब 15

Name Change
I, NO-16131315H Rank-SPR Name-S ANIL R/O H NO-11/19, VILL-DAMARAGIDDA, MANDAL-DAMARGIDDA, DISTT-MAHABUB NAGAR, TELANGANA-509407 have changed my mother's name from NARSAMMA to SUNGULA NARSAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 26/06/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्री बैजू भगत पुत्र श्री राम प्रसाद भगत, निवासी मकान नंबर वे स 27, गली नो 4, पटेल गार्डन, ककरोला, पोस्ट ऑफिस न. स. ई. टी. द्वारका, साउथ वेस्ट, दिल्ली, दिल्ली 110078 ने अपने पुत्र कुमार सूरज के गलत संगत में पड़ने वे दोनो पति पत्नी मेरा बेटा कुमार सुरज वे उसकी पत्नी के कलेश के कारण उनसे संबंध विच्छेद करता हूं। साथ ही उन्हें अपनी सभी चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं और उससे सभी प्रकार के सम्बन्ध विच्छेद कर लिए हैं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे 7 कोई भी व्यक्ति कथित कुमार सूरज से किसी भी प्रकार का लेन-देन करता है व कोई भी कार्य करता है तो वह उसका स्वयं जिम्मेदार होगा।
Ashish Chopra Advocate
Chamber-342, Dwarka District Court, Sector 10 Dwarka, New Delhi-110075 Mob:7011855374

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि श्री दीपक गुप्ता 51.50 वर्ग मीटर की तीसरी मंजिल पर लीजहोल्ड आवासीय इकाई संख्या 160 खरीद रहे हैं, जो ग्रुप हाउसिंग स्कीम यूपी रेजिडेंट्स एम्प्लॉइज को-ऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी, प्लॉट नंबर ई-001, सेक्टर-42, नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में स्थित है। श्री महिंदर कुमार गोयल पुत्र स्वर्गीय श्री ओम प्रकाश गोविल, स्वर्गीय श्री के कानूनी उत्तराधिकारी। ओम प्रकाश गोविल की मृत्यु हो गई थी और उन्हें उक्त संपत्ति उप-लीज डीड दिनांक 05.12.2016 के माध्यम से दस्तावेज़ संख्या 10987, खंड संख्या 8355 पृष्ठ संख्या 367-398 एसआर-नोएडा-II के रूप में खरीदी गई थी, हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि कोई अन्य व्यक्ति उक्त संपत्ति पर उसका कोई अधिकार नहीं है, जिसका वित्तपोषण पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में पीरामल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड) शाखा शाहदरा, दिल्ली द्वारा किया जाना है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
This is to inform that Ms. Hema Sharma has agreed to create mortgage the described property in favour of my client Aadhar Housing Finance Limited, Uttam Nagar Branch, Delhi, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely Sh. Manak Chand has agreed to sell their property "Built Up Property No. 27 to 30, Area Measuring 60 Sq. Yds., Out of Khasra No. 25/17/18, Situated in the area of Village Hastsal, Colony Known as Shiva Enclave, Vikas Nagar Extn., Uttam Nagar, New Delhi- 110059". Hence any other co-sharer(s) namely Sh. Sunder Lal, Sh. Rakesh Kumar, Sh. Rajender Singh, Sh. Rajender Singh, Sh. Kunj Bihari, Smt. Veena Suri, Sh. Khem Raj Aggarwal or any previous owners of the property, having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange mortgage (equitable or deposit of title deed otherwise) gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub- lease, tenancy, license lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, falling which the claim or claims, if any, of such person(s) shall be considered to have been waived and / or abandoned any my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the property.
Dated : 26-06-2024
Place : Delhi
Advocate Ghanshyam Singh, Ch. E-713 Karkardooma Courts, Delhi-110032; Ph-8810212071

PUBLIC NOTICE
This is to inform that Ms. Prachi Sharma has agreed to create mortgage the described property in favour of my client Aadhar Housing Finance Limited, Burari Branch, Delhi, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely Sh. Vikram Singh has agreed to sell their property "Built Up Entire Ground Floor, Without Roof Rights, Property No. D-376A, Area Measuring 60 Sq. Yds., Out of Khasra No. 229, Situated in the Revenue Estate of Village Nawada, Colony Known Nawada Housing Complex, Block D, Uttam Nagar, New Delhi-110059". Hence any other co-sharer(s) namely Sh. Yogesh Gahlot, Sh. Survinder Singh or any previous owners of the property, having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange mortgage (equitable or deposit of title deed otherwise) gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, falling which the claim or claims, if any, of such person(s) shall be considered to have been waived and / or abandoned any my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the property.
Dated : 26-06-2024
Place : Delhi
Advocate Ghanshyam Singh, Ch. E-713 Karkardooma Courts, Delhi-110032; Ph-8810212071

Name Change
I hitherto known as Jai kunvar alias Jai kumar S/O Karan Singh,R/O NAER Railway Station HOUSE NO-717, VPO- GHEVRA, North West Delhi, Delhi-110081,have changed my name and shall hereafter be known as Jai Kumar.

Name Change
I, ANITA THAKUR wife of NO-8432277X Rank-NAV Name-GAMBHIR THAKUR R/o VILL-BANDLI, PO-KANDO BHATNOL, TEH-SHILLAI, DIST-SIRMOUR, HIMACHAL PRADESH-173027 have changed my name from ANITA THAKUR to ANITA NEGI for all future purposes vide affidavit dated 26/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
It is for general information that I, PRAMOD KUMAR SHARMA S/o NARENDRA KUMAR SHARMA, R/o Hari Nagar, Railway Road, Dadri, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207, declare that name of my father has wrongly written as NAND KISHORE SHARMA in my PAN Card No. ASGPS6819K and 10th class Educational Documents. The actual name of my father is NARENDRA KUMAR SHARMA.

Name Change
I, V MAHALINGAM father of NO-16116008N Rank-NAV Name-RAMACHANDRAN M R/O 1/186, WEST STREET, KURAYUR, MADURAI, TAMIL NADU-625701, have changed my name from V MAHALINGAM to MAHALINGAM VELLAISAMY for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1968 instead of my correct date of birth as 10/10/1959 vide affidavit dated 26/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, Tanisha D/o Raj Kumar R/o H.No.8763, Gali No.3, Multani Dhanda, Paharganj, Delhi-110055 have changed my name to Tanisha Wadhawan permanently

Name Change
I, NO-16131315H Rank-SPR Name-S ANIL R/O H NO-11/19, VILL-DAMARAGIDDA, MANDAL DAMARGIDDA, DISTT-MAHABUB NAGAR, TELANGANA-509407 have changed my father's name from S NARSAPPA to SUNGULA NARSAPPA for all future purposes vide Affidavit dated 26/06/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is to inform to the public at large that my client Sh.MUKESH KUMAR & UIDAI NO-8734-7269-2024 & H/O SMT.MANJU HAS DISOWNED / DEBARRED HIS SON SH. AKASH YADAV & UIDAI NO-3600-7863-7140 & HIS WIFE NAMELY PRIYANKA D/O SMT.NEERAJ R/0-81, DARIYA PUR KHURD SOUTH WEST DELHI-110073 from all his moveable & immovable properties. And served all his relation with him and as they both are not in control of my client anyone dealling with them my do so at his/her on risk & consequences Henceforth my client have no concern / relation with them in his life time.
Tej Pal Yadav Advocate
Chamber No-330, Dwarka Court Complex Sector-10 New Delhi-110075

Name Change
I, DEEPAK KUMAR LUTHRA SON OF KRISHAN LAL LUTHRA R/O A-117 BLOCK A JHILMIE EAST DELHI DELHI-110095 have changed my name from DEEPAK KUMAR LUTHRA to DEEPAK LUTHRA for all future purpose.

Name Change
I, hitherto known as PRIYANKA D/o M N CHAUDHARY R/o D-5/96, SANGAM VIHAR HAMDARD NAGAR, SOUTH DELHI, DELHI-110062, have changed my name and shall hereafter be known as ANNU.

Name Change
I hitherto known as Lucky Jain alias Girish Jain S/O Vikas Jain, R/O NEAR SHIV MANDIR, 97/4, ARJUN BHAWAN, VILLAGE KURAINI, NARELA, North West Delhi, Delhi 110040 have changed my name and shall hereafter be known as GIRISH JAIN.

PUBLIC NOTICE
This is to inform that Sh. Ravi Deep Pandey has agreed to create mortgage the described property in favour of my client Aadhar Housing Finance Limited, Uttam Nagar Branch, Delhi, after execution of sale deed in his favour. Seller(s) Namely 1. Smt. Indu 2.Smt. Madhu has agreed to sell their property "Built Up Unit No. R, Third Floor, Back Side RHS, Area Measuring 50 Sq. Yds., Property Bearing No.22, Out of Khasra No. 558, Situated in Abadi Lal Dora of Village Maidangarhi, Tehsil Saket, New Delhi- 110068". Hence any other co-sharer(s) namely Sh. Anish Dagar, Sh. Ashish Dagar, Sh. Anuj Dagar, Ms. Karishma Dagar or any previous owners of the property, having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange mortgage (equitable or deposit of title deed otherwise) gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership. possession, lease, Sub lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, falling which the claim or claims, if any, of such person(s) shall be considered to have been waived and / or abandoned any my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the property.
Dated : 26-06-2024
Place : Delhi
Advocate Ghanshyam Singh, Ch. E-713 Karkardooma Courts, Delhi-110032; Ph-8810212071

Name Change
I, Raj Kumar Wadhavan / Raj Kumar Wadhawan s/o Wazir Chand R/o H.No.8763, Gali No.3, Multani Dhanda, Paharganj, Delhi-110055 have changed my name to Raj Kumar permanently

Name Change
I, Shyam S/O Dhara Singh R/o VPO Marot (206), Jhajjar, Haryana-124106, Have Changed My Name To Shyam Sunder For All Future Purpose

Name Change
It is for general information that I, VIRENDAR SONKAR S/o SHYAMLAL SONKAR, R/o Jhuggi-211, Indra Colony, Shalimar Bagh, North West Delhi, Delhi - 110088, declare that name of mine has been wrongly written as SULENDER SONKAR in my minor son namely KISHAN SONKAR, aged 15 years in his school record. The actual name of mine is VIRENDAR SONKAR, which may be amended accordingly.

Name Change
I, M VEATACHIAMMAL mother of NO-16116008N Rank-NAV Name-RAMACHANDRAN M R/O 1/186, WEST STREET, KURAYUR, MADURAI, TAMIL NADU-625701, have changed my name from M VEATACHIAMMAL to VEDACHI MAHALINGAM for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1965 instead of my correct date of birth as 01/01/1962 vide affidavit dated 26/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, Monika Wadhawan w/o Raj Kumar R/o H.No.8763, Gali No.3, Multani Dhanda, Paharganj, Delhi-110055 have changed my name to Monika permanently

Name Change
I, Mansi D/o Raj Kumar Wadhawan R/o H.No.8763, Gali No.3, Multani Dhanda, Paharganj, Delhi-110055 have changed my name to Mansi Wadhawan permanently.

Name Change
I, SAVITA W/O DINESH KUMAR DANG residing at H NO-228 GAGAN VIHAR KRISHNA NAGAR SHAHDARA DELHI-110051 have changed my name to RITU DANG permanently.

Name Change
I, Manoj S/o Ran Bir Singh R/o H.No-85, Village Fakarpur, Gurgaon, Haryana-122413, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Future Purpose

Name Change
I, Veena Kapoor W/o- Subhash Chandra kapur R/O B-24/2,1st floor East of Kailash Delhi 110065 have changed my name from Veena Kapoor to Veena Kapur for all future purposes.

Name Change
I, PIYUSH S/O ANIL KUMAR R/O A-1/152,HASTSAL ROAD, UTTAM NAGAR,NEW DELHI -110059 have changed my name to PIYUSH SINGHAL for all future purpose.

Name Change
I, YASIM W/O FARID KHAN R/O H NO.C-12/133, C-12 BLOCK, YAMUNA VIHAR, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME YASMEEN KHAN FOR ALL FUTURE PURPOSE.

फीस वृद्धि के विरोध में एबीवीपी ने फूंका पुतला

एजेंसी
जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ताओं ने अधिक फीस वसूले जाने के रोष स्वरूप वीसी का पुतला दहन किया। पुतला दहन से पहले कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सचिन ने बताया कि लंबे समय से विद्यार्थी परिषद वाइस चांसलर को ज्ञापन दे चके थे कि फीस को कम करवाया जाए। अन्य विश्वविद्यालयों के मुकाबले में सीआरएस विश्वविद्यालय में फीस कई गुणा है। इस फीस को कम कर छात्रों को विश्वविद्यालय में सस्ती शिक्षा मुहैया करवाई जानी चाहिए। जिला संयोजक परमिंद्र ने बताया कि कई बार चेतावनी देने के बाद भी विश्वविद्यालय प्रशासन फीस कम करने को लेकर कोई कार्रवाई नही कर रही थी। मजबूरन छात्रों को पुतला दहन करना पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि छात्रों को सस्ती शिक्षा देने के नाम पर विश्वविद्यालय के पास बजट की कमी होती है। परंतु करोड़ों के एयर कंडीशनर लगाने के लिए उनके पास पैसे आ जाते हैं। रोहन सैनी ने कहा कि वह चेतावनी के तौर पर वाइस चांसलर का पुतला दहन कर रहे हैं। यदि जल्द ही छात्र हित में फीस को कम करने का फैसला नहीं लिया गया तो वह इसके बाद वाइस चांसलर कार्यालय का घेराव कर वीसी कार्यालय में ही धरना देंगे।

खेतों में टावर लगाने पहुंचे बिजली कर्मियों को किसानों ने खदेड़ा

यमुनानगर। गांव रोड छप्पर के खेतों में बिजली के टावर लगाने पहुंचे बिजली विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों को किसानों ने खेतों में से खदेड़ दिया और उनका काम रोक दिया। किसानों ने हाईवे को जाम करने का प्रयास किया। इस मौके पर पुलिस बल बड़ी संख्या में तैनात रहा। भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी गुट के नेता मनदीप रोडछप्पर ने बताया कि आज यहां पर बिजली विभाग के कर्मचारियों द्वारा खेतों में घुसकर जबरदस्ती टावर लगाए जा रहे थे। जबकि सरकार द्वारा इसका मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उचित मुआवजा राशि की हमारी यह मांग पिछले एक साल से चली आ रही है। जिसको लेकर प्रशासन से कई बार बैठकें भी हो चुकी हुई है। लेकिन किसान को इसका सही मुआवजा नहीं दिया जा रहा है।

प्रदेश में बढ़ रहा अपराध, भाजपा सरकार मौन : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा लोकसभा क्षेत्र की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में लगातार अपराध बढ़ रहा है, लेकिन भाजपा सरकार पूरी तरह मौन साधे हुए है। कानून व्यवस्था बनाए रखने में मुख्यमंत्री पूरी तरह विफल साबित हुए हैं। नामचीन बदमाश कभी हत्या कर रहे हैं तो कभी जबरन वसूली में जुटे हैं। करनाल में विदेश भेजने का काम करने वाले व्यक्ति की कार पर फायरिंग और एक करोड़ रुपये फिरौती मांगने से साफ है कि जब सीएम सिटी में ही अपराधियों पर अंकुश नहीं है तो फिर प्रदेश की स्थिति तो पूरी तरह भयावह ही है। इतना ही नहीं हिसार में थाना से मात्र 100 मीटर की दूरी पर सोमवार दोपहर बाद एक नेता के शो रूम पर तीन बदमाशों ने ताबड़तोड़ 35 राऊंड गोलियां चलाई और पर्ची फेंककर 05 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। ऐसा लग रहा है कि हरियाणा में जंगल राज है और अपराधी बेखौफ होकर सरेआम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

फतेहाबाद सड़क हादसे में सिरसा की महिला की मौत

फतेहाबाद। नेशनल हाइवे पर भूना रोड फ्लाईओवर पर सुबह हुए सड़क हादसे में सिरसा के एक डॉक्टर की पुत्रवधु की दर्दनाक मौत हो गई। वह अपनी बेटी और बहन के साथ कैब किराए पर लेकर सिरसा से दिल्ली जा रही थी, जहां से उन्हें माता वैष्णो देवी के लिए ट्रेन पकडऩी थी। फतेहाबाद में गाड़ी आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। गाड़ी में आगे बैठी महिला की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए फतेहाबाद के सरकारी अस्पताल भिजवा दिया है। मिली जानकारी के अनुसार सिरसा के अंबेडकर चौक में ओपी आई क्लीनिक चलाने वाले डॉक्टर ओपी चौधरी की पुत्रवधू ममता चौधरी अपनी 18 वर्षीय बेटी मन्नत और बहन शालू के साथ मंगलवार सुबह करीब 4 बजे अर्टिगा गाड़ी लेकर दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। गाड़ी चालक चला रहा था।

आनलाइन पंजीकरण में राजकीय आईटीआई कैथल प्रदेश में सबसे आगे

कैथल। प्रदेश की 379 राजकीय और प्राइवेट आईटीआई में संपन्न हुई राजकीय और प्राइवेट आईटीआई में पंजीकरण की प्रक्रिया में कैथल की राजकीय आईटीआई प्रदेश भर में प्रथम रही है। प्रदेश की सभी आईटीआई के लिए मंगलवार तक 84767 पंजीकरण हुए। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने 7 जून से 21 जून तक पंजीकरण प्रक्रिया के लिए शेडयूल जारी किया था। बाद में विद्यार्थियों की मांग को देखते हुए इसे 25 जून तक बढ़ा दिया गया था। आई.टी.आई कैथल के जिला नोडल अधिकारी सतीश मच्छाल ने बताया कि पिछले साल की तरह इस बार भी राजकीय आईटीआई कैथल पंजीकरण में प्रदेश में पहले स्थान पर रहा। संस्थान की 1200 सीटों के लिए 11788 आवेदन पहुंचे हैं। पंजीकरण में दूसरा स्थान हिसार तथा तीसरा भिवानी का रहा।

प्रदेश में आठ सौ करोड़ रुपये के कार्यों की दी गई मंजूरी

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई 'हाई पॉवर्ड वर्क्स परचेज कमेटी' की बैठक

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह की अध्यक्षता में हुई 'हाई पॉवर्ड वर्क्स परचेज कमेटी' की बैठक में क़रीब सवा आठ सौ करोड़ रुपये के कार्यों की मंजूरी दी गई। इसमें विद्युत विभाग को 111 करोड़ रुपये और कुरुक्षेत्र में सौ बेड का अतिरिक्त अस्पताल बनाने के लिए 32 करोड़ रुपये मंजूर किए गए है।

बैठक में पुलिस कर्मचारियों के लिए अम्बाला में लगभग 19 करोड़ रुपये से बनने वाले 96 मकानों के टेंडर की अंतिम मंजूरी दी गई। इसके अलावा भिवानी जिले के गांव खरकड़ी में महाराणा प्रताप हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी के रीजनल रिसर्च स्टेशन में 9.47 करोड़ रुपये से तथा इसी यूनिवर्सिटी के करनाल में 358 करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों को मंजूरी दी गई। बिजली विभाग में ज्यादा क्षमता के करंट कंडक्टर को बदलने के लिए 111 करोड़ रुपये, फरीदाबाद जिले के गांव धौज में सीवरेज पाइपलाइन बिछाने के लिए 19.32 करोड़ रुपये, कैथल जिला के गांव ढांड में जलापूर्ति क्षमता की अपग्रेडशन के लिए 28.60 करोड़ रुपये, रेवाड़ी जिला में सादलपुर रेलवे लाइन पर 2 लेन का आरओबी बनाने पर 23 करोड़ रुपये, पानीपत जिला में पानीपत-डाहर रोड को 4-लेन करने के लिए 15.80 करोड़ रुपये तथा नारनौल ब्रांच से कृष्णावती नदी को रिचार्ज करने के

लिए 41.50 करोड़ रुपये के कार्यों को मंजूरी दी गई।

इस बैठक में कैथल जिले के गांव लादना चक्कू में राजकीय महिला कॉलेज के निर्माण पर 14.30 करोड़ रुपये, राजौंद में राजकीय कॉलेज की नई बिल्डिंग बनाने पर 13.60 करोड़ रुपये तथा हिसार जिले के गांव डाटा में राजकीय महिला कॉलेज बनाने के लिए 17 करोड़ रुपये के कार्य की मंजूरी दी गई। कुरुक्षेत्र में एलएनजेपी अस्पताल के कैंपस में ही 100 बेड का अतिरिक्त अस्पताल बनाने के लिए 32 करोड़ रुपये, पलवल हसनपुर रोड की मजबूती के लिए 12.15 करोड़ रुपये, फतेहाबाद जिले में जाखल-धारसूल-भूना-पाबड़ा-सरसौद रोड की चौड़ाई और मजबूती के लिए 21.11 करोड़, कुरुक्षेत्र जिला में सहारनपुर-कुरुक्षेत्र रोड के सुधार समेत अन्य कार्यों के लिए 16.40 करोड़, असंध-राजौंद-कैथल-पटियाला रोड की स्पेशल मरम्मत के लिए 16.60 करोड़, तोशाम-बहल-सुधीवास रोड की मजबूती के लिए 12.50 करोड़, हांसी-उमरा-सुल्तानपुर-कंवारी रोड की स्पेशल मरम्मत के लिए 13.75 करोड़ रुपये तथा यमुनानगर-खजुरी-जठलाना रोड के निर्माण के लिए 23.62 करोड़ रूपये के निर्माण कार्यों की मंजूरी दी गई।

बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कंवर पाल, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री मूलचंद शर्मा, बिजली मंत्री रणजीत सिंह, विकास एवं पंचायत मंत्री महिपाल ढांडा के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

हरियाणा के सभी जिलों में खुलेंगे प्रवर्तन ब्यूरो के पुलिस थाने

अवैध खनन, तस्करी व बिजली-पानी की चोरी रोकने पर करेंगे काम

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में हो रहे अवैध खनन तथा शराब तस्करी के मामलों को रोकने के लिए सभी जिलों में प्रवर्तन ब्यूरो के पुलिस थाने खोलने का फैसला किया है। गृह सचिव की तरफ से इस बारे में अधिसूचना जारी कर दी गई है। इन पुलिस थानों की मदद से बिजली और पानी की चोरी रोकने के अलावा सरकारी संपत्तियों पर अवैध कब्जे हटाने का काम करवाया जाएगा।

हरियाणा में शराब तस्करी, अवैध खनन, बिजली-पानी चोरी के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए पिछले साल मार्च में राज्य प्रवर्तन ब्यूरो का गठन किया गया था। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) स्तर के अधिकारी के अधीन काम करने वाले ब्यूरो के लिए पहले चरण में 1049 कर्मचारियों व अधिकारियों की नियुक्ति को हरी झंडी दी गई है। इनमें एक एडीजीपी, एक एसपी, पांच डीएसपी, 23 इंस्पेक्टर, 65 सब इंस्पेक्टर, 123 एएसआइ, 274 हेड कांस्टेबल और

557 कांस्टेबल के पद शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों में कोई टकराव न हो, इसके लिए स्टेट इंफोर्समेंट ब्यूरो का प्रमुख पुलिस महानिदेशक के माध्यम से ही गृह विभाग को अपनी रिपोर्ट भेजेगा। यानी कि ब्यूरो पूरी तरह से स्वतंत्र नहीं होगा।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में आठ जिलों अंबाला, करनाल, रोहतक, जींद, रेवाड़ी, गुरुग्राम, फरीदाबाद और हिसार में राज्य प्रवर्तन ब्यूरो के थाने संचालित हैं। वर्ष 2011 में नहरी पानी और बिजली की चोरी रोकने के लिए इन आठ जिलों में पुलिस स्टेशन बनाए थे, जिन्हें पिछले साल तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सरकार ने राज्य प्रवर्तन ब्यूरो के थाने के रूप में तब्दील कर दिया था।

नए आपराधिक कानूनों के बारे में 1 जुलाई को होंगे व्यापक जागरूकता कार्यक्रम

मुख्य सचिव ने दिए विशेष जागरूकता अभियान शुरू करने के निर्देश

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव टी.वी.एस.एन. प्रसाद ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के बारे में आगामी 1 जुलाई, 2024 को राज्य के सभी 378 पुलिस थानों और जेलों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य आमजन को तीन नए आपराधिक कानूनों- भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के बारे में शिक्षित करना है।

टी.वी.एस.एन. प्रसाद ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए केंद्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान यह जानकारी दी। बैठक में 1 जुलाई से होने वाले इन नए आपराधिक कानूनों के राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन के लिए राज्यों की तैयारियों की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने आपराधिक न्याय प्रणाली के इस महत्वपूर्ण सुधार में हरियाणा की भूमिका पर गर्व व्यक्त करते हुए इन कानूनों के सुचारू क्रियान्वयन के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि जांच अधिकारियों (आई.ओ.) सहित लगभग 40,000 पुलिस कर्मियों को राज्य के विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षित किया गया है। इसके अलावा, हरियाणा के 300 न्यायिक अधिकारियों ने चंडीगढ़ न्यायिक अकादमी में नए आपराधिक कानूनों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। हाल ही में, हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (हिपा), गुरुग्राम द्वारा आईएएस और एचसीएस अधिकारियों के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य अधिकारियों को नए कानूनों की पेचीदगियों से परिचित कराना था। उन्होंने कहा कि इसी तरह के कार्यक्रम ऑफलाइन मोड में मंडल स्तर पर भी आयोजित किए जाएंगे।

प्रसाद ने कहा कि राज्य की सभी जेलें पर्याप्त तकनीकी बुनियादी ढांचे से लैस हैं, जिनमें लगभग 300 डेस्कटॉप शामिल हैं। वर्चुअल कोर्ट कार्यवाही की तैयारी में, जेलों और न्यायालय परिसरों में 149 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम पहले ही लगाए जा चुके हैं। इसके अलावा, 178 सिस्टम और खरीदे जाने हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी जेल अधीक्षकों को नए आपराधिक कानूनों के बारे में कैदियों, उनके रिश्तेदारों, आगंतुकों और जेल कर्मचारियों के लिए एक विशेष जागरूकता अभियान शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। इन कानूनों के तहत नई धाराओं और प्रक्रियाओं को रेखांकित करने वाली पॉकेट बुकलेट फील्ड स्टाफ में वितरित करने के लिए छपवाई गई हैं।

बैठक में पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, डी.जी.पी. जेल मोहम्मद अकील और गृह, जेल तथा कानून और विधायी विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

जो सरकार जनता के जानमाल की सुरक्षा नहीं कर सकती, उसे सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं : हुड्डा

एजेंसी
चंडीगढ़। बीजेपी ने कानून व्यवस्था की हालात इतनी खस्ता कर दी है कि प्रदेश में सिर्फ वहीं व्यक्ति जिंदा है, जिसे कोई मारना नहीं चाहता। आज बदमाश इतने बेखौफ हो गए हैं कि वो जिससे चाहे फिरौती मांगते हैं और जिसको मर्जी गोली मार देते हैं। क्योंकि बदमाशों के जहन में सरकार का रत्तीभर भी डर नहीं है। ये कहना है पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। हुड्डा हिसार के एक शोरूम में हुई ताबड़तोड़ फायरिंग और रंगदारी मांगने के मुद्दे पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। ऐसी ही घटनाओ की ख़बर हरेक जिले से आ रही है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि 2014 से पहले हरियाणा देश के सबसे शांतिपूर्ण राज्यों में शुमार था। कांग्रेस कार्यकाल के दौरान प्रदेश से बदमाशों और

गैंगस्टरों का भगाया गया था। लोग बिना किसी डर के अपनी जिंदगी जीते थे और व्यापारी बिना किसी भय के कारोबार करते थे। लेकिन जब से भाजपा सत्ता में आई है, उसने कभी कानून व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया। इसलिए प्रदेश में बदमाश, गैंगस्टर और माफिया फिर से सक्रिय हो गए। जो हरियाणा 2014 से पहले विकास में नंबर वन था, उसे बीजेपी ने क्राइम स्टेट बना दिया है।

पिछले कुछ सालों में बदमाश कारोबारी से लेकर राजनीतिज्ञों तक सभी को अपना निशाना बना चुके हैं। व्यापारियों पर सरेआम फायरिंग, उनकी हत्या और चुने हुए विधायकों तक से फिरौती मांगने की वारदातें आम हो गई हैं। आम आदमी की स्थिति क्या होगी इसका अंदाजा एनसीआरबी की रिपोर्ट से लगाया जा सकता है। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि हरियाणा में रोज 4 हत्याएं, 4-5 रेप और लगभग एक दर्जन किडनैपिंग की वारदात होती हैं। खुद केंद्र सरकार के सामाजिक प्रगति सूचकांक में हरियाणा को देश का सबसे असुरक्षित राज्य घोषित किया गया है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि जो सरकार लोगों के जानमाल की रक्षा नहीं कर सकती, उसे सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। इसलिए कांग्रेस ने ऐलान किया है कि पार्टी की सरकार बनने पर हरियाणा से अपराध और अपराधियों को हरियाणा से भगाया जाएगा। फिर से हरियाणा को एक सुरक्षित राज्य बनाया जाएगा, जिसमें आम आदमी से लेकर प्रत्येक कारोबारी तक बेखौफ होकर अपना काम कर सकें।

बिजली निगमों की एकत्रित 157.37 करोड़ रुपये की राशि पंचायतों की गई जारी: ढांडा

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ग्रामीण आंचल में विकास कार्यों को तेज गति देने के लिए पंचायतों को अधिकार देने के साथ उन्हें वित्तीय रूप से सशक्त करने के भी निरंतर प्रयास कर रही हैं। इसी कड़ी में बिजली निगमों की एकत्रित पंचायत कर की लगभग 157.37 करोड़ रुपये की राशि भी पंचायतों को वितरित की गई है।

विकास एवं पंचायत राज्य मंत्री महिपाल ढांडा ने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से ग्राम पंचायत क्षेत्र की सीमा के भीतर बिजली उपभोक्ताओं के बिल पर दो प्रतिशत की दर से पंचायत कर लगाया जाता है। उन्होंने बताया कि उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) ने 31 मार्च, 2023 तक 107.37 करोड़ रुपये (एकमुश्त) की राशि एकत्र की है और यह राशि यूएचबीवीएन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले अंबाला, कुरुक्षेत्र, करनाल, कैथल, पंचकूला, पानीपत, रोहतक, सोनीपत, यमुनानगर और झज्जर जिले की संबंधित ग्राम पंचायतों के खाते में स्थानांतरित कर दी गई है।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) को 50 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई है और इसे डीएचबीवीएन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले 12 डीडीपीओ को संबंधित ग्राम पंचायतों को आगे वितरण के लिए स्थानांतरित कर दिया गया है। इस प्रकार कुल मिलकार दोनों बिजली निगमों ने 157.37 करोड़ रुपये की राशि पंचायतों को वितरित की गई है।

सबसे पहले सीआरएसयू ने घोषित किया अंतिम वर्ष का परिणाम

एजेंसी
जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डा. रणपाल सिंह ने बताया कि सभी संकायों के अंतिम वर्ष शैक्षणिक सत्र 2023-2024 के परिणाम परीक्षा समाप्त होने के 10 दिनों में घोषित कर दिया गया है। इतना जल्दी परीक्षा परिणाम किसी भी विश्वविद्यालय ने जारी नही किया है। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डा. रणपाल सिंह पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

कुलपति डा. रणपाल सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा लगातार छात्रहित में निर्णय लिए जा रहे हैं। इसी के चलते प्रदेशभर के सभी विश्वविद्यालयों में सबसे पहले सीआरएसयू ने सभी संकायों के अंतिम वर्ष के परीक्षा परिणाम घोषित किए हैं। पिछले साल भी अंतिम वर्ष के सभी संकायों का परीक्षा परिणाम जून माह के अंतिम सप्ताह में घोषित कर दिए गए थे और इस सत्र भी परीक्षा का परिणाम एक सीमित समय में दे कर विश्वविद्यालय ने अपना इतिहास दोहराया है। सभी संकायों में विश्वविद्यालय के अंतिम वर्ष में 5009 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया था। इनमें से 3094 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। अंतिम वर्ष की परीक्षा

परिणाम 62 प्रतिशत रहा है और इस वर्ष भी सभी संकायों में छात्राओं ने ही प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

परीक्षा नियंत्रक डा. निहाल सिंह चाहर ने बताया कि कला संकाय में एसडी महिला महाविद्यालय नरवाना की छात्रा रूबल ने 85.33 प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसी संकाय में दूसरे स्थान पर 84.29 प्रतिशत अंक के साथ इशा व 83.79 प्रतिशत अंक के साथ प्रियंका तीसरे स्थान रही है। यह दोनों छात्राएं भी एसडी महिला कॉलेज की छात्राएं हैं। वाणिज्य संकाय में राजकीय महाविद्यालय अलेवा की छात्रा ईशा ने 81 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कर प्रथम स्थान पाया है। दूसरे स्थान पर 79.94 प्रतिशत अंकों के साथ एसडी महिला महाविद्यालय नरवाना की छात्रा दीपिका बंसल तथा तीसरे स्थान पर 78.75 प्रतिशत अंकों के साथ राजकीय महाविद्यालय जींद की छात्रा तमन्ना रही है। बीएससी नॉन मेडिकल में 91 प्रतिशत अंकों के साथ राजकीय महाविद्यालय जींद के प्रियांशु सिंगला प्रथम स्थान पर रहे हैं।

अयोध्या में विश्राम गृह बनाएगी हरियाणा सरकार

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार देश के अन्य राज्यों की तरह अब अयोध्या में भी अपना विश्राम गृह बनाएगी। एक तरफ जहां उत्तर प्रदेश सरकार अयोध्या को विश्व स्तरीय पर्यटक स्थल के रूप में विकसित कर रही है। वहीं हरियाणा सरकार भी अब अयोध्या में अपना गेस्ट हाउस बनाने की तैयारी में है। उत्तर प्रदेश सरकार की पहल पर हरियाणा सरकार ने अपनी सैद्धांतिक सहमति दे दी है।

हरियाणा सरकार की ओर से इस समय हरियाणा के अलावा दिल्ली, हिमाचल प्रदेश आदि में गेस्ट हाउस चल रहे हैं। अब हरियाणा सरकार उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भी गेस्ट हाउस बनाने की दिशा में काम शुरू कर रही है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में मंत्रियों तथा विधायकों का एक शिष्टमंडल अयोध्या में रामलला का दर्शन करके लौटा है। इसके अलावा हरियाणा सरकार पहले ही मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना शुरू कर चुकी है। जिसके अंतर्गत हरियाणा से यात्री बसों व ट्रेन के माध्यम से अयोध्या जा रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पंजीकृत श्रमिकों को भी तीर्थ दर्शन यात्रा के दायरे में शामिल करने का ऐलान किया है। जिसके चलते सरकार इस बात से सहमत है कि अयोध्या में भी अपना एक गेस्ट हाउस बनाया जाए। जिससे हरियाणा के लोगों को वहां जाकर अतिरिक्त सुविधा मिल सके।

उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा अयोध्या में विभिन्न राज्यों के भवन निर्माण की योजना को लेकर भी देश के अलग-अलग राज्यों के लोग जमीनों को आवंटित कर रही है। अब तक महाराष्ट्र, गोवा, उत्तराखंड सहित अन्य राज्यों में जमीन खरीदने के लिए आवेदन कर चुके हैं। जल्द ही कई भवन निर्माण का कार्य भी शुरू होने जा रहा है।

उत्तर प्रदेश सरकार धर्मनगरी अयोध्या और तीर्थराज प्रयागराज में राज्य सरकार अतिथि गृहों का निर्माण कराने जा रही है। अब हरियाणा भी अयोध्या में गेस्ट हाउस के लिए आवेदन करेगी। इस दिशा में विभागीय अधिकारियों ने मंथन शुरू कर दिया है।

शिविर में समस्याएं अधिक, समाधान कम

एजेंसी
पानीपत। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के दिशानिर्देश पर हर जिले में लोगों की समस्याओं के निदान के लिए समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में शिकायतकर्ताओं की संख्या दिनों-दिन बढ़ रही है लेकिन उनके समाधान की संख्या कम होती जा रही है। पानीपत में 11 जून से शुरू हुए समाधान शिविर में 25 जून तक कुल 1,380 समस्याएं आईं, जिनमें से महज 368 समस्याओं का समाधान किया गया। जिला उपायुक्त कार्यालय के अनुसार 11 जून को शिविर के पहले दिन 39 समस्याएं आईं, जिसमें 10 समस्याओं का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। 12 जून को 112 समस्याएं आईं, जिनमें 30 समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया। 13 जून को 161 समस्याएं आईं, जिसमें से केवल 10 समस्याओं का ही मौके पर समाधान किया गया। 14 जून को 174 समस्याएं आईं, जिसमें केवल 96 समस्याओं का समाधान किया गया। रिपोर्ट के अनुसार 17 जून को 120 समस्याएं आईं, जिसमें से किसी भी समस्या का मौके पर समाधान नहीं हुआ। 19 जून को समाधान शिविर में 208 समस्याएं आईं, जिसमें केवल 20 समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया गया। 20 जून को 153 में से 50

समस्याओं का समाधान किया गया। 21 जून को 201 समस्याएं आई जिसमें 103 समस्याओं का समाधान किया गया। इसी प्रकार 24 जून को 212 समस्याएं आईं, जिसमें केवल 49 समस्याओं का ही वह हर हाल में लोगों की समस्या का समाधान चाहते है। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समस्या को बांध कर न बैठें। उसका तत्काल समाधान करें। लोन से संबंधित कोई समस्या आती है तो उसका तत्काल लोन स्वीकृत करें।

Name Change
I, hitherto known as RAM BABU alias RAM BABU BANSAL S/o RAMESHWAR DASS R/o 583/17, Najdik Railway Station Approach Road, Rohtak, Haryana-124001 have changed my name and shall hereafter be known as RAM BABU BANSAL.

Name Change
It is for general information that I, RUDRAKSH GARG S/o MAHADEV PARSHAD, R/o House No. 250, Ward No. 34, Near Triveni Park, Janta Colony, Rohtak, Rohtak, Haryana - 124001, declare that name of mine, my Father and my Mother have been wrongly written as RUDRAKSH, MAHADEV and PINKI in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of mine, my Father and my Mother are RUDRAKSH GARG, MAHADEV PARSHAD and PINKI GARG respectively, which may be amended accordingly.

भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने ली शपथ

एजेंसी
हिसार। भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा की नवनियुक्त कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शहर के अग्रसेन भवन में हुआ। इसमें शाखा के वर्ष 2024-2025 की कार्यकारिणी के सदस्यों ने शपथ ग्रहण की। आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में डॉ. प्रतिमा गुप्ता मुख्य अतिथि व कृष्ण गोरखपुरिया ने विशिष्ठ अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में पूर्व मेयर गौतम सरदाना, विभाग संघ संचालक पवन जिंदल, विवेक गोयल, साधुराम जाखड़ व अंकुर गर्ग विशेष रूप से उपस्थित रहे। दायित्व ग्रहण के लिए भाविप जिलाध्यक्ष रामनिवास वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाविप के राष्ट्रीय सचिव महिपाल यादव ने की।शाखा मीडिया प्रभारी सूर्य गोयल ने बताया की कार्यकारिणी में ऋषिराज बुड़ाकिया ने अध्यक्ष, संजीव गोयल ने सचिव, अजय सिंगला ने कोषाध्यक्ष व रेनू मंगल ने महिला अध्यक्ष के रूप में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में हिसार की तीन अन्य शाखाओं वीर शाखा, केशव शाखा व चंद्रशेखर आजाद शाखा के पदाधिकारियों की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा की महिला सदस्यों द्वारा स्वागत गीत के साथ हुआ। नित्यम् डांस ग्रुप के माध्यम से बच्चों द्वारा देश भक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुति ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इस अवसर पर शाखा सचिव ने 2023-2024 की वार्षिक रिपोर्ट सबके समक्ष रखी। इस अवसर पर विवेकानंद शाखा की सदस्यता लेने वाले 22 परिवारों को भी शपथ दिलवाई गई। दायित्व ग्रहण की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात अध्यख ऋषिराज बुड़ाकिया ने आगामी सत्र में जनसेवा के विभिन्न कार्यों और अधिक उत्साह व तेजी के साथ करने का संकल्प लिया।

एनएचएआई ने वैश्विक नेविगेशन उपग्रह प्रणाली आधारित टोलिंग पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्गों पर वाहन चालकों को निर्बाध और बाधा मुक्त टोलिंग अनुभव कराने के लिए एनएचएआई द्वारा प्रवर्तित कंपनी भारतीय राजमार्ग प्रबंधन कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) ने 'भारत में ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह' पर नई दिल्ली में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में उद्योग जगत और वैश्विक विशेषज्ञों दोनों को ही भारत में जीएनएसएस प्रौद्योगिकी पर आधारित फ्री-फ्लो टोलिंग प्रणाली के सुचारू कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करने के लिए एक अनूठा मंच मुहैया कराया गया। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री श्री अजय टम्टा, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग एवं कॉरपोरेट कार्य राज्य मंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग सचिव श्री अनुराग जैन, एनएचएआई के अध्यक्ष श्री संतोष कुमार यादव, एनएचएआई के सदस्य (प्रशासन) एवं आईएचएमसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री विशाल चौहान, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के संयुक्त सचिव (लॉजिस्टिक्स) श्री एस.पी. सिंह तथा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, एनएचएआई, आईएचएमसीएल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ अमेरिका और यूरोप के अंतर्राष्ट्रीय उद्योग विशेषज्ञ और आईआईटी, एनआईसी, एनपीसीआई, सी-डैक, एचओए (आई), एनएचबीएफ, आईआरएफ, एसआईएएम, वित्तीय संस्थानों और अग्रणी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के प्रतिनिधिगण भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने भारत की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के लिए पशुधन क्षेत्र का महत्व बताया

नई दिल्ली। केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 21वीं पशुधन गणना की तैयारी के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को रणनीति बनाने और सशक्त करने के लिए कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल और श्री जॉर्ज कुरियन भी मौजूद थे। कार्यशाला में केंद्रीय मंत्री ने 21वीं पशुधन डेटा संग्रह के लिए विकसित मोबाइल एप्लीकेशन का भी शुभारंभ किया। केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह ने भारत की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के लिए पशुधन क्षेत्र का महत्व बताया। उन्होंने पशुधन गणना की सावधानीपूर्वक योजना बनाने और उसे लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एकत्र किया गया डाटा, भविष्य की पहलों को आकार देने और क्षेत्र में चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य सितंबर-दिसंबर 2024 के दौरान निर्धारित आगामी पशुधन गणना के लिए एक समन्वित और कुशल दृष्टिकोण सुनिश्चित करना है।

सी-डैक और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग और सम्बद्ध क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास के लिए एक इको-सिस्टम बनाने के बारे में समझौता-प्रपत्र पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) ने आज उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) और सम्बद्ध क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास के लिए एक इको-सिस्टम बनाने के बारे में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के साथ समझौता-प्रपत्र (एमओए) पर हस्ताक्षर किए। एमओए पर एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रोफेसर टीजी सीताराम और सी-डैक पुणे और कॉर्पोरेट रणनीति के कार्यकारी निदेशक कर्नल आशीष नाथ (सेवानिवृत्त) ने इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव श्री एस कृष्णन व मंत्रालय के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

कैपजेमिनी ने नोएडा में पहला सेंटर ऑफ एक्सिलेंस इन स्किलिंग किया शुरू

मुंबई। कैपजेमिनी ने नोएडा विशेष आर्थिक क्षेत्र के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश में कौशल विकास में अपनी तरह का पहला सेंटर ऑफ एक्सिलेंस इन स्किलिंग शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि इस अत्याधुनिक केंद्र में कक्षाएँ, एक कंप्यूटर लैब, एक परामर्श क्षेत्र और सरकारी स्कूली शिक्षकों और छात्रों के लिए कोडिंग, टिंकरिंग और रोबोटिक्स सुविधाओं से सुसज्जित विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित लैब जैसी सुविधाएँ शामिल हैं, जो एक अनुकूल शिक्षण वातावरण बनाती हैं। इस सहयोग का उद्देश्य बेरोजगार और कमज़ोर युवाओं तक पहुँचकर और उन्हें जनरेटिव एआई , रोबोटिक्स, फिनटेक और अन्य जैसी नई तकनीकों में उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करके भारत में कौशल विकास और डिजिटल साक्षरता को प्रोत्साहित करने में मदद करना है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने रोजगार एवं कौशल विशेषज्ञों के साथ की बजट पूर्व चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां आम बजट 2024-25 की तैयारियों के मद्देनजर रोजगार और कौशल विकास क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ बजट-पूर्व परामर्श बैठक की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आम बजट 2024-25 के लिए आठवें बजट-पूर्व परामर्श चर्चा में रोजगार और कौशल विकास क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने वित्त मंत्री को अपने सुझाव दिए। बैठक में वित्त सचिव, व्यय विभाग के सचिव, आर्थिक मामलों के विभाग, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के सचिव के अलावा श्रम मंत्रालय के सचिव तथा भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार भी शामिल रहे।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम चुनाव से पहले चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था। चुनाव के बाद एनडीए सरकार में उन्हें फिर से वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने अब पूर्ण बजट पेश करने के पहले उसकी तैयारी शुरू कर दी है।

वस्त्र विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए उद्योग को हब और स्पोक मॉडल में काम करना चाहिए : वस्त्र मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने आज यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में 71वें भारत अंतर्राष्ट्रीय परिधान मेले (आईआईजीएफ) का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण में केन्द्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आईआईजीएफ सूक्ष्म, लघु और मध्यम निर्यातकों के लिए एक अभिनव विपणन मंच प्रदान करता है, जो भारत के नवीनतम रुझानों और विविध पेशकशों को दुनिया के बाकी हिस्सों के सामने प्रदर्शित करता है। श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया के विजन को साकार करने के लिए विश्वस्तरीय विनिर्माण सुविधाओं का विकास करना आवश्यक है, जिसमें मूल्य श्रृंखला के प्रत्येक स्तर पर ज़ीरो इफेक्टः ज़ीरो डिफेक्टः हो। श्री सिंह ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ाने के लिए हब और स्पोक मॉडल को अपनाने का आह्वान किया, उद्योग सहयोग को प्रोत्साहित किया और भारतीय ब्रांडों की स्थापना के महत्व को रेखांकित किया। मंत्रालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानकीकृत पार्क बनाने के लिए एकीकृत वस्त्र पार्क (एसआईटीपी) योजना को पुनर्जीवित करने के लिए भी तैयार है।

श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि, आज, भारत 7.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और 2027-28 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। विकासोन्मुखी राजनीतिक प्रतिष्ठान के साथ सकारात्मक घरेलू दृष्टिकोण के बल पर भारत में व्यापार के लिए अनुकूल इको-सिस्टम उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा अवसंरचना क्षेत्र को बढ़ाने और व्यापार सुगमता के लिए कई उपाय किए गए हैं। इसके अलावा मंत्री महोदय ने वस्त्र उद्योग जगत से कहा कि भारतीय परिधान और वस्त्र बाजार का आकार 165 बिलियन अमरीकी डॉलर है, जिसे 350 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचना है; यह एक लक्ष्य है, जिसे आपकी सहमति से तय किया गया है। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि इसे 2030 तक 50 बिलियन अमरीकी डॉलर तक ले जाएं। प्रधानमंत्री ने तकनीकी फाइबर और जियो टेक्सटाइल को बढ़ावा देने के लिए एक रोडमैप बनाया है।

क्रिप्टो करेंसी मार्केट में मिला-जुला कारोबार, बिटकॉइन की घटी मार्केट हिस्सेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिप्टो करेंसी मार्केट में मिलाजुला कारोबार होता नजर आ रहा है। मार्केट कैप के लिहाज से टॉप-10 में शामिल क्रिप्टो करेंसीज में से बिटकॉइन और एथेरियम समेत 6 बढ़त के साथ ग्रीन जोन में कारोबार कर रही हैं, जबकि 4 क्रिप्टो करेंसी गिरावट के साथ रेड जोन में कारोबार करती नजर आ रही हैं। आज के कारोबार में दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन में तेजी जरूर आई है, लेकिन उसकी मार्केट हिस्सेदारी में गिरावट आ गई है।

भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय समय के हिसाब से आज शाम 6 बजे तक बिटकॉइन 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 61,176.81 डॉलर यानी 51.04 लाख रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह एथेरियम की कीमत भी आज

2.12 प्रतिशत की तेजी के साथ उछल कर 3,375.76 डॉलर के स्तर पर आ गई थी।

बिटकॉइन और एथेरियम के अलावा टेथर 0.03 प्रतिशत, बीएनबी 0.80 प्रतिशत, यूएसडी कॉइन 0.02 प्रतिशत और एक्सआरपी 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ रेड जोन में कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, सोलाना 9.13 प्रतिशत, टॉनकॉइन 5.05 प्रतिशत, डॉगकॉइन 5.64 प्रतिशत और कार्डानो 5.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ ग्रीन जोन में कारोबार कर रहे थे। कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी के ग्लोबल मार्केट कैप में 1.40 प्रतिशत की मजबूती दर्ज की गई है। फिलहाल क्रिप्टो करेंसी का ग्लोबल मार्केट कैप बढ़ कर 2.27 लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 189.39 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

ग्लोबल मार्केट कैप में मजबूती आने के साथ ही पिछले 24 घंटे के दौरान क्रिप्टो करेंसीज के लेन-देन में भी तेजी आई है। इस अवधि में कुल 8,635 करोड़ डॉलर यानी 7.20 लाख करोड़ रुपये की क्रिप्टो करेंसी की लेन-देन हुई, जो 1 दिन पहले की तुलना में 29.23 प्रतिशत अधिक है। अगर दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की बात करें कीमत में तेजी आने के बावजूद पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी मार्केट में इस आभासी मुद्रा की स्थिति 0.43 प्रतिशत कमजोर हुई है, जिसके कारण इसकी मार्केट हिस्सेदारी घट कर 53.38 प्रतिशत रह गई है।

एलाइड ब्लेंडर्स का आईपीओ खुला, निवेशक 27 जून तक कर सकेंगे निवेश

एजेंसी

मुंबई। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड (एबीडी) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए खुल गया। खुदरा निवेशक इस आईपीओ के लिए 27 जून तक बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 1,500 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है।

एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड ने आईपीओ का मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 267-281 रुपये तय किया है। ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाने वाली कंपनी के आईपीओ में एक हजार करोड़ रुपये के ताजा शेयर और प्रवर्तकों द्वारा 500 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल हैं। कंपनी ने सार्वजनिक निर्गम से पहले एंकर निवेशकों से 449 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड को एबीडी के तौर पर जाना जाता है। ये भारतीय निर्मित विदेशी शराब कंपनी है, जिसका मुख्यालय मुंबई में स्थित है। कंपनी के पोर्टफोलिया में व्हिस्की, ब्रांडी, रम और वोदका के 16 ब्रांडों के प्रॉडक्ट शामिल हैं। इनमें ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की, स्टर्लिंग रिजर्व और ऑफिसर्स चॉइस ब्लू सहित अन्य प्रमुख ब्रांड शामिल हैं, जिसका दुनियाभर के 22 देशों में निर्यात होता है।

कच्चा तेल 87 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य उछलकर 87 डॉलरऔर डब्ल्यूटीआई क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.05 डॉलर यानी 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 86.06 डॉलर और वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.06 डॉलर यानी 0.07 फीसदी उछलकर 81.69 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये , डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

सर्राफा बाजार में जारी कमजोरी से सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन गिरावट का माहौल है। हालांकि चेन्नई में सोने के भाव में तेजी आई है, लेकिन देश के ज्यादातर बाजारों में कमजोरी के कारण 24 कैरेट सोना 72,370 रुपये से लेकर 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी चेन्नई के अलावा दूसरे सर्राफा बाजारों में आज 66,390 रुपये से लेकर 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही आज चांदी के भाव में भी आज गिरावट आई है। आज की गिरावट के कारण आज दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 91,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,30 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,220 रुपये प्रति

10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 72,270 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 72,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,270 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 72,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सरकार ने 96,238 करोड़ रुपये मूल्य की 10वीं स्पेक्ट्रम नीलामी शुरू की

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में 5जी सेवाओं को बढ़ाने के लिए 10वीं स्पेक्ट्रम की नीलामी शुरू हो गई है। सरकार ने स्पेक्ट्रम की 96,238 करोड़ रुपये मूल्य की नीलामी शुरू की। इसमें एयरटेल और रिलायंस जियो जैसी कंपनियों के बोली लगाने की उम्मीद है।

संचार मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने स्पेक्ट्रम नीलामी शुरू की है। इसके लिए आठ मार्च को आवेदन आमंत्रण नोटिस (एनआईए) जारी किया गया था। मंत्रालय ने बताया कि इस बार नीलामी में 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 1800 मेगाहर्ट्ज, 2100 मेगाहर्ट्ज, 2300 मेगाहर्ट्ज, 2500 मेगाहर्ट्ज, 3300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बैंड के लिए बोली

लगाए जाएंगे। मंत्रालय के मुताबिक 10वीं नीलामी में स्पेक्ट्रम की कुल मात्रा विभिन्न बैंडों में 10,522.35 मेगाहर्ट्ज है, जिसका मूल्य आरक्षित मूल्य पर 96,238.45 करोड़ रुपये है। रेडियो तरंगों की बिक्री प्रक्रिया 2010 में ऑनलाइन शुरू होने के बाद से यह 10वीं स्पेक्ट्रम की नीलामी है। आखिरी बार अगस्त, 2022 में नीलामी हुई थी, जिसमें पहली बार 5जी सेवाओं के लिए रेडियो तरंगें शामिल की गईं थीं।

दूरसंचार विभाग के मुताबिक रिलायंस जियो ने स्पेक्ट्रम की नीलामी के लिए सबसे अधिक 3 हजार करोड़ रुपये की बयाना राशि जमा की है। इस आधार पर कंपनी अधिकतम रेडियो तरंगों के लिए बोली लगा सकती है। भारती एयरटेल ने 1,050 करोड़ रुपये और वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने 300 करोड़ रुपये की बयाना राशि जमा की है। कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने अपने स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क को कम करने के लिए विशेष रूप से 26 गीगाहर्ट्ज बैंड में रणनीतिक अधिग्रहण पर ध्यान केंद्रित कर सकती है।

वित्त मंत्री ने व्यापार और सेवाओं के प्रतिनिधियों के साथ की बजट पूर्व बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां आम बजट 2024-25 की तैयारियों के मद्देनजर व्यापार और सेवाओं के प्रतिनिधियों के साथ बजट-पूर्व परामर्श बैठक की।

वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पर कहा कि आगामी आम बजट 2024-25 के लिए व्यापार और सेवाओं के प्रतिनिधियों ने वित्त मंत्री

सीतारमण को अपने सुझाव दिए। बजट पूर्व इस परामर्श बैठक में केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव, व्यय विभाग के सचिव, आर्थिक मामलों के विभाग और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सचिव तथा केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार भी शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री सीतारमण ने आम चुनाव से पहले चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था। चुनाव के बाद उन्हें फिर से वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने अब पूर्ण बजट पेश करने के पहले उसकी तैयारी शुरू कर दी है।

नए शिखर पर घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स पहली बार 78 हजार अंक के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। बैंकिंग और आईटी सेक्टर में आई तेजी के कारण घरेलू शेयर बाजार ने एक बार फिर मजबूती का नया रिकॉर्ड बना दिया। सेंसेक्स पहली बार 78 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल रहा। इसी तरह निफ्टी ने भी पहली बार 23,750 अंक के ऊपर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। दिन के पहले सत्र में शेयर बाजार की चाल में उतार-चढ़ाव बना रहा, लेकिन दोपहर 12 बजे के बाद खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार ने तेज रफ्तार पकड़ ली। आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने अभी तक के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचने में भी कामयाबी हासिल की। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.92 प्रतिशत और निफ्टी 0.78 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज के कारोबार के दौरान आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में लगातार तेजी बनी रही। दूसरी ओर पावर, यूटिलिटी, एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल और रियल्टी इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के

कारोबार का अंत किया।

आज बाजार की तेजी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 16 हजार करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 435.76 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 435.60 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 16 हजार करोड़ रुपये की कमाई हो गई।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,000 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,805 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,077 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 118 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,310 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 993 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,317 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर बढ़त के साथ और 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 26 शेयर हरे निशान में और 24 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 188.11 अंक की मजबूती के साथ 77,529.19 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक मामूली गिरावट के साथ 77,459.60 अंक तक लुढ़का। लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। दोपहर 12 बजे के बाद खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू कर दी, जिसके कारण थोड़ी देर में ही इस सूचकांक ने 78 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफलता हासिल कर ली। घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से कारोबार खत्म होने से थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 823.63 अंक उछल कर अभी तक के सर्वोच्च स्तर 78,164.71 अंक तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 712.44 अंक की तेजी के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 78,053.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 39.25 अंक उछलकर 23,577.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। दिन के पहले सत्र में इस सूचकांक की चाल में भी मामूली उतार चढ़ाव होता रहा। लेकिन दोपहर 12-30 बजे के बाद तेजड़िये पूरी तरह से बाजार पर हावी हो गए, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी 216.30 अंक की उछाल के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 23,754.15 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई बिकवाली के कारण निफ्टी सर्वोच्च स्तर से करीब 33 अंक फिसल कर क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 183.45 अंक की बढ़त के साथ 23,721.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से श्रीराम फाइनेंस 3.73 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 3.53 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 2.38 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 2.33 प्रतिशत और एचडीएफसी लाइफ 1.98 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

संविधान की दुहाई देने वाली पार्टी कांग्रेस ने ही संविधान का अपमान कर देश में आपातकाल लगाया था

विपक्ष ने लोकसभा चुनावों के दौरान आरोप लगाया कि यदि मोदी सरकार दोबारा सत्ता में आई तो संविधान खत्म कर देगी। चुनावों के बाद जब फिर से मोदी सरकार आ गयी तो लोकसभा के पहले सत्र के पहले दिन विपक्ष ने संविधान की प्रतियां हाथ में लेकर संसद परिसर में मार्च निकाला और सरकार को आगाह किया कि वह संविधान से कोई छेड़छाड़ नहीं करे। यहां सवाल उठता है कि क्या कोई सरकार संविधान से छेड़छाड़ कर सकती है? सवाल यह भी उठता है कि क्या आज तक संविधान से किसी ने छेड़छाड़ की है? सवाल यह भी उठता है कि क्या भारत में आज तक कोई ऐसा राजनीतिज्ञ हुआ है या कोई ऐसी राजनीतिक पार्टी रही है जिसने संविधान से ऊपर अपने हितों को रखा हो। इन सब प्रश्नों का उत्तर ढूँढ़ेंगे तो जवाब मिलेगा कांग्रेस और इंदिरा गांधी। कांग्रेस ही वह पार्टी है और इंदिरा गांधी ही वह राजनीतिज्ञ हैं जिन्होंने अपने हितों की पूर्ति के लिए संविधान को ताक पर रख दिया था।हम आपको याद दिला दें कि इतिहास में 25 जून का दिन भारत के लिहाज से एक महत्वपूर्ण घटना का गवाह रहा है क्योंकि 1975 में इस दिन तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने मनमाने तरीके से देश में आपातकाल थोप दिया था। हम आपको बता दें कि 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक की 21 महीने की अवधि में भारत में आपातकाल रहा था। तत्कालीन राष्ट्रपति फ़खरुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार की सिफारिश पर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 352 के अधीन देश में आपातकाल की घोषणा की थी। देखा जाये तो स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह सबसे विवादास्पद काल था। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण था कि आजादी के महज 28 साल बाद ही देश को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कारण आपातकाल के दंश से गुजरना पड़ा था। इसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की छवि काफी प्रभावित हुई थी और आज भी विश्व इतिहास में यह दर्ज है कि भारत भले लोकतंत्र की जननी है लेकिन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में इस लोकतंत्र को जेल की सींखचों के पीछे डाल दिया गया था।

हम आपको बता दें कि 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी तानाशाह इसलिए बन गयी थीं और देश पर आपातकाल इसलिए थोप दिया था क्योंकि एक पुराना मामला राजनीतिक रूप से उनके लिए बड़ी मुश्किलों का सबब बन गया था। दरअसल 1971 में हुए लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी ने अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी राज नारायण को रायबरेली संसदीय क्षेत्र में पराजित किया था। लेकिन चुनाव परिणाम आने के चार साल बाद राज नारायण ने

हाईकोर्ट में चुनाव परिणाम को चुनौती दी। उन्होंने दलील दी थी कि इंदिरा गांधी ने चुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया, चुनाव में तय सीमा से अधिक पैसे खर्च किए और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए ग़लत तरीकों का इस्तेमाल किया। मामले पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 12 जून 1975 को इंदिरा गांधी को आरोपों में दोषी पाया और छह साल के लिए पद से बेदखल कर दिया तथा इंदिरा गांधी के चिर प्रतिद्वंद्वी राज नारायण सिंह को चुनाव में विजयी घोषित कर दिया।अदालत के इस फैसले ने देश में बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया। विपक्ष इंदिरा सरकार पर हमलावर हो गया क्योंकि इंदिरा गांधी पर चुनाव के दौरान भारत सरकार के अधिकारी और अपने निजी सचिव यशपाल कपूर को अपना इलेक्शन एजेंट बनाने, स्वामी अवैतानंद को 50,000 रुपये घूस देकर रायबरेली से ही उम्मीदवार बनाने, वायुसेना के विमानों का दुरुपयोग करने, डीएम-एसपी की अवैध मदद लेने, मतदाताओं को लुभाने हेतु शराब, कंबल आदि बांटने और निर्धारित सीमा से अधिक खर्च करने जैसे 14 आरोप सिद्ध हुए थे। अदालत का फैसला सामने आते ही पूरी कांग्रेस और सरकार इंदिरा गांधी के नेतृत्व में एकजुट हो गयी और पार्टी नेताओं ने इंदिरा गांधी को इस्तीफा देने से मना किया। कांग्रेस कार्यकर्ता इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस जगमोहन लाल सिन्हा के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शन करने लगे और इस पूरे प्रकरण को अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए की साजिश बताने लगे। इंदिरा गांधी के पक्ष में नारेबाजी होने लगी। नेताओं में एक से बढ़कर एक चापलूसी वाले बयान देने की होड़ लग गयी। इसी दौरान तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने 'इंदिरा इज इंडिया और इंडिया इज इंदिरा' का नारा दे दिया जिससे चापलूसी की सारी हदें पार हो गयीं। पूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन कांग्रेस नेता चंद्रशेखर ने हालांकि इस दौरान इंदिरा गांधी को जयप्रकाश नारायण से नहीं उलझने की सीख देकर उन दोनों नेताओं के बीच वार्ता कराने का प्रस्ताव दिया था लेकिन कांग्रेस में उनकी किसी ने नहीं सुनी। इंदिरा गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को नहीं स्वीकार किया और न्यायपालिका का उपहास कर फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे डाली।इस बीच, इंदिरा गांधी का हठ देखकर समूचा विपक्ष एकजुट हो गया और न्यायालय द्वारा अयोग्य घोषित इंदिरा गांधी के इस्तीफे की मांग तेज हो गयी। पूरा विपक्ष राष्ट्रपति भवन के सामने धरना देकर विरोध दर्ज करा रहा था। इसके अलावा देश भर के शहर, जलसे, जुलूस और विरोध प्रदर्शन के गवाह बन रहे थे। 22 जून 1975 को दिल्ली में आयोजित रैली को जयप्रकाश नारायण समेत कई अन्य बड़े नेता संबोधित करने वाले थे। यह खबर सामने आते ही कांग्रेस इतनी डर गयी थी कि उसने कोलकाता-दिल्ली के बीच की वह उड़ान ही निरस्त करा दी जिससे जयप्रकाश नारायण दिल्ली आने वाले थे। इसी बीच, 24 जून को सुप्रीम कोर्ट ने इंदिरा गांधी की उस याचिका पर फैसला सुना दिया जिसके तहत उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा, हालांकि इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बने रहने की इजाजत दे दी। इस फैसले से विपक्ष में जहां नया जोश आ गया वहीं इंदिरा गांधी बौखला गयीं।विपक्ष की जो जनसभा दिल्ली के रामलीला मैदान में 22 जून को होने वाली थी वह आखिरकार 25 जून को हुई। खचाखच भरे रामलीला मैदान में 'महंगाई और भ्रष्टाचार, सत्ता सब की जिम्मेदार', 'हिंदू-मुस्लिम सिख-ईसाई, सबके घर में है महंगाई', 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है', जैसे तमाम नारे गूंजते रहे। जनसभा को तमाम विपक्षी नेताओं ने संबोधित किया और जब जयप्रकाश नारायण मंच पर आये तब उन्होंने स्पष्ट शब्दों में इंदिरा गांधी के इस्तीफे की मांग कर डाली और इंदिरा गांधी सरकार के अस्तित्व को मानने से इंकार कर दिया। जयप्रकाश नारायण ने इंदिरा गांधी के इस्तीफा देने तक देश भर में रोज प्रदर्शन करने का आह्वान किया। इस आह्वान के तुरंत बाद जनता जब सड़कों पर उतरने लगी तो इंदिरा गांधी सरकार की हालत बिगड़ने लगी। इसलिए रामलीला मैदान में विपक्ष की जनसभा के कुछ घंटों बाद ही तत्कालीन सरकार ने भारत में लोकतंत्र का गला घोंट दिया।अपने खिलाफ विपक्ष की एकजुटता और विरोध प्रदर्शन बढ़ते देख इंदिरा गांधी ने 25-26 जून की रात को आपातकाल लगाने का फैसला किया और रात्रि को ही राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद के दस्तखत के साथ भारत में आपातकाल लागू हो गया। अगली सुबह समूचे देश ने रेडियो पर इंदिरा गांधी की आवाज में संदेश सुना कि भाइयों और बहनों, राष्ट्रपति जी ने आपातकाल की घोषणा की है। लेकिन इससे सामान्य लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। लोगों को आपातकाल का मतलब तब समझ आया जब उन्हें पता चला कि उनके सभी मौलिक अधिकारों को स्थगित कर दिया गया है। इसके साथ ही सरकार विरोधी भाषणों और किसी भी प्रकार के प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। इससे जनता नाराज हुई और सड़कों पर उतरने लगी लेकिन सड़क पर उतरने वाले हर शख्स को जेलों में ठूंस दिया गया था।

हम आपको बता दें कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने आम आदमी की आवाज को कुचलने के लिए जिस धारा-352 का दुरुपयोग किया था उसके तहत सरकार को उस समय असीमित अधिकार प्राप्त थे जिसके तहत इंदिरा गांधी जब तक चाहें सत्ता में रह सकती थीं और लोकसभा-विधानसभा के लिए चुनाव की जरूरत नहीं थी। यही नहीं मीडिया और अखबार आजाद नहीं थे और सरकार कैसा भी कानून पास करा सकती थी। उस समय मीसा और डीआईआर कानून के तहत देश में एक लाख से ज्यादा लोगों को जेलों में ठूंस दिया गया। उस काले दौर में जेल-यातनाओं की दहला देने वाली कहानियां भरी पड़ी हैं। देश के जितने भी बड़े विपक्षी नेता थे, सभी के सभी सलाखों के पीछे डाल दिए गए। राजनीतिक बंदियों की अपने परिवारों से मुलाकात तक पर पाबंदी लगा दी गई थी। नेता ही नहीं अदालतें भी एक तरह से कैद हो चुकी थीं। किसी को जमानत नहीं दी जा रही थी और मानव अधिकारों के उल्लंघन पर स्वतः संज्ञान नहीं लिया जा रहा था।

गर्मियों में ड्राई स्किन से लेकर रेडनेस व जलन जैसी कई समस्याएं दूर करने में असरदार है Hyaluronic Acid

गर्मियों में टैनिंग स्किन रेडनेस जलन व सूजन जैसी समस्याएं बहुत कॉमन हैं। इन समस्याओं के चलते कई बार प्रॉपर स्किन केयर भी नहीं हो पाती जिससे चेहरा रफ एंड डल नजर आने लगता है तो अगर आप भी हो रही हैं इन समस्याओं से दो चार तो हयालूरोनिक एसिड को बना लें अपने स्किन केयर रूटीन का हिस्सा जो है स्किन के लिए कई तरीकों से फायदेमंद।

लगातार बढ़ता तापमान सिर्फ सेहत के लिए ही नुकसानदायक नहीं, बल्कि इसकी मार त्वचा और बालों को भी झेलनी पड़ती है। तेज धूप और गर्मी के चलते टैनिंग, ड्राइनेस, खुजली, रैशेज जैसी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। गर्मियों में स्किन को हेल्दी और फ्रेश रखना एक टास्क हो जाता है। नियमित रूप से फेसवॉश, टोनर और मॉयश्चराइजर के इस्तेमाल के बाद भी चेहरे पर रौनक नहीं नजर आती। ऐसे में हयालूरोनिक एसिड को अपने स्किन केयर में करना हो सकता है कई तरीकों से फायदेमंद।

क्या है हयालूरोनिक एसिड?

डॉ अमित लूथरा, कंसल्टेंट डर्मेटोलॉजिस्ट, ईशिरा स्किन क्लीनिक ने बताया कि, %हयालूरोनिक एसिड शरीर में प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला एक पदार्थ होता है, जो खासतौर से त्वचा, आंखों और जोड़ों में पाया जाता है। ये एसिड त्वचा में नमी और इलॉस्टिसिटी को बनाए रखने का काम करता है। साथ ही साथ ड्राईनेस की समस्या दूर कर स्किन को सॉफ्ट रखता है।%

गर्मियों में हयालूरोनिक एसिड के फायदे

1. नमी को रखता है बरकरार

गर्मियों में शरीर में पानी की कमी का असर त्वचा पर भी देखने को मिल सकता है। इसके चलते स्किन रफ एंड ड्राई हो सकती है। हयालूरोनिक एसिड त्वचा को हाइड्रेट रखता है। जिसके चलते स्किन की सॉफ्टनेस और चमक बरकरार रहती है।

2. स्किन में आसानी से हो जाता है एब्जॉर्ब

ऐसे कई सारे मॉयस्चराइजर होते हैं, जिन्हें लगाने से स्किन चिपचिपी नजर आती है और ये पोर्स भी ब्लॉक कर सकते हैं, लेकिन हयालूरोनिक एसिड युक्त मॉयश्चराइजर लाइट होते हैं, जो स्किन में आसानी से एब्जॉर्ब हो जाते हैं। जिससे चिपचिपे की समस्या नहीं होती।

3. दूर होती है जलन व सूजन की समस्या

लंबे वक्त तक धूप के संपर्क में रहने से स्किन में जलन व सूजन की समस्या हो सकती है। ऐसे में हयालूरोनिक एसिड का इस्तेमाल इन सभी परेशानियों को दूर करने में मदद कर सकता है। सेंसिटिव से लेकर ड्राई और कॉम्बिनेशन हर तरह के स्किन के लिए फायदेमंद है हयालूरोनिक एसिड।

4. यूवी किरणों से बचाव

हायलूरोनिक एसिड त्वचा को सूरज की हानिकारक ड्क किरणों और प्रदूषण से भी बचाता है।

5. बढ़ती उम्र के असर को थामने में कारगर

जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारी त्वचा अपना प्राकृतिक हायलूरोनिक एसिड खोने लगती है, जिससे फाइन लाइन्स और झुर्रियां नजर आने लगती हैं। हायलूरोनिक एसिड के इस्तेमाल से इन समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है और बढ़ती उम्र में भी जवां बने रहा जा सकता है।

गर्मियों में हायलूरोनिक एसिड का इस्तेमाल से जुड़े जरूरी सुझाव

सही प्रोडक्ट चुनें- ऐसे सीरम या मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें जिनमें हायलूरोनिक एसिड की मात्रा मौजूद हो।

सनस्क्रीन- गर्मियों में कम से कम स्क्क्ष 30 वाला सनस्क्रीन लगाएं। ऐसे सनस्क्रीन चुनें जिसमें हाइड्रेटिंग तत्व शामिल हो।

संपादकीय

मोदी का रवैया न बदलने के संकेत

18वीं लोकसभा के विशेष सत्र की शुरुआत होने के पहले मीडिया के समक्ष उद्बोधन करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो कुछ कहा, उससे साफ है कि वे अपने पूर्ववर्ती रवैये को बरकरार रखेंगे। विपक्ष को कोसने तथा 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने जैसे सब्जबाग दिखाना वे बन्द नहीं करेंगे। इसके साथ यह भी साफ हो गया है कि विपक्ष को एक बड़ी लड़ाई के लिये तैयार रहना है। आशा इस बात से बंधती है कि इस बार सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी व उसके गठबन्धन नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) के मुकाबले संयुक्त प्रतिपक्ष इंडिया काफी मजबूत होकर लोकसभा में पहुंचा है। सोमवार को नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाने की कार्रवाई शुरू हुई जो मंगलवार तक जारी रहेगी। बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों (राज्यसभा के साथ) के सदस्यों को सम्बोधित करेंगी। बाद में उनके अभिभाषण पर चर्चा होगी।मोदी ने जो बातें राष्ट्र के सामने रखीं उनसे सर्वप्रथम तो उनका पराजय भाव ही नज़र आया क्योंकि उनका 370 व 400 पार का नारा विफल रहा। अपने चुनावी प्रचार के दौरान मोदी व भाजपा के सारे स्टार प्रचारक अकेली भाजपा के बूते 370 तथा एनडीए की सम्मिलित शक्ति 400 सदस्यों से अधिक होने की बात कर रहे थे। ऐसा तो नहीं हुआ, भाजपा 240 पर सिमट गई और उसे तेलुगु देशम पार्टी व जनता दल यूनाइटेड के सहारे सरकार बनानी पड़ी है। इस निराशा के चलते मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत 25 जून, 1974 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल से की। भारतीय इतिहास की कटु व विषादपूर्ण घटनाओं को अपने राजनीतिक फायदे के लिये उछालने वाले मोदी इस कला के इसीलिये निष्णात माने जाते हैं कि वे उन्हें तोड़-मरोड़कर और सन्दर्भों से काटकर जनता के समक्ष परोसते हैं। इस सत्र की शुरुआत उन्हें सकारात्मक नोट से करनी चाहिये थी, लेकिन अपनी प्रवृत्ति के अनुरूप उन्होंने वही राह पकड़ी जिस पर वे पिछले दस वर्षों से चलते आये हैं।

मोदी की वाराणसी से तीसरी बार जीत में पहले दो के मुकाबले अंतर काफी घटा है। यहां तक कि मतदान के प्रथम दो-तीन चक्रों में वे पिछड़ भी चुके थे। अपनी इस नैतिक पराजय को भी किसी महान विश्वविजय की तरह प्रस्तुत करते मोदी ने विपक्ष को जो पाठ पढ़ाने की कोशिश की वह अपने आप में हास्यास्पद है। अपने पिछले दो कार्यकालों में जिन मोदी ने बेहद निरंकुश तरीके से सरकार चलाई, उनका यह दावा था कि %अब कभी भी कोई सरकार तानाशाही लागू करने की नहीं सोचेगा।% उन्होंने यह भी कहा कि %सांसदों से देश को बहुत अपेक्षाएं हैं अत- उन्हें जनहित व लोकसेवा के लिये इस अवसर का उपयोग करना चाहिये।% एक जिम्मेदार विपक्ष की ज़रूरत बतलाते हुए मोदी ने कहा कि %लोग नारे नहीं सार्थकता चाहते हैं, व्यवधान नहीं बल्कि चर्चा और मेहनत चाहते हैं। उन्होंने विपक्ष के सवाल पूछे जाने व नारेबाजी को ड्रामे की संज्ञा दी, जो बतलाता है कि मोदी ऐसी संसद चाहते हैं जो उनसे प्रश्न न करे। मोदी उसी भाजपा से आते हैं जिसने लम्बे समय तक विपक्ष की भूमिका निभाई है। उनका यह बयान बतलाता है कि मोदी को लोकतंत्र में प्रतिरोध का न तो महत्व ज्ञात है और न ही वे प्रतिपक्ष का सम्मान करना जानते हैं।हमेशा की तरह मोदी की कथनी और करनी का अंतर साफ दिखा कि स्वयं मोदी पिछली दो सरकारों में चर्चाओं से न केवल परहेज करते रहे हैं बल्कि सरकार से पूछे जाने वाले सवालों को अवरूद्ध करते रहे हैं। किसी भी विवादास्पद विषय पर उन्होंने न तो सिलसिलेवार जवाब दिये और न ही तथ्यात्मक जानकारी संसद के अंदर प्रस्तुत की। पिछली लोकसभा के अंतिम दिनों में तो उन्होंने रिकॉर्ड डेढ़ सौ से ज्यादा सांसदों का निलम्बन कराया और अपने कारोबारी मित्रों गौतम अदानी व मुकेश अम्बानी के साथ उनके रिश्तों को लेकर पूछे गये किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया। इतना ही नहीं, मणिपुर की घटना हो या इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन अथवा इलेक्टोरल बॉडस का मुद्दा, इनमें से किसी पर भी पर मोदी ने कभी संसद में विपक्ष के पूछे सवालों के जवाब नहीं दिये। उल्टे, इस बाबत हुई चर्चाओं में विपक्षी नेताओं के वक्तव्यों के बड़े हिस्सों को विलोपित किया गया था। अक्सर मोदी विरोधियों के सवालों के उत्तर सदन के बाहर रैलियों व अन्य मंचों से दिये जाने वाले भाषणों में देते रहे। इसलिये उनका प्रतिपक्ष को चर्चा का आह्वान अपने आप में किसी बड़े लतीफे से कम नहीं है।उनके भाषण पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जन खरगे ने जो प्रतिक्रिया दी है, वह गौर करने के लायक है। उन्होंने कहा कि %मोदी का अहंकार गया नहीं है। 50 वर्ष पुरानी इमरजेंसी की तो वे याद दिला रहे हैं लेकिन वे खुद पिछले दस साल अघोषित तानाशाह के रूप में कार्य करते रहे हैं।% खरगे के अनुसार %मोदी की निरंकुशता के खिलाफ जनादेश है, फिर भी अगर वे प्रधानमंत्री बने हैं तो उन्हें काम करना चाहिये।% बहरहाल, नयी लोकसभा के पहले दिन ही मोदी ने जो भाषण दिया है वह स्पष्ट इंगित करता है कि मोदी अगला कार्यकाल भी उसी अंदाज़ में चलाएंगे। अब यह विपक्ष पर है .

केजरीवाल को जमानत मामले में प्रवर्तन निदेशालय की सफलता क्षणिक

केजरीवाल लगातार कहते रहे हैं कि ईडी उनके खिलाफ कोई विश्वसनीय सुबूत पेश करने में विफल रही

केजरीवाल लगातार कहते रहे हैं कि ईडी उनके खिलाफ कोई विश्वसनीय सुबूत पेश करने में विफल रही। न्यायालय की टिप्पणियों के बाद इस बिंदु पर उनका जोर विश्वसनीयता प्राप्त करता है। यदि ईडी के पास वास्तव में पुख्ता सुबूत नहीं हैं, तो यह एजेंसी के मामले पर सवाल उठाता है। हालांकि ईडी ने केजरीवाल की जमानत पर स्थगन प्राप्त करने में कानूनी पैंतरेबाजी की है, लेकिन मामले के मूल पहलू अभी भी अनसुलझे हैं।

प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा कर आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल के जमानत पर बाहर आने के जश्न में बाधा डालने में कामयाबी हासिल की है, जबकि न्यायालय के आदेश पर वह अपना हाथ भी नहीं डाल सकता था। फिर उच्च न्यायालय ने कुछ प्रक्रियागत मुद्दों के आधार पर इस पर अस्थायी रोक लगा दी है। लेकिन यह उसकी कोई बड़ी जीत नहीं हो सकती है, क्योंकि यह रोक केवल तब तक लागू रहेगी, जब तक कि ईडी की चुनौती पर सुनवाई नहीं हो जाती और न्यायालय द्वारा अगले 2-3 दिनों में इसका निपटारा नहीं कर दिया जाता।

जस तरह से ईडी ने प्राकृतिक न्याय को अवरुद्ध करने की कोशिश की है, उससे जाहिर तौर पर उसके राजनीतिक आका खुश हैं, जो केजरीवाल और उनकी पार्टी को हमेशा के लिए खत्म होते देखना चाहते हैं क्योंकि उन्हें पार्टी के बढ़ते प्रभाव से वास्तविक खतरा दिखाई देता है। लेकिन जिस तरह से एजेंसी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री की रिहाई में देरी करने के लिए काम किया है, उसकी व्यापक निंदा हुई है। बड़ा सवाल यह है कि प्रक्रियात्मक मुद्दों का सहारा लेकर एजेंसी अपनी विफलताओं को किस हद तक छिपा सकती है और जब अदालत मूल मुद्दों और ईडी की आपत्तियों के गुण-दोष पर विचार करेगी, खासकर उस संदर्भ में जब मूल अदालत ने मामले के बारे में गंभीर संदेह व्यक्त करते हुए जमानत दी थी।

ईडी की केजरीवाल को निचली अदालत द्वारा दी गई जमानत पर स्थगन प्राप्त करने में सफलता मुख्य रूप से तकनीकी आधार पर थी न कि केजरीवाल के खिलाफ प्रस्तुत साक्ष्य की गुणवत्ता पर। एजेंसी ने तर्क दिया कि उसे जमानत की सुनवाई के दौरान केजरीवाल के वकील द्वारा प्रस्तुत तर्कों का खंडन करने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया था। उच्च न्यायालय द्वारा इस तर्क को स्वीकार करना ईडी के लिए एक ठोस जीत के बजाय एक प्रक्रियात्मक जीत का संकेत देता है।

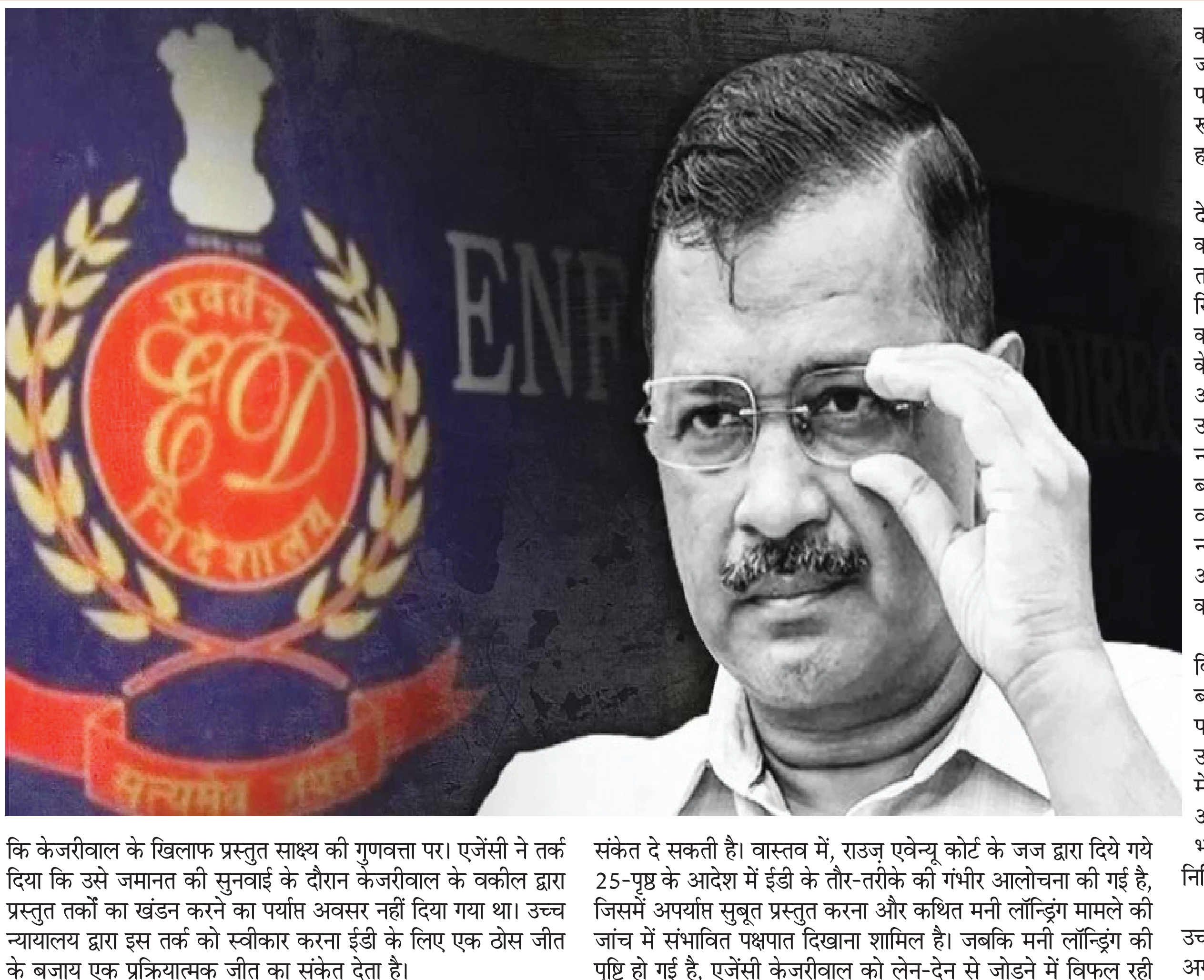

इससे केजरीवाल के खिलाफ ईडी के मामले की मजबूती पर सवाल उठते हैं। प्रारंभिक जमानत कार्रवाई के दौरान सुबूतों के माध्यम से केजरीवाल की संलिप्तता को पुख्ता तौर पर स्थापित करने में ईडी की असमर्थता उनकी जांच या एकत्र किये गये सुबूतों में कमज़ोरियों का संकेत दे सकती है। वास्तव में, राउज़ एवेन्यू कोर्ट के जज द्वारा दिये गये 25-पृष्ठ के आदेश में ईडी के तौर-तरीके की गंभीर आलोचना की गई है, जिसमें अपर्याप्त सुबूत प्रस्तुत करना और कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच में संभावित पक्षपात दिखाना शामिल है। जबकि मनी लॉन्ड्रिंग की पुष्टि हो गई है, एजेंसी केजरीवाल को लेन-देन से जोड़ने में विफल रही है।कोर्ट ने बिना किसी पुष्ट सुबूत के सह-आरोपी और अनुमोदकों के बयानों पर भरोसा करने के लिए ईडी की भी आलोचना की। अदालत की टिप्पणी वर्तमान राजनीति की एक दर्दनाक सच्चाई की ओर इशारा करती है, जब उसके आदेश में कहा गया है-%अदालत को इस तर्क पर विचार करने के लिए रुकना होगा, जो कि एक स्वीकार्य दलील नहीं है कि जांच एक कला है, क्योंकि अगर ऐसा है, तो किसी भी व्यक्ति को फंसाया जा सकता है और रिकॉर्ड से दोषमुक्ति सामग्री को कलात्मक रूप से हटाने के बाद उसके खिलाफ़ सामग्री को कलात्मक रूप से हासिल करके सलाखों के पीछे रखा जा सकता है।

जांच प्रक्रिया में प्राकृतिक न्याय और निष्पक्षता के सिद्धांतों पर जोर देते हुए, न्यायाधीश ने कहा कि ईडी ने पीएमएलए की धारा 45 के तहत कठोर जमानत शर्तों पर बहुत अधिक भरोसा किया, जो प्रक्रियात्मक तकनीकी की मदद से कानूनी निष्पक्षता और निर्दोषता के अनुमान के सिद्धांतों को प्रभावित करता है। अदालत ने आगे कहा कि केजरीवाल को अदालत ने तलब नहीं किया था, लेकिन ईडी के चल रहे जांच दावे के आधार पर वह अभी भी न्यायिक हिरासत में हैं। प्रक्रियाओं पर यह अनुचित दबाव ईडी के मामले को और कमजोर करता है। राहत के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाते समय भी एजंसी के वकील न्यायालय की टिप्पणियों में सामने आये मूल मुद्दों को नहीं उठा रहे थे, बल्कि सुनवाई की प्रक्रियाओं के बारे में बात कर रहे थे। एजेंसी के वकील, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने उच्च न्यायालय से शिकायत की कि उन्हें अपना मामला रखने का %पूरा अवसर नहीं दिया गया और यहां तक कि उन्होंने न्यायाधीश के आदेश को विकृत करार दिया।

केजरीवाल लगातार कहते रहे हैं कि ईडी उनके खिलाफ कोई विश्वसनीय सुबूत पेश करने में विफल रही। न्यायालय की टिप्पणियों के बाद इस बिंदु पर उनका जोर विश्वसनीयता प्राप्त करता है। यदि ईडी के पास वास्तव में पुख्ता सुबूत नहीं हैं, तो यह एजेंसी के मामले पर सवाल उठाता है। हालांकि ईडी ने केजरीवाल की जमानत पर स्थगन प्राप्त करने में कानूनी पैंतरेबाजी की है, लेकिन मामले के मूल पहलू अभी भी अनसुलझे हैं। इन कार्रवाइयों के दौरान न्यायिक जांच और टिप्पणियां भारत में कानूनी प्रक्रिया और राजनीतिक परिदृश्य दोनों के लिए व्यापक निहितार्थों को उजागर करती हैं।

इस मामले का अंतिम परिणाम इस बात पर निर्भर करेगा कि दिल्ली उच्च न्यायालय ईडी द्वारा प्रस्तुत सुबूतों का कैसे मूल्यांकन करता है। अगर अदालत सबूतों की पर्याप्तता और विश्वसनीयता पर सवाल उठाना जारी रखती है, तो इससे केजरीवाल के पक्ष में अनुकूल परिणाम आ सकता है। इसके विपरीत, अगर फैसला पलटा तो ईडी की स्थिति मजबूत हो सकती है और केजरीवाल की कानूनी और राजनीतिक स्थिति पर असर पड़ सकता है।

कहानी

बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद

अनंत भाई क्या आज कुछ सनाएँगे? बहुत दिनों से कुछ सुनाया नहीं। वैसे इस महीने आपकी जो कविता झरोखा पत्रिका में छपी है, वह बहुत अच्छी है। आप चाहें तो वही सुना दीजिए। अनंत नारायण बच्चों के कवि हैं अर्थात बाल साहित्यकार हैं। बच्चों के लिए लिखी गई उनकी कविताएं मुझे बहुत पंसद हैं। वे अपनी कविताएं तो सुनाते ही हैं, दूसरों की बाल कविताएं भी सुनाते हैं। उनकी स्मरणशक्ति बहुत अच्छी है। मेरे साथ राजमणि भैया भी थे। ये मेरे बड़े भाई हैं। मेरे और राजमणि के कहने पर अनंत नारायण ने यह कविता सुनाई-

चुहिया लाई चावल चीनी बिल्ली लाई आटा
हरी सब्जियाँ ताता लाया धोकर उनको काटा
मुर्गी पूरा मटका भरकर दूध कहीं से लाई
आग जलाकर मीठी मीठी उसने खीर पकाई
पूड़ी बनी, बनी तरकारी सबने मिल जुलकर खाया
कामचोर कौवे का मन भी देख देख ललचाया

वाह वाह खूब कविता सुनाई। पर यह कविता मेरी नहीं है। अनंतनारायण बोला। यह एक अन्य बाल साहित्यकार की कविता है। मैं राजमणि भैया अनंत नारायण बड़ी देर तक बातें करते रहे। छुट्टी का दिन था। गंभीर बातें भी हुई और हंसी मजाक वाली बातें भी। थोड़ी ही देर बाद अनंतनारायण की बेटी लतिका चाय लाई और अपने हाथ से बनाकर स्वादिष्ट पोहा। सबने चाय पी और पोहा खाया। अनंत नारायण ने कहा ललिता अपने चाचा लोगों को कोई गीत नहीं सुनाओगी? संगीत तो तुम्हारा सबसे प्यारा विषय है। लतिका सुनकर खुश हो गई। यह उसकी रूचि की बात थी। उसने कबीर का पद सुनाया

साधो यह तन ठाट तंबूरे का ऐंचत तार मरेरत खूंटी निकलराग हूजूरे का....

पद बड़ा था। पद सुनाते समय न केवल लतिका की आंखें बंद थीं, बल्कि हम लोग भी इतने मगन होकर सुन रहे थे कि हम लोगों की भी आंखें बंद ही थीं। हम लोगों की आंखें तब खुलीं जब गीत पूरा हुआ। लगा जैसे हम लोग संगीत की धारा में बह रहे थे। बातें समाप्त कर जब कर जब चलने लगे तो अनंतनारायण बोले भाई कल विश्वविद्यालय की ओर से नहीं जाना। क्यों? मुझे विश्वविद्यालय में काम है। क्या काम है? काम कुछ नहीं वहां जो बैंक है, उससे पैसे निकालने हैं, पैसे ज्यादा हैं, पूरे पचास हजार। जरूरत ही ऐसी आ गई है। समय खराब है। इतनी रकम बैंक से निकालकर अकेले घर लाने में डर लगता है। मँडुआडीह से आगे कुछ दूर तक एकांत हो जाता है। तुम साथ रहोगे तो अच्छा रहेगा। बात सही है। मैं तुम्हारे साथ चलूंगा और तुम्हारे साथ ही वापस आऊँगा। दूसरे दिन मैं और आनंत नारायण बैंक गये। भीड़ ज्यादा थी। अनंतनारायण ने रूपये लेकर बैग में रखे। भीड़ पूरी घट गई थी। क्लर्क कागज की पुड़िया मुंह में रखकर वह बगल के साथी से बातें करने लगा। अनंतनारायण ने अपनी पासबुक मांगी। उसने ऐसे पासबुक उछालकर दी जैसे फुटबाल हो। अनंतनारायण को बुरा लगा। पासबुक पटल पर रखे या हाथ में दें। उछालकर देना तो अनुचित है। उन्होंने विश्वविद्यालय में तीस वर्ष पढ़ाया है। प्रोफेसर के सम्मानित पद से रिटायर हुए हैं। उनके साथ एक क्लर्क ऐसा व्यवहार करें, यह दुखद है। पर उन्होंने कुछ कहा नहीं। लेकिन जब पासबुक देखी तो उसमें रूपये चढ़ाये नहीं गये थे। उन्होंने कहा साहब पासबुक में रूपये चढ़ा दीजिए। आपको रूपये मिल गये न? अब आप जाइए। पासबुक में रकम चढ़वानी है तो पासबुक छोड़ जाइए। कल आकर ले जाइएगा। रकम चढ़ जाएगी। एक बार यहां आने में सौ रूपये लगते हैं। कल फिर इतने ही रूपये लगेंगे। सिर्फ पासबुक के लिए ही कल मुझे आना पड़ेगा। मैंने जो कह दिया सो कह दिया। बहस मत करिये। मैं बोला ये इस विश्वविद्यालय के सम्मानित प्रोफेसर रहे हैं। ये बहुत विद्वान हैं। आप इन्हें नहीं जानते। होंगे प्रोफेसर। मैं इन्हें नहीं जानता। यहां तो सब अपने को प्रोफेसर ही कहते हैं।

यह बात मुझे बुरी लगी और अनंतनारायण को भी। हम दोनों मैनेजर के पास गये। मैंने अनंतनारायण का परिचय दिया और क्लर्क की शिकायत की। मैनेजर ने कहा, क्लर्क की शिकायतें औरों ने भी की हैं। पता नहीं यह कब सभ्य बनेगा। यह कहकर वे हम लोगों के साथ क्लर्क के पास आये, आप इस समय क्या कर रहे हैं? आराम फरमा रहे हैं। नहीं नहीं पान खाकर... थकान दूर कर रहे हैं। बैंक थकान दूर करने के लिए हैं या काम करने के लिए। इस समय आप कोई काम नहीं कर रहे हैं। फिर अनंतनारायण की ओर देखकर कहा आप पासबुक बिना रकम चढ़ाये वापस कर रहे हैं। सिर्फ पासबुक के लिए कल ये सौ रूपये फिर खर्च करेंगे। आप जानते हैं ये कौन हैं। ये विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित प्रोफेसर हैं और बहुत बड़े साहित्यकार हैं। आपके सामने इनका परिचय भी दिया गया। फिर भी कुछ समझ में नहीं आया। वे आगे बोले, अदरक बड़ी उपयोगी चीज होती हैं। भोजन में भी पड़ती है और दवा के काम भी आती है। पर बंदर को दे दी जाए तो वह दांत से कुतरकर फेंक देगा। वह अदरक का गुर जानेगा ही नहीं। इसी पर कहावत है बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद। यही हाल आपका है। आपके सामने एक महान व्यक्ति खड़े हैं। पर आपमें इतनी समझ नहीं है कि आप उन्हें सम्मान दें। मैं अभी पासबुक ठीक कर देता हूँ, कहकर एक मिनट में क्लर्क ने रकम चढ़ाकर पासबुक वापस कर दी। हम दोनों को मैनेजर साहब का व्यवहार तो अच्छा लगा ही, उनका हिंदी ज्ञान देखकर भी प्रसन्नता हुई। कहावत का उन्होंने बहुत सही प्रयोग किया था। पासबुक लेकर हम लोग साथ साथ वापस चले आये।

> हम लोग भी इतने मगन होकर सुन रहे थे कि हम लोगों की भी आंखें बंद ही थीं। हम लोगों की आंखें तब खुलीं जब गीत पूरा हुआ। लगा जैसे हम लोग संगीत की धारा में बह रहे थे। बातें समाप्त कर जब कर जब चलने लगे तो अनंतनारायण बोले भाई कल विश्वविद्यालय की ओर से नहीं जाना। क्यों? मुझे विश्वविद्यालय में काम है। क्या काम है? काम कुछ नहीं वहां जो बैंक है, उससे पैसे निकालने हैं, पैसे ज्यादा है, पूरे पचास हजार। जरूरत ही ऐसी आ गई है। समय खराब है। इतनी रकम बैंक से निकालकर अकेले घर लाने में डर लगता है।

हंसगुल्ले

टीचर ने बच्चों की कॉपी पर नोट लिखकर भेजा - कृपया बच्चों को नहला कर भेजा करें।
बच्चों की माँ ने नोट जवाब में लिखा - कृपया बच्चों को पढ़ाया करें, सूंघा न करें।

• • • • •

नया कर्मचारी, `तुम इस दफ्तर में कब से काम कर रहे हो?'
पुराना कर्मचारी, `जब से बॉस ने मुझे निकालने की धमकी दी है।'

• • • • •

दादी नाराज होकर पोते से बोली ज्यादा परेशान करोगे तो मैं भगवान के घर चली जाऊंगी।
पोता: दादी रिक्शा लेकर आऊं क्या ?

• • • • •

एक चूहे ने हाथी से कहा, `यार अपनी शर्ट दो दिनों के लिए देना।'
हाथी हंसकर बोला, `हा.हा.हा. पहनेगा क्या ?'
चूहा, `नहीं, घर में शादी है, तंबू लगवाना है।'

• • • • •

बैरा, इधर आओ! ग्राहक चिल्लाया। बैरा सहमता हुआ ग्राहक के पास आ खड़ा हुआ।
'देखो चाए के प्याले मे मक्खी पड़ी हुई है!' बैरे ने तर्जनी उंगली से मक्खी प्याले से निकाली और बहुत गौर से देखने लगा। फिर बडी गंभीरता से उत्तर दिया--
हमारे होटल की नही है।

• • • • •

मज़दूर (मालिक से) : गधे की तरह काम कराया और मज़दूरी सिर्फ बीस रुपया ... कुछ तो न्याय कीजिए।
मालिक (मुनीम से) : ठीक है यह न्याय मांगता है तो इस के सामने घास डाल दो और रुपये ले लो।

• • • • •

एक व्यक्ति की अपने तोते से तबियत भर गई। उस ने उसे नीलाम किया। बोली 100 रुपये पर छूटी।
खरीददार मुस्कुराकर कहने लगा, खैर, ले लेता हूं लेकिन इतना बतादें कि यह बोलेगा भी? दुकानदार : अजी, यही तो आपके खिलाफ बोली बढ़ा रहा था!

• • • • •

नया सिपाही (इंस्पैक्टर से) : `सर ये बिलकुल गलत है कि मैं उस चोर से डर गया था।'
इंस्पैक्टर : `तो तुम उस गाड़ी के पीछे क्यों छिपे थे?'
नया सिपाही : `जी वह तो मैं कुत्ता देख कर छिपा था।'

जानिए

30 साल में बनती है एक डाली

सुगुआरो कैक्टस (कार्नेजिया जाइगैंटिया) दुनिया का सबसे धीमी गति से बढ़नेवाला पौधा है। उसकी एक डाली पूरे 30 साल में तैयार होती है। सगुआरो उत्तरी अमरीका (अरिजोना) में पाया जाता है। उसकी बढ़त धीमी होते हुए भी वह 18 मीटर की ऊंचाई प्राप्त कर सकता है। इतना बड़ा होते हुए भी, इसकी अधिकांश जड़ें जमीन में कुछ ही सेंटीमीटर की गहराई में फैली होती हैं। केवल एक मुख्य जड़ जमीन में लगभग दो फुट की गहराई तक उतरता है। इस कारण सगुआरो तूफानों में आसानी से उखड़ जाता है। स्थानीय निवासी सूखे सगुआरो तने से घरों की छतें, फर्नीचर, बाड़ आदि बनाते हैं। वह एक दीर्घजीवी पौधा है, जो 200 साल तक जीवित रह सकता है। इसके फूल रात को खिलते हैं। यह रेगिस्तानी पौधा अनेक पशु-पक्षियों को सहारा देता है। इनमें शामिल है गिला कठफोड़वा, बैंगनी मार्टिन, घरेलू फिंच, गिल्डेड फ्लिकर (एक प्रकार की चिड़िया), एल्फ आउल (बौना उल्लू), इत्यादि। ये इस पौधे के लंबे तने में छेद करके उनमें रहते हैं।

रंग भरो

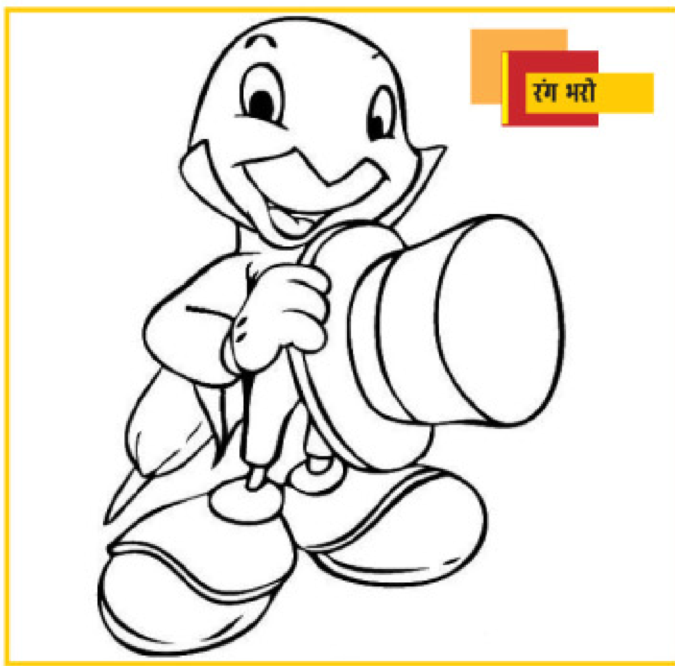

बिंदु मिलाओ

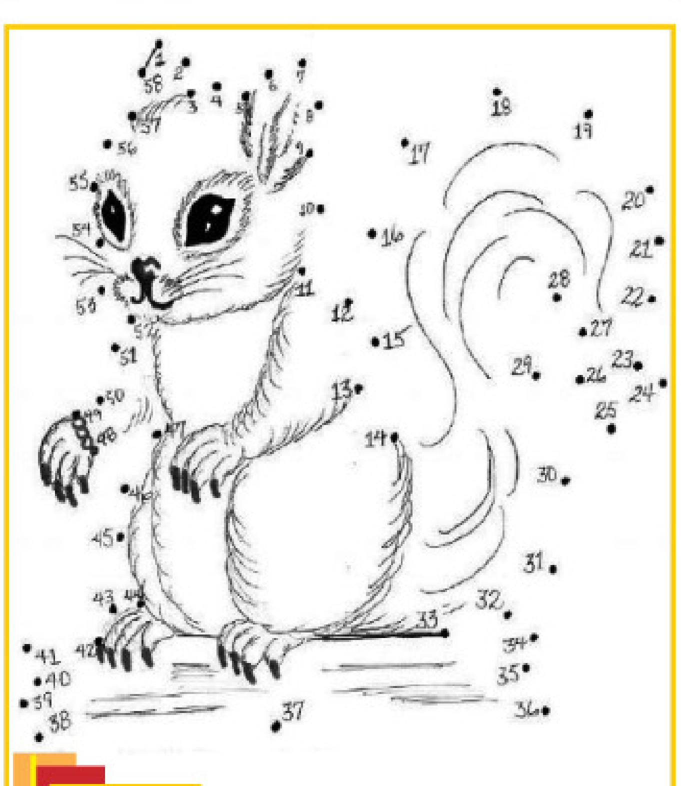

कविता

अगर पेड़ भी चलते होते

अगर पेड़ भी चलते होते
कितने मजे हमारे होते
बांध तने में उसके रस्सी
चाहे जहाँ कहीं ले जाते।

जहाँ कहीं भी धूप सताती
उसके नीचे झट सुस्ताते
जहाँ कहीं वर्षा हो जाती
उसके नीचे हम छिप जाते।

लगती भूख यदि अचानक
तोड मधुर फल उसके खाते
आती कीचड-बाढ कहीं तो
झट उसके उपर चढ जाते।

अगर पेड़ भी चलते होते
कितने मजे हमारे होते।

एक कहानी में सारे

आसमान कितना ऊँचा है !
कितने ऊँचे हैं तारे !
पर आ जाते जाने कैसे !
एक कहानी में सारे!

%दोस्त अगर बन जाएं मेरे
आसमान के, माँ तारे ?
तो मैं तेरे जन्म दिवस पर
दूँगी सब को गुब्बारे

मजा आएगा तब तो कितना
जाएंगे जब घर तारे
आसमान में तारों के संग
होंगे कितने गुब्बारे !

मगर कँहा से लाओगी माँ
इतने सारे गुब्बारे ?
बतला दूंगी, बतला दूंगी
जब आएंगे घर तारे !

रास्ता खोजो

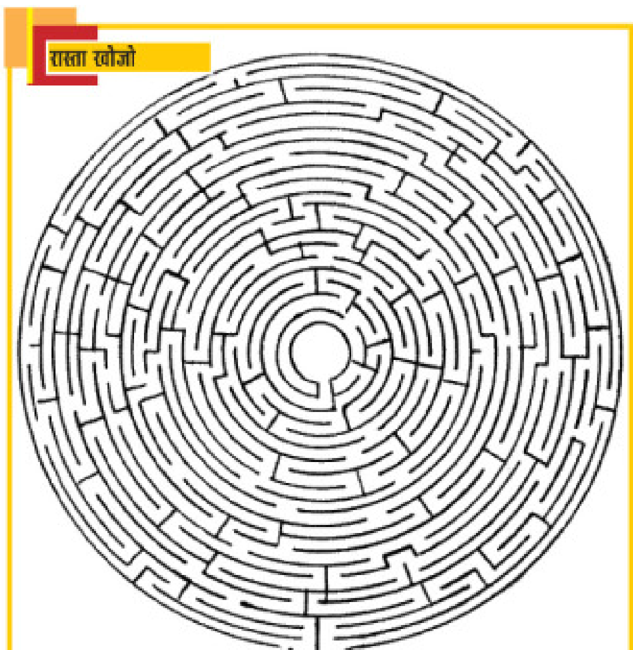

पहेलियां

लाल डिबिया में हैं पीले खाने,
खानों में मोती के दाने?

❒ ❒ ❒ ❒

वह रहती नहीं बीमार, फिर भी खाती गोली,
बच्चे, बूढ़े डर जाते, सुनकर उसकी बोली।

❒ ❒ ❒ ❒

धनदौलत से बड़ी है यह,
सब चीजों से ऊपर है यह,
जो पाए पंडित बन जाए
बिन पाए मूर्ख रह जाए?

❒ ❒ ❒ ❒

जो करता है वायु शुद्ध,
फल देकर जो पेट भरे,
मानव बना है उसका दुश्मन,
फिर भी वह उपकार करे?

❒ ❒ ❒ ❒

गोल है पर गेंद नहीं,
पूँछ है पर पशु नहीं,
पूंछ पकड़कर खेलें बच्चे,
फिर भी मेरे आंसू न निकलते?

❒ ❒ ❒ ❒

उत्तर - अनार, बंदूक, विद्या, पेड़, गुब्बारा।

केला-अक्वाडो व ओट्स बढ़ाएंगे आपकी उर्जा

■ अक्वाडो में एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, यह शरीर को अनुकूल स्तर की ऑक्सीजन प्रदान करता है

■ ओट्स में कार्बोहाइड्रेट प्रचुर मात्रा में होता है, यह आपके उर्जा के स्तर को दिन भर बनाए रखता है

अक्सर थकान महसूस करने वाले लोगों की संख्या दिन ब दिन बढ़ती ही जा रही है। कारण एक ही हैं भाग-दौड़ भरी जिंदगी आपको थका देती है। ऐसे में आपको को अपने अंदर एनर्जी बढ़ानी होगी। आपकी क्षमता कम होने का मतलब है कि आपकी उर्जा की सहन शक्ति, उर्जा, चेतना आदि कम होना। हम इंसानो को सामान्य जीवन जीने के लिए यह बहुत आवश्यक घटक है उर्जा। यदि आपके पास पर्याप्त उर्जा नहीं होगी तो आप काम नहीं कर पाएंगे, इससे आपके जीवन की गुणवत्ता में कमी आ सकती है। यदि आपके पास पर्याप्त उर्जा नहीं है तो कसरत करना, काम पर जाना, लोगों से मिलना-जुलना आपको मुश्किल ही लगेगा। अत- आपको कुछ ऐसे पदार्थो को अपने आहार में शामिल करना होगा जिससे आपकी र्प्याप्त उर्जा बनी रहे। इन पदार्थो से आप एक सप्ताह में अपनी प्रतिदिन की उर्जा बढ़ा सकते हैं साथ ही अपने दुनिया भर के कामों को आराम से अंजाम दे सकते हैं।

सप्ताह भर में आपकी उर्जा बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थ

ओट्स: ओट्स नाश्ते में खाया जाने वाला एक अन्य पदार्थ है जिसमें कार्बोहाइड्रेट प्रचुर मात्रा में पाया जाता है तथा यह आपके उर्जा के स्तर को दिन भर बनाए रखता है।

केला : केले में पोटाशियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो शरीर में कुछ विशेष प्रकार के हार्मोन्स का उत्पादन बढ़ाता है जिससे शरीर में उर्जा का स्तर बढ़ता है। यहां तक कि कसरत करने से पहले भी केले का सेवन किया जाता है।

एक्राडो : एक्राडो एक विशेष फल होता है जिसमें एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यह शरीर को अनुकूल स्तर की ऑक्सीजन प्रदान करता है जिसकी आवश्यकता शरीर की प्रत्येक कोशिकाओं को होती है। इस प्रकार यह आपके स्टेमिना को बढ़ाता है।

कॉफी : कॉफी में कैफीन पाया जाता है जो केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को उत्तेजित करके उसे सक्रिय रखता है। इससे आपका शरीर पूरे दिन सक्रिय और उर्जावान बना रहता है। लेकिन कॉफी को ज्यादा नहीं पीना चाहिए।

पीनेट बटर : पीनेट बटर में प्रोटीन और ओमेगा-3 फैट्स प्रचुर मात्रा में होते हैं। ये दोनों ही आपके उर्जा के स्तर को बढ़ाते हैं तथा मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करते हैं।

खुशी बढ़ाने की तकनीक

टोक्यो। विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने समेत सामाजिक चुनौतियों का नवाचारी समाधान विकसित करने वाली कंपनी हिताची लिमिटेड ने आर्टिफिशल इंटेलीजेंस पर आधारित एक ऐसे तकनीक का विकास करने का दावा किया है जो कामकाजी लोगों के व्यवहार के आधार पर खुश रहने के लिए दैनिक सुझाव देता है।

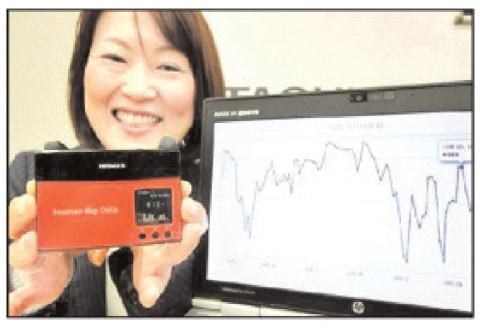

कंपनी ने बताया कि उसने अपने विपणन एवं बिक्री विभाग के 600 कर्मचारियों पर इस तकनीक का ट्रायल भी शुरू कर दिया है। इसके तहत लोगों को एक सेंसर दिया जाता है जिसे पहचान पत्र की तरह गले में पहना जाता है। यह सेंसर लोगों के दैनिक व्यवहार के आंकड़े इकट्ठा करता है और हिताची एआई तकनीक की मदद से इन आंकड़ों की समीक्षा की जाती है। समीक्षा के हिसाब से यह तकनीक खुश रहने के लिए स्वत: सुझाव देता है।

कंपनी ने कहा कि इस तकनीक से मिलने वाले सुझाव को निजी तौर पर लोगों स्मार्टफोन या टैबलेट पर डिलिवर किए जाते हैं। उसने कहा कि इस तकनीक से विश्व भर के विभिन्न संस्थानों को अपनी उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी क्योंकि कार्यस्थल का माहौल खुशनुमा रहने एवं कर्मचारियों के खुश रहने से कार्य की दक्षता एवं उत्पादकता बेहतर होती है। हिताची ने पिछले साल एक तकनीक विकसित की थी जो कंपनियों की संस्थानिक गतिविधियों एवं कर्मचारियों की खुशी का अंतर्संबंध बताता है। इसके अनुसार, अधिक खुश रहने पर उत्पादकता बढ़ जाती है। इस तकनीक का द बैंक ऑफ तोक्यो-मित्सुबिशि यूएफजे लिमिटेड और जापान एयरलाइंस कंपनी लिमिटेड समेत 13 अन्य संस्थानों में ट्रॉयल किया गया था। एक कॉल सेंटर में किए गए ट्रॉयल के अनुसार, कर्मचारियों की खुशी का औसत स्तर नकारात्मक होने की जगह सामान्य रहने पर बिक्री में 34 फीसद की बढ़ोतरी हुई।

लोगों को एक सेंसर दिया जाता है जिसे पहचान पत्र की तरह गले में पहना जाता है

यह सेंसर लोगों के दैनिक व्यवहार के आंकड़े इकट्ठा करता है और आंकड़ों की समीक्षा करता है

समीक्षा के हिसाब से यह तकनीक खुश रहने के लिए स्वतः सुझाव देता है

इस तकनीक से विश्व भर के विभिन्न संस्थानों को अपनी उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय समान्य रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। यात्रा योग हैं। शुभांक-5-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-2-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। कार्य सफल होगें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। शुद्ध गोचर का लाभ। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ के किये कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। स्त्री का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

एक आदमी तोता खरीदने के लिए तोते वाले के पास गया और एक तोते की ओर इशारा करके पूछा, 'यह कितने का है?'

तोते वाले ने कहा, '3 हजार रुपए का.'

आदमी ने पूछा, 'अरे इतना महंगा?'

तोते वाला बोला, 'यह तोता फोन अटैंड कर लेता है.'

फिर आदमी ने दूसरे तोते के बारे मे पूछा, 'वह कितने का है?'

तोते वाले ने कहा, '5 हजार रुपए का.'

वह आदमी बोला- 'यह इतना महंगा क्यों है?'

तोते वाले ने कहा, 'यह फोन अटैंड भी कर लेता है और मैसेज भी नोट कर लेता है.'

उस आदमी ने फिर एक तीसरे तोते के बारे में पूछा, 'इसमें क्या खास बात है?'

तोते वाला बोला, 'यह तो पता नहीं, लेकिन दोनों तोते इस तोते को बॉस कहकर पुकारते हैं.'

☺ ☺ ☺

मालिक गुस्से में नौकर से- 'मैं एक घंटे से घंटी बजा रहा हूं.'

नौकर तुरंत बोला- आप मालिक है. एक घंटे तो क्या आप सारे दिन घंटी बजा सकते हैं.

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली - 4095

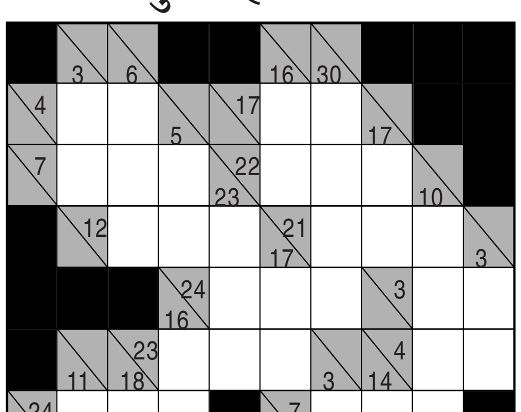

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

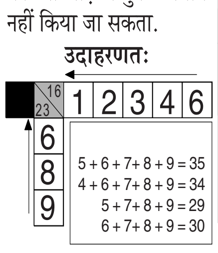

काकुरो - 4094 हल

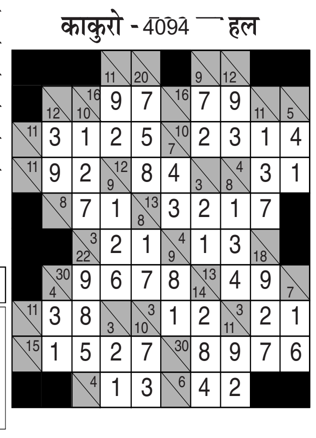

फिल्म वर्ग पहेली- 4095

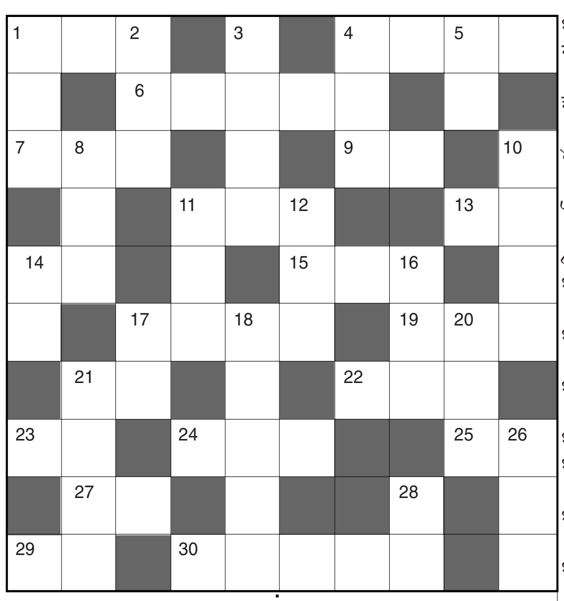

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी ऑखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६. अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4094

सूडोकु -'4095

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -'4095 हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

शब्द पहेली - 4095

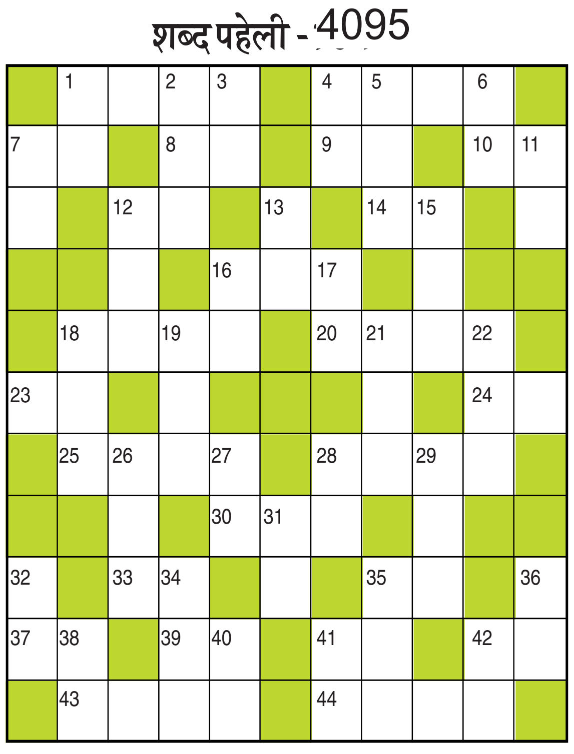

बाएँ से दाएँ

1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे

1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली - 4095 हल

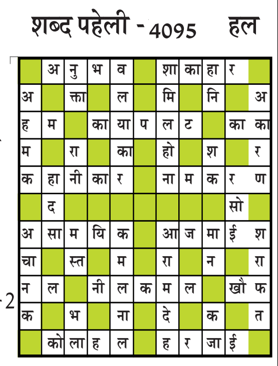

स्थानीय मुद्दों पर महापौर और सांसद में मुंह में जमा है दही : देवशाली

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शक्ति प्रकाश देवशाली ने कांग्रेस की चंडीगढ़ इकाई द्वारा भाजपा पर लगाए गए आरोपों को सच्चाई से कोसों दूर बताते हुए इसे केवल जनता का ध्यान मुद्दों से भटकाने वाला बताया। देवशाली ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय से लेकर स्थानीय स्तर के नेता झूठ बोलने और जनता को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। चंडीगढ़ में बिजली की दरें अभी बढ़ी नहीं है और जॉइंट इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन ने इस पर शहरवासियों की आपत्तियां सुनने के लिए बैठक आयोजित की थी जिसमें भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने ही सबसे मुखर होकर दरें बढ़ाने पर आपत्ति दर्ज कराई थी, कांग्रेस नेता तो आरोप-प्रत्यारोप लगाने के अलावा मूकदर्शक बनकर ही बैठे रहे।शहर की जनता की धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ कर धार्मिक स्थानों को बचाने की बजाय कांग्रेस फिर झूठ बोलकर अपनी जिम्मेवारियों से भागने का काम कर रही है। जिन पुराने आदेशों की बात कांग्रेस कर रही है, ये भी 2009-2010 के दौरान के ही हैं, जब कांग्रेस की स्वयं चार-इंजन की सरकार थी। स्थानीय महापौर से लेकर प्रधानमंत्री तक सभी एक ही पार्टी से सम्बंधित थे। भाजपा ने सदैव शहर की जनता की भावनाओं के अनुरूप धार्मिक स्थलों की रक्षा की है।

देहरादून में रिवर फ्रंट डेवलपमेंट की भूमि पर बसी मलिन बस्तियों को हटाने पर राजनीति शुरू

देहरादून । उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में इन दिनों अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। एनजीटी के आदेश के बाद प्रशासन मलिन बस्तियों से अतिक्रमण को हटा रहा है। इस मामले को लेकर प्रदेश में राजनीति भी तेज हो गई है। कांग्रेस और भाजपा एक दूसरे पर आरोप लगा रही है। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि 2016 मार्च के बाद बसी मलिन बस्तियों को हटाया जा रहा है। लोगों को इस संबध में पहले ही अतिक्रमण खुद ही हटाने के लिए नोटिस दिया जा चुका है। पहले से मलिन बस्तियों में बसे लोगों को सरकार की ओर से मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई गई है। हमने सड़क, पुलिया, बिजली, और पानी की व्यवस्था को दुरुस्त किया है। भाजपा सरकार ने अतिक्रमण कर बस्तियों को बसाने का काम नहीं किया। जिन लोगों ने बस्तियां बसाई हैं, उन पर करवाई होनी चाहिए। हमारी सरकार मार्च 2016 से पहले की मलिन बस्तियों को रेगुलराइज करने का काम कर रही है।देहरादून । उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में इन दिनों अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। एनजीटी के आदेश के बाद प्रशासन मलिन बस्तियों से अतिक्रमण को हटा रहा है। इस मामले को लेकर प्रदेश में राजनीति भी तेज हो गई है। कांग्रेस और भाजपा एक दूसरे पर आरोप लगा रही है।

राजस्थान में फैक्ट्री में लगी आग,चार लोगों की मौत

अलवर। राजस्थान में खैरथल तिजारा जिले के भिवाड़ी के समीप खुशखेडा औद्योगिक क्षेत्र स्थित दवा और केमिकल बनाने वाली फैक्ट्री में लगी आग में अब तक चार लोगों की मौत हो गई तथा कई अन्य झुलस गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये हादसा खैरथल तिजारा जिले अंतर्गत भिवाड़ी के खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित वर्तिका केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड में मंगलवार शाम 6ः30 बजे हुआ था। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त

फैक्ट्री में 50 कर्मचारी काम कर रहे थे। बताया गया है कि इस हादसे में 12 से अधिक कर्मचारी झुलस गए थे जिनमें से कई की हालत गंभीर है। आग की सूचना के मौके पर पहुंची 10 दमकलों ने करीब डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाने में सफलता हासिल की । आग लगने के बाद वहां के हालात देखने के बाद अधिकारी भी सकते में आ गए कि वहां इंतजाम सही नही थे। मजदूरों को निकलने का रास्ता भी सकरा था। फैक्ट्री में आग लगने से अंदर धुआं हो गया। इससे कई कर्मचारी बेहोश हो गए थे और आग में चार मजदूर बुरी तरह जल गये।

मिश्र ने दूसरी बार लोस अध्यक्ष बनने पर बिरला को दी बधाई

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर श्री ओम बिरला को बधाई दी है श्री मिश्र ने कहा कि

यह राजस्थान के लिए गौरव की बात है कि विश्व के सबसे लोकतंत्र वाले राष्ट्र की सबसे बड़ी संवैधानिक सभा में राजस्थान के सांसद ओम बिरला लगातार दूसरी बार अध्यक्ष का पद संभालेंगे।

पीएम मोदी ने ओम बिरला के पिछले कार्यकाल को बताया ऐतिहासिक; राहुल बोले- सदन जनता की आवाज

एजेंसी

नई दिल्ली। ओम बिरला के लोकसभा स्पीकर चुने जाने के बाद 18वीं लोकसभा के अपने पहले संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, %ये सदन का सौभाग्य है कि आप दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष के पद पर विराजमान हुए हैं। आपको और इस पूरे सदन को मेरी तरफ से बहुत-बहुत बधाई। इस पूरे सदन की तरफ से भी आपको अनेक-अनेक शुभकामनाएं। अमृतकाल के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में दूसरी बार इस पद पर विराजमान होने से आपको बहुत बड़ा दायित्व मिल रहा है। आपके अनुभव और हमारे अनुभव से हमें विश्वास है कि आप हम सभी का मार्गदर्शन करेंगे। मुझे विश्वास है आप हर कदम पर नए कीर्तिमान गढ़ते रहेंगे।

स्पीकर का दूसरी बार जीतना मुश्किल होता है

प्रधानमंत्री ने कहा 18वीं लोकसभा में स्पीकर का कार्यभार दूसरी बार संभालना अपने आप में रिकॉर्ड है। बलराम जाखड़ जी पहले ऐसे अध्यक्ष थे, जो लगातार दो बार अपना कार्यकाल पूरा कर पाए थे। उनके बाद अब आपको यह मौका मिल रहा है। ज्यादातर स्पीकर या तो चुनाव नहीं लड़े हैं या जीतकर नहीं आए हैं। आप समझ सकते हैं कि स्पीकर का काम कितना मुश्किल है कि उनका जीतना मुश्किल हो जाता है। आपने दोबारा जीतकर नया इतिहास गढ़ा है। इस सदन के ज्यादातर सासंद आपसे परिचित हैं और पिछली बार मैंने आपके संबंध में काफी कुछ बातें रखीं थी। आज उन्हें दोहराऊंगा नहीं लेकिन आप जिस तरह से सांसद के रूप में काम करते हैं, वह जानने योग्य और सीखने योग्य हैं। युवा सांसद भी आपसे प्रेरणा लेंगे। आपने अपने क्षेत्र में जिस तरह से स्वस्थ मां और स्वस्थ शिशु अभियान चलाया, वह वाकई प्रेरक है। आप लगातार अपने संसदीय क्षेत्र में लोगों की सेवा करते रहते हैं। खेलों में युवाओं को प्रोत्साहन देना भी आपने प्राथमिकता से किया है।

ओम बिरला की अध्यक्षता में हुए ऐतिहासिक काम

17वीं लोकसभा के कार्यकाल की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा आपका पिछला कार्यकाल संसदीय लोकतंत्र का ऐतिहासिक कालखंड रहा है। आपकी अध्यक्षता में सदन में जो काम हुआ, वह अपने आप में सदन की भी और आपकी भी विरासत है। आपकी अध्यक्षता में नारी शक्ति वंदन बिल, जम्मू कश्मीर पुनर्गठन, डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल, मुस्लिम महिला विवाह अधिकार कानून, डायरेक्ट टैक्स समेत कई अहम सामाजिक, आर्थिक और नागरिक कानून पास हुए। जो काम आजादी के 70 साल में नहीं हुए, वो आपकी अध्यक्षता में हुए। लोकतंत्र की लंबी यात्रा में कई पड़ाव आते हैं। कुछ अवसर ऐसे होते हैं, जब हमें कीर्तिमान स्थापित करने का मौका मिलता है। 17वीं लोकसभा पर देश आज भी और भविष्य में भी उस पर गौरव करेगा।

संसद, देश की जनता की आशा की प्रतीक

पीएम मोदी ने कहा, हमारा संसद भवन सिर्फ चारदीवारी नहीं। ये देश की जनता का आशा का प्रतीक है। संसद की कार्यवाही लोकतंत्र को और मजबूत बनाती है। 17वीं लोकसभा की उत्पादकता 97 प्रतिशत रही और उसके लिए सभी सदस्यों के साथ ही आप विशेष अभिनंदन के अधिकारी हैं। कोरोना के मुश्किल समय में आपने हर सांसद से फोन करके व्यक्तिगत हालचाल पूछा। कोरोना के समय में संसद का काम रुका नहीं। आपने जो फैसले किए, उसी का परिणाम है कि हम मुश्किल समय में भी काम कर पाए है। आपने कभी कभी कठोरता के साथ भी फैसले लिए। ऐसे फैसलों से आपको पीड़ा भी हुई, लेकिन आपने संसद की गरिमा और व्यक्तिगत पीड़ा में से आपने संसद की गरिमा का चुनाव किया। मुझे विश्वास है कि आप तो सफल होंगे ही, लेकिन आपकी अध्यक्षता में ये संसद भी देश की आकांक्षाओं को पूरा करेगी। मैं आपको और इस संसद को बहुत बधाई देता हूं।

राहुल गांधी बोले- विपक्ष की भी सुनें

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ओम बिरला को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देते हुए कहा, मैं आपको दूसरी बार स्पीकर चुने जाने के लिए बधाई देना चाहता हूं। मैं आपको पूरे विपक्ष और INDIA गठबंधन की तरफ से बधाई देना चाहता हूं। यह सदन भारत के लोगों की आवाज़ का प्रतिनिधित्व करता है और आप उस आवाज़ के अंतिम निर्णायक हैं। सरकार के पास राजनीतिक शक्ति है लेकिन विपक्ष भी भारत के लोगों की आवाज़ का प्रतिनिधित्व करता है और इस बार विपक्ष ने पिछली बार की तुलना में भारतीय लोगों की आवाज़ का अधिक प्रतिनिधित्व किया है। विपक्ष आपके काम करने में आपकी सहायता करना चाहेगा। हम चाहते हैं कि सदन अक्सर और अच्छी तरह से चले। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि विश्वास के आधार पर सहयोग हो। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि विपक्ष की आवाज़ को इस सदन में प्रतिनिधित्व दिया जाए।

ओम बिरला के नेतृत्व में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी संसद की गरिमा : सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ । भाजपा सांसद ओम बिरला बुधवार को लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बन गए हैं। बिरला जी को लगातार दूसरी बार लोकसभा का अध्यक्ष चुने जाने पर हृदयतल से बधाई! मुख्यमंत्री योगी

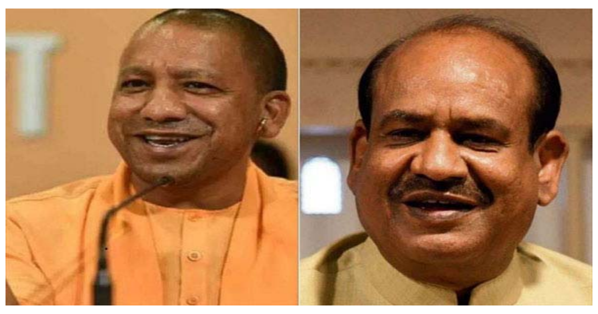

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोबारा अध्यक्ष बनने पर उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री योगी ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि जनप्रिय, मृदुभाषी राजनेता श्री ओम आदित्यनाथ ने लिखा, पूर्ण विश्वास है कि आपके यशस्वी नेतृत्व में भारतीय लोकतंत्र के मंदिर संसद की गरिमा नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी। आपके स्वर्णिम कार्यकाल हेतु अनंत मंगलकामनाएं!

मोहन यादव ने उज्जैन सिंहस्थ के लिए केंद्र से मांगा विशेष सहयोग

एजेंसी

भोपाल । मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ की तैयारियां जारी है। राज्य के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात की और सिंहस्थ के लिए केंद्र से विशेष सहयोग मांगा।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव बुधवार को भी दिल्ली प्रवास पर हैं। इस दौरान उन्होंने जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल तथा राज्यमंत्री वी. सोमन्ना और राज भूषण चौधरी से उनके कार्यालय श्रम शक्ति भवन में की भेंट की।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जलशक्ति मंत्री को केन-बेतवा परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया और परियोजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री

यादव ने उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ 2028 के लिए केंद्र सरकार से विशेष सहयोग का अनुरोध भी किया।

केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करने के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने चर्चा के दौरान कहा, जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल से हुई मुलाकात के दौरान हमारी दो बड़े नदी जोड़ो अभियान पर चर्चा हुई। केन-बेतवा लिंक परियोजना के टेंडर पर बात हुई। इसके माध्यम से बुंदेलखंड के 10-15 जिलों में बहुत लाभ मिलेगा। ये हमारा बहुत पानी की दरकार वाला इलाका है और इसमें सरकार बहुत गंभीरता से आगे बढ़ी है। बहुत जल्द इसके नतीजे मिलेंगे। यादव के लगातार दिल्ली प्रवास हो रहे हैं। इस दौरान उनकी तमाम केंद्रीय नेताओं से मुलाकात भी हो रही है। वे केंद्रीय मंत्रियों से राज्य के विकास में सहयोग देने का भी अनुरोध कर रहे हैं।

मिलावट पर वार अभियान के तहत कार्यवाही, 182 किलो घी सीज किया

बीकानेर। राज्य सरकार द्वारा आमजन को शुद्ध एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से शुद्ध आहार - मिलावट पर वार अभियान के तहत मंगलवार को जिले के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा नोखा में निरीक्षण एवं नमूनीकरण की कार्यवाही की गई। सीएमएचओ डॉ. राजेश गुप्ता ने बताया कि मुखबिर से सूचना प्राप्त होने पर नोखा स्थित मैसर्स आर बी ट्रेडिंग कंपनी से घी डेयरी बेस्ट का नमूना लिया गया तथा कुल 182 किलो घी डेयरी बेस्ट को जांच रिपोर्ट प्राप्त होने तक सीज किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य दुकान से घी एवं तेल के कुल 6 नमूने लिए गए। जिन्हें जांच के लिए जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला भिजवाया जाएगा।

ओम बिरला ने इमरजेंसी की निंदा की, दो मिनट का मौन भी रखा,कहा-आपातकाल में देश को जेलखाना बना दिया गया था

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, इमरजेंसी ने भारत के कितने ही नागरिकों का जीवन तबाह कर दिया था, कितने ही लोगों की मृत्यु हो गई थी। इमरजेंसी के उस काले कालखंड में, कांग्रेस की तानाशाह सरकार के हाथों अपनी जान गंवाने वाले भारत के ऐसे कर्तव्यनिष्ठ और देश से प्रेम करने वाले नागरिकों की स्मृति में हम दो मिनट का मौन रखते हैं।

ओम बिरला ने कहा, 1975 में आज के ही दिन तब की कैबिनेट ने इमरजेंसी का पोस्ट-फैक्टो रेटिफिकेशन किया था, इस तानाशाही और असंवैधानिक निर्णय पर मुहर लगाई थी। इसलिए अपनी संसदीय प्रणाली और अनगिनत बलिदानों के बाद मिली इस दूसरी आजादी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने के लिए, आज ये प्रस्ताव पास किया जाना आवश्यक है। हम ये भी मानते हैं कि हमारी युवा पीढ़ी को लोकतंत्र के इस काले अध्याय के बारे में जरूर जानना चाहिए।

अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, जब हम आपातकाल (इमरजेंसी) के 50वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, ये 18वीं लोकसभा, बाबा साहब आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान को बनाए रखने, इसकी रक्षा करने और इसे संरक्षित रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, 1975 से 1977 का वो काला कालखंड अपने आप में एक ऐसा कालखंड है, जो हमें संविधान के सिद्धांतों, संघीय ढांचे और न्यायिक स्वतंत्रता के महत्व की याद दिलाता है। ये कालखंड हमें याद दिलाता है कि कैसे उस समय इन सभी पर हमला किया गया और क्यों इनकी रक्षा आवश्यक है।

बिरला ने कहा, ÷इमरजेंसी के दौरान लोगों को कांग्रेस सरकार द्वारा जबरन थोपी गई अनिवार्य नसबंदी का, शहरों में अतिक्रमण हटाने के नाम पर की गई मनमानी का और सरकार की कुनीतियों का प्रहार झेलना पड़ा। ये सदन उन सभी लोगों के प्रति संवेदना जताना चाहता है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, इतना ही नहीं, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कमिटेड ब्यूरोक्रेसी और कमिटेड ज्यूडिशियरी की भी बात कही, जो कि उनकी लोकतंत्र विरोधी रवैये का एक उदाहरण है। इमरजेंसी अपने साथ ऐसी असामाजिक और तानाशाही की भावना से भरी भयंकर कुनीतियां लेकर आई, जिसने गरीबों, दलितों और वंचितों का जीवन तबाह कर दिया। कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए इन संशोधनों का लक्ष्य था कि सारी शक्तियां एक व्यक्ति के पास आ जाएं, न्यायपालिका पर नियंत्रण हो और संविधान के मूल सिद्धांत खत्म किए जा सकें। ऐसा करके नागरिकों के अधिकारों का दमन किया गया और लोकतंत्र के सिद्धांतों पर आघात किया गया।

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर बीजेपी ने उठाए आप-कांग्रेस दोस्ती पर सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। अब ईडी के बाद उन पर सीबीआई ने शिकंजा कस दिया है। सीबीआई ने उन्हें ईडी की हिरासत से गिरफ्तार कर राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया।गौर करने वाली बात है कि जिस केस में अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया है, उसकी शिकायत कांग्रेस ने साल 2022 में आम आदमी पार्टी के खिलाफ दर्ज कराई थी, जिस पर बीजेपी हमलावर हो चुकी है। कई बीजेपी नेताओं ने आम आदमी पार्टी पर जोरदार निशाना साधा है।

दिल्ली बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सीबीआई द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी पर कहा, सीबीआई शराब घोटाला की जांच कर रही है। इससे पहले भी सीबीआई ने केजरीवाल को पूछताछ के लिए बुलाया था। इसी शराब घोटाला मामले में सीबीआई ने मनीष सिसोदिया को भी गिरफ्तार किया है। वहीं के कविता से भी पूछताछ चल रही है। अब अगर सीबीआई जांच के दायरे को बढ़ा रही है, तो केजरीवाल को भी इसका जवाब देना होगा और आम आदमी पार्टी को यह नहीं भूलना चाहिए कि कांग्रेस की शिकायत पर ही यह मामला दर्ज हुआ था। जब इन दोनों भ्रष्टाचारी दलों का अलायंस हुआ तब आम आदमी पार्टी को कांग्रेस से पूछना चाहिए था कि आपने हमारे खिलाफ शिकायत क्यों की? केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर कहा, आंदोलन के नाम पर आम आदमी पार्टी सत्ता पर काबिज हुई थी। दिल्ली के भोले-भाले लोगों को इन लोगों ने बरगलाया, लेकिन आज इनकी भ्रष्टाचार की परतें लगातार खुल रही हैं।

उत्तर प्रदेश : विधानसभा उपचुनाव में होगी 'इंडिया' ब्लॉक और एनडीए की अग्निपरीक्षा

एजेंसी

लखनऊ । लोकसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश में होने वाला विधानसभा उपचुनाव इंडिया ब्लॉक और एनडीए के लिए किसी अग्निपरीक्षा की तरह होगा। चुनाव आयोग ने अब तक उपचुनाव के लिए तारीखों की घोषणा नहीं की है, लेकिन दोनों गठबंधनों के प्रमुख दलों भाजपा और समाजवादी पार्टी ने अपनी-अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। लोकसभा चुनाव में वर्तमान विधायकों के सांसद बनने से विधानसभा की नौ सीटें रिक्त हो गई हैं। एक सीट सपा विधायक को सजा होने से भी खाली हुई है। जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होना है, उनमें करहल, मिल्कीपुर, सीसामऊ, कुंदरकी, गाजियाबाद, फूलपुर, मझवां, कटेहरी, खैर और मीरापुर शामिल हैं।

चुनावी आंकड़ों को देखें तो 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में इनमें से पांच सीटें समाजवादी पार्टी ने और एक सीट राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) ने जीती थी। उस समय रालोद का गठबंधन सपा के साथ था। इसके अलावा, तीन सीटें भाजपा को मिली थीं। एक सीट भाजपा के सहयोगी दल निषाद पार्टी के खाते में गई थी।

सियासी जानकार कहते हैं कि इस बार उपचुनाव भले ही मात्र 10 सीटों पर हो रहा हो, इनके नतीजों का असर पक्ष और विपक्ष दोनों के मनोबल पर जरूर पड़ेगा।

भाजपा के प्रवक्ता अवनीश त्यागी का कहना है कि पार्टी ने उपचुनाव की पूरी तैयारी पहले से ही कर रखी है। जो कोर-कसर होगी उसे भी पूरा कर लेंगे। उनका दावा है कि जनता भाजपा के साथ है। गठबंधन के सभी साथी पूरी ताकत से चुनाव अभियान में जुटे हैं। इस चुनाव में एनडीए पूरी तरह से विजय हासिल करेगा। सहयोगियों को सीट देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह शीर्ष नेतृत्व तय करेगा। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और योगी सरकार में मंत्री संजय निषाद का कहना है कि उनकी पार्टी की विधानसभा चुनाव में जो सीट थी उस पर वह उपचुनाव भी लड़ेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा बहुत अच्छे से गठबंधन धर्म निभाना जानती है। वह जो कहती है, वही करती है। इससे अच्छा गठबंधन धर्म कोई नहीं निभा सकता। रालोद के प्रवक्ता अनिल दुबे का कहना है कि उपचुनाव को लेकर पार्टी की पूरी तैयारी है। जो पार्टी की पुरानी सीट है उस पर चुनाव लड़ेंगे। शेष पर राष्ट्रीय नेतृत्व आपस में बात करेंगे।

समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता अशोक यादव ने कहा कि पार्टी का गठबंधन कांग्रेस के साथ है और आगे भी रहेगा। रही बात चुनाव की, तो सीट बंटवारे पर निर्णय उच्च स्तर पर होगा। सीटों का निर्णय भी हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ही करेंगे। सपा निश्चित तौर पर उपचुनाव की तैयारी तेज किए हुए है। हमारे गठबंधन को हर सीट पर सफलता मिलेगी। कांग्रेस के प्रवक्ता अंशू अवस्थी का कहना है कि उपचुनाव में कांग्रेस और सपा साथ मिलकर भाजपा के खिलाफ लड़ेंगे। सीटों को लेकर शीर्ष स्तर पर दोनों पार्टियों के नेताओं की बातचीत चल रही है।

चिराग पासवान का विपक्ष पर हमला, जब एक उंगली दूसरे की तरफ उठाते हैं, तो बाकी उंगलियां आपकी तरफ होती हैं

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार दूसरी बार ओम बिरला के लोकसभा स्पीकर बनने पर केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने उन्हें बधाई दी। इस दौरान उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भी जवाब दिया।

चिराग पासवान ने बिना नाम लिए कांग्रेस सांसद राहुल पर निशाना साधते हुए कहा कि कई बार जब विपक्ष के द्वारा कई बातें कही जाती हैं। मैं आपसे इतना जरूर आग्रह करूंगा कि जब एक उंगली किसी के तरफ उठाते हैं तो बाकी उंगलियां आपकी तरफ होती हैं। जब आप सत्ता पक्ष से किसी एक आचरण की उम्मीद रखते हैं, वही उम्मीद हम लोग भी आपसे रखते हैं। ऐसे कई राज्यों के उदाहरण हैं जिनका नाम मैं नहीं लेना चाहूंगा। लेकिन जब आप स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के पद की

बात करते हैं, तो कई राज्य ऐसे हैं जहां पर स्पीकर और डिप्टी स्पीकर का पद भी आप ही के पास है। वहां एनडीए का कोई घटक दल सरकार नहीं चला रहा है। विपक्ष के दल सरकार चला रहे हैं। ऐसे में इस उम्मीद के साथ अगले पांच साल आपका नेतृत्व, मार्गदर्शन उतनी ही खूबसूरती से मिलता रहेगा, जैसे पहले पांच साल में मिला।ओम बिरला के दोबारा स्पीकर चुने जाने पर चिराग पासवान ने कहा कि 18वीं लोकसभा में जिस तरीके से पुनः आपको यह जिम्मेदारी मिली है, हम सबका 17वीं लोकसभा का अपना एक अनुभव है। उस वक्त जिस तरह से महिलाओं और युवाओं को, ऐसे सांसद जो पहली बार चुनकर आए, आपने उनको प्रोत्साहित करने का काम किया। इस बार मेरी पार्टी में भी युवाओं और महिलाओं की तादाद है। उम्मीद रखता हूं कि आप उनको भी उसी तरीके से मौका देंगे।

मेरे पिता रामविलास पासवान के विचारों को लेकर हमारी पार्टी आगे बढ़ने का काम कर रही है। पिछले 5 साल में आपने तमाम विचारों को सदन में रखने का मौका दिया। इस बात को कहने में मुझे कोई संकोच नहीं है। आपके द्वारा जो पिछले 5 साल में फैसले लिए गए हैं, उसने संविधान की मर्यादा को बढ़ाने और लोकतंत्र को मजबूती देने का काम किया है।

सभी सदस्यों से सदन के संचालन में सहयोग की अपेक्षा हैः बिरला

एजेंसी

वाराणसी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन के सुचारु संचालन में सभी सदस्यों से सहयोग की अपेक्षा किये जाने के साथ ही उन्हें पुनः पीठासीन अधिकारी चुने जाने पर आभार व्यक्त किया है।

श्री बिरला ने बुधवार को अध्यक्ष चुने जाने के बाद अपने पहले सम्बोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय मंत्रिपरिषद के सदस्यों, सभी राजनीतिक दलों के नेता और सभी सदस्यों का उन्हें पुनः सदन का पीठासीन अधिकारी के रूप में दायित्व निर्वहन का अवसर प्रदान किये जाने पर हार्दिक आभार व्यक्त करते हुये कहा कि उनके प्रति उन्होंने जो विश्वास जताया है, उसके लिये वह बहुत आभारी हैं।

उन्होंने अठारहवीं लोकसभा के चुनाव के दौरान विपरीत भौगोलिक स्थितियों और प्रतिकूल मौसम के दौरान मतदान करने के लिये 64 करोड़ जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से चुनाव संपन्न कराने के लिये निर्वाचन आयोग को भी धन्यवाद दिया।

श्री बिरला ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनी है, ऐसे में सरकार से जनता की अपेक्षायें, आशायें, आकाक्षायें बढ़ी हैं। उन्होंने कहा, आइयें हम प्रभावी तरीके से जनता के कार्य करने का पूरा प्रयास करें।

श्री बिरला ने कहा कि सदन में चर्चा और संवाद हों, ऐसे प्रयास निरंतर करते रहना है। उन्होंने कहा कि अठारहवीं लोकसभा में 281 सदस्य पहली बार चुने गये हैं। उन्हें सदन के नियमों और परिपाटियों का अध्ययन करना चाहिये।

उन्होंने कहा कि संसद के नये भवन में ऐतिहासिक कानून पारित किये गये हैं। नारी शक्ति वंदन विधेयक पारित किया गया। उन्होंने कहा कि इसी वर्ष संविधान निर्माण के 75 वर्ष पूरे हुये हैं। यह ऐसा संविधान है, जो हमारा मार्गदर्शन करने के साथ ही लोक कल्याण, वंचितों का कल्याण करने का मार्ग प्रशस्त करता है। श्री मोदी के मार्गदर्शन में संविधान दिवस मनाने की परम्परा शुरू हुई है।

श्री बिरला ने सदन का पुनः पीठासीन अधिकारी चुने जाने पर उनकी कोशिश रहेगी कि वह सभी को अपनी बात कहने का पर्याप्त अवसर प्रदान करें। उन्होंने कहा कि सहमति-असहमति लोकतंत्र की ताकत है। पक्ष और विपक्ष से मिलकर सदन चलता है। उनकी कोशिश है कि सबकी सहमति से सदन संचालित करूं। एक दल के सदस्य को भी अपनी बात कहने का अवसर मिले, ऐसी उनकी कोशिश रहेगी। उन्होंने कहा, मैं कोशिश करूंगा कि सभी को उनके विचार, भावना व्यक्त करने का मौका मिले।

उन्होंने कहा कि वह किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं करना चाहते, हम सब लोग संवाद करें, चर्चा करें। उच्च कोटि के संवाद, चर्चा करें। उन्होंने कहा कि संसद के विरोध और सड़क के विरोध में अंतर रहना चाहिये। सभी सदस्यों का प्रयास होना चाहिये कि सदन का गौरव बढ़ाने का निरंतर प्रयास करें। श्री बिरला ने प्रोटेम स्पीकर भर्तहरि महताब और अन्य पीठासीन अधिकारियों का सदन के सुचारु संचालन में आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वह सभी सदस्यों से पुनः अपेक्षा करते हैं कि वह सदन की गरिमा और प्रतिष्ठा बढ़ाने में अपना सहयोग देंगे।

मान ने अकाल तख्त साहिब के निर्माण दिवस की दी बधाई

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को अकाल तखूत साहिब के निर्माण दिवस की सभी प्रदेशवासियों को बधाई दी है श्री मान ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि सिख समुदाय के सर्वोच्च स्थान, भक्ति और शक्ति के प्रतीक श्री अकाल तखूत साहिब

जी के निर्माण दिवस की सभी संगतों को लख-लख बधाई। मिरी पीरी के स्वामी श्री गुरु हरिगोबिंद साहिब जी ने श्री अकाल तखूत साहिब की रचना स्वयं की और धार्मिक मुद्दों पर सभी प्रकार के निर्णय लेने में सक्षम बनाया।

रात के खाने में ना खाएं दही

हम सभी जानते हैं कि दही खाना सेहत के लिए बहुत अधिक लाभकारी होता है। दही एक सुपर फूड है, जिसे हर दिन खाया जा सकता है और यह सेहत को सिर्फ एक नहीं अनेक तरीकों से लाभ पहुंचाती है। पाचन से लेकर त्वचा और बाल सबको हेल्दी रखती है। इस विषय पर नए सिरे से बात करने की जरूरत नहीं है। आज हम इस विषय पर बात करेंगे कि आखिर रात के खाने में दही खाने को क्यों मना किया जाता है.

लाभकारी दही हानि क्यों करने लगती है ?

- आपने अपने पैरंट्स से अक्सर सुना होगा कि रात के समय दही या दही से बना रायता नहीं खाना चाहिए। लेकिन आज कल शादी-पार्टीज में यह ट्रेंड है कि आप रात के 12 बजे भी डिनर ले रहे होंगे तो आपको रायता जरूर मिलेगा खाने में.। खैर, सर्व करनेवाले तो सर्व करते है। यह तो आपको निर्णय लेना है कि रात में रायता या दही खाकर आप बीमार पड़ना चाहते हैं या नहीं।
- दही पाचनतंत्र को ऊर्जा देने का काम करती है। साथ ही हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। लेकिन यदि दही का सेवन रात में किया जा तो पाचनतंत्र भी डिस्टर्ब होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है।

पाचकाग्नि को मंद हो जाती है

- अब आपके मन में यह सवाल आ रहा होगा कि आखिर रात में दही खाने पर ऐसा क्या हो जाता है ? तो जान लीजिए कि रात को दही खाने पर पाचनतंत्र मंद हो जाता है। आयुर्वेद की भाषा में बात करें तो जठराग्नि मंद हो जाती है और शरीर की वायु कुपित हो जाती है। इस कारण रात में दही का सेवन करने पर हाथ, पैर, सिर, कमर या शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द की समस्या हो सकती है।

जुकाम लगा सकती है दही

- इसके साथ ही दही खाने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता पर इस लिए बुरा असर पड़ता है, क्योंकि दही तासीर में ठंडी होती है। यदि रात में दही खाई जाती है तो शरीर में कफ की मात्रा में वृद्धि हो सकती है। इससे गले में दर्द, खराश, बलगम वाली खांसी, सिर में भारीपन, जुकाम आदि की समस्या हो सकती है।

जोड़ों का दर्द बढ़ सकता है

- जिन लोगों को जोड़ों के दर्द की शिकायत होती है यदि वे लोग रात के समय दही खाना शुरू कर दें तो यकीन मानिए कि जल्द ही ऐसा समय आएगा जब उनके जोड़ों का दर्द इस कदर बढ़ जाएगा कि दिन-रात का चैन खो सकता है।

सो नहीं पाते ऐसे लोग

- जिन लोगों को अस्थमा की शिकायत है, उन्हें रात के समय भूल से भी दही का सेवन नहीं करना चाहिए। नहीं रात के समय अस्थमा अटैक के कारण सांस लेना मुश्किल हो सकता है। हालांकि सभी लोगों को इस बात की जानकारी भी होनी चाहिए खट्टी दही और मीठी दही दोनों के शरीर पर अलग-अलग प्रभाव होते हैं। लेकिन रात के समय आपको किसी भी प्रकार की दही लेने से बचना चाहिए।

आ सकता है बुखार

- रात के समय दही खाना आपको बुखार आने का कारण भी बन सकता है। इसकी वजह ऊपर बताए गए कारणों को मिलाकर तैयार हो जाती है। क्योंकि शरीर में पित्त और वायु का कुपित होना, जुकाम लगना, शरीर में दर्द होना जैसी समस्याएं शरीर के सामान्य तापमान को स्थिर नहीं रहने देती हैं। इससे बुखार आने की समस्या हो सकती है।

रात को दही खाने से बढ़ती है सूजन

- रात को दही खाने से शरीर में सूजन बढ़ने की समस्या बढ़ सकती है। क्योंकि रात में दही का सेवन करने से पित्त की मात्रा में बढ़ोतरी हो सकती है, जो आपके शरीर में सूजन बढ़ाने का काम करेगा।
- अगर आपके शरीर में सूजन की समस्या पहले से है या कोई चोट लगी हुई है तो रात के समय दही खाना आपके शरीर को अंदर से कमजोर करने का काम करेगा। इससे आपके शरीर में दर्द और पीड़ा कई गुना बढ़ सकती है।

जरूरी नहीं अगले दिन ही दिखे रिजल्ट

- अगर आपको लगता है कि आपने तो रात को दही खाई थी, आपको तो कोई समस्या नहीं हुई। तो यह जरूरी नहीं है कि आपने रात में दही खाई है तो अगले दिन सुबह के समय ही आपके शरीर में बीमारी के लक्षण दिखने लगेंगे। ये लक्षण दिन में किसी समय, अगली रात में या एक-दो दिन बाद भी नजर आ सकते हैं।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हर किसी की रोग प्रतिरोधक क्षमता अलग-अलग होती है। एक तरफ जहां किसी में एक बार रात को दही खाने के बाद कुछ ही घंटे में तबीयत खराब हो सकती है तो किसी अन्य व्यक्ति के शरीर में इसका असर 3 दिन बाद भी दिख सकता है।

खून के थक्के बनने से रोकने की दवा लेते हैं तो न खाएं हरा साग

हरा साग जैसे पालक क्लॉटिंग रोकने वाली वार्फरिन या कुमारिन दवाओं के असर को काफी हद तक कर देता है बेअसर इसलिए ऐसे लोग जो इन दवाओं को प्रयोग करते हैं उन्हें सलाह दी जाती है कि हरा साग न खाएं।

जिन रोगियों में खून के असामान्य थक्कों के बनने और खून जमने की समस्या होती है, उन्हें एक विशेष दवा के सेवन के कारण कई बार हरा साग खाने से मना किया जाता है। यह दवा वार्फरिन है। यह और इसके जैसी अनेक दवाएं, जिन्हें कुमारिन-परिवार की दवाएं कहते हैं, विटमिन-के का प्रतिरोध करती हैं। इम्यूनोलॉजिस्ट एवं यूमैटॉलजिस्ट कहते हैं, विटमिन-के का काम खून की क्लॉटिंग से होता है। यह विटमिन यकृत में जमा होता है और इसी कारण हमारा खून सही ढंग से जमता है। यह विटमिन शरीर में क्लॉटिंग फैक्टरों का निर्माण करता है। विटमिन-ख न हो तो न जाने कितने ही लोगों की रक्तस्राव से मौत हो जाए, लेकिन फिर अनेक रोगियों में खून का जमना हानिकारक हो जाता है। मान लीजिए किसी रोगी में हृदयवॉल्व की सर्जरी हुई है या उसे कोई ऐसा रोग है, जिसमें खून बार-बार और जल्दी-जल्दी जमा करता है। ऐसे में अगर विटमिन-के का प्रतिरोध न किया गया, तो फिर खून का लगातार जमना हानिकारक या कभी-कभी जानलेवा साबित होगा। इसलिए ऐसे रोगियों में खून को पतला करने वाली दवाएं चलाई जाती हैं। इन्हीं दवाओं में कुमारिन-परिवार की सदस्य दवाएं भी शामिल हैं, जिनमें वार्फरिन प्रमुख है। हरा साग विटमिन-के का प्रमुख स्रोत है। इसे खाने से शरीर को विटमिन-ख की प्राप्ति होती है। लेकिन फिर जिन रोगियों को विटमिन-ख नहीं चाहिए या जिनके लिए विटामिन-के की प्रचुरता हानिकारक है, वे क्या करें ? वह ब्लड की क्लॉटिंग (स्तम्भन) को रोकने के लिए वार्फरिन जैसी दवाओं पर निर्भर रहते हैं। और हरे साग का सेवन वार्फरिन को समुचित कार्य करने से रोकेगा।

आयरन की गोलियां खाएं

इसलिए डॉक्टर की सलाह होती है कि अगर आप वार्फरिन या अन्य कुमारिन-दवाएं खाते हैं, तो हरा साग कम-से कम खाएं या न खाएं। हां, यह जरूर है कि ऐसा करने से आपको आवश्यक आयरन नहीं मिलेगा और अनीमिया की आशंका बढ़ जाएगी, लेकिन ऐसी परिस्थिति में वार्फरिन के साथ हरे साग की बजाय आयरन की गोलियों का सेवन कहीं बेहतर है।

खर्राटों की समस्या से निजात दिलाएगा चुंबक

अगर आपको भी खर्राटे लेने की समस्या है तो आपके लिए एक खुशखबरी है। माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चुंबक की मदद से एक ऐसा उपकरण बनाया है जो खर्राटों की समस्या से निजात दिला सकता है। दो चंबुकों के खींचने की क्षमता की मदद से हवा की नली को रात में सोने के दौरान खुला रखकर खर्राटों की समस्या को ठीक किया जा सकता है।

इस समस्या से दुनियाभर में लाखों लोग जूझ रहे हैं। इस बीमारी के कारण रात को सोते वक्त हवा की नली संकरी हो जाती है और सांस लेने में अवरोध पैदा होता है। इसके लक्षणों में खर्राटे लेना और मुंह से अजीब आवाजें निकालना भी शामिल है। यह बीमारी 40 साल की उम्र से ऊपर के पुरुषों में ज्यादा होती है। मोटापा, शराब की लत और धूम्रपान इसके जोखिम कारक हैं। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। मैग्नेटिक एपनोइया प्रीवेंशन (मैगनैप) उपकरण में उस तरह के चुंबक का इस्तेमाल होता है जो कंप्यूटर हार्ड ड्राइव और साइकिल के डायनेमो में पाए जाते हैं। यह उपकरण सांस की नली को खुला रखने में मदद करता है। चुंबक में एक क्षरण-प्रूफ टाइटेनियम कोटिंग है और यह दावा किया जाता है कि इन्हें एक बार प्रतिरोपित करने के बाद सालों तक सुरक्षित रूप से शरीर में छोड़ा जा सकता है।

इस उपकरण का आकार पचास पैसे के सिक्के के जितना है और इसे सर्जरी के द्वारा गले के हायोड बोन में फिट किया जा सकता है। यह हड्डी जीभ के ठीक नीचे गले में होती है। इस चुंबक को फिट करने की सर्जरी को करने में एक घंटे का समय लगेगा। सर्जरी के चार हफ्ते के बाद एक और चुंबक गले में लगाया जाएगा।

यह दूसरा चुंबक पहले से गले में लगाए गए चुंबक को आकर्षित करेगा जिससे एक हल्का खिंचाव तैयार होगा और हवा की नली खुल जाएगी। मरीज के गले और हवा की नली के आकार के अनुसार विभिन्न आकार के चुंबकों का प्रयोग किया जा सकेगा। अब तक माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में छह लोगों के गले में इस उपकरण को प्रतिरोपित किया गया है। उनकी निगरानी की जा रही है ताकि इस उपकरण की उपयोगिता का पता लगाया जा सके।

दिल का रखेंगे ध्यान ब्रोकली और पत्तागोभी

क्या आपको भी ब्रोकली, पत्तागोभी और ब्रसल्स स्प्राउट जैसी सब्जियां अच्छी नहीं लगतीं। अगर आप भी इन सब्जियों को खाने से परहेज करते हैं तो आप अनजाने में दिल की बीमारियों को न्योता दे रहे हैं। एक हालिया शोध के अनुसार ये सब्जियां रक्त धमनियों और वाहिकाओं की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करती हैं। रक्त धमनियों में अवरोध पैदा होने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ जाता है। ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित शोध में पाया गया कि पत्तेदार हरी सब्जियों जैसे ब्रोकली, ब्रसल्स स्प्राउट और पत्तागोभी का सेवन करने का संबंध बुजुर्गों में रक्त वाहिकाओं की बीमारियों के कम जोखिम के साथ था। ईसीयू स्कूल ऑफ मेडिसिन और द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने 684 बुजुर्ग महिलाओं पर अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने देखा कि जिन महिलाओं ने ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनकी महाधमनी में कैल्शियम के जमाव का खतरा कम पाया गया। यह रक्त वाहिकाओं में होने वाली बीमारियों का पहला संकेत होता है।

हार्ट अटैक हो सकता है

रक्त वाहिकाओं की बीमारियां धमनियों और नसों को प्रभावित करती हैं। धमनियों और नसों में कैल्शियम का जमाव होने से रक्त के प्रवाह में बाधा आती है जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

ब्रोकली और स्प्राउट है बेहद फायदेमंद

प्रमुख शोधकर्ता डॉक्टर लाउरेन ब्लैकेनहोर्स्ट ने कहा, हरी पत्तेदर सब्जियों के बारे में कुछ पेचीदा था, जिस पर इस अध्ययन ने अधिक प्रकाश डाला है। हमारे पूर्व शोधों में हमने पाया कि जिन लोगों ने हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनमें दिल संबंधी बीमारियों और घटनाएं जैसे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम पाया गया। हमारे शोध से हरी पत्तेदार सब्जियों के फायदों के बारे में पता चलता है। बुजुर्गावस्था में ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से धमनियां स्वस्थ रहती हैं और इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।

विटामिन-के मौजूद होता है

हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी में बड़ी मात्रा में विटामिन- के मौजूद होता है। विटामिन-के रक्त वाहिकाओं में कैल्शियम के जमाव को रोकने का काम करता है।

रोजाना सब्जी खाना जरूरी

डॉक्टर ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा कि इस अध्ययन में जिन महिलाओं ने प्रतिदिन 45 ग्राम से अधिक सब्जियों का सेवन किया (जैसे एक कप उबली हुई ब्रोकली या एक कप पत्ता गोभी) उनकर महाधमनी में कैल्शियम के व्यापक जमाव की आशंका 46 प्रतिशत कम थी। इनकी तुलना रोजाना सब्जी नहीं खाने वाले लोगों से की गई। ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा, अच्छे स्वास्थ्य के लिए सिर्फ ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी का ही सेवन नहीं करना चाहिए बल्कि सभी प्रकार की मौसमी सब्जियां खानी चाहिए।

रोजाना कितनी सब्जी खाएं

- रोज सलाद के रूप में 80 ग्राम कच्ची सब्जी का सेवन करना चाहिए।
- प्रतिदिन 80 ग्राम पकी हुई सब्जी का सेवन करने की सलाह।
- प्रतिदिन 125 मिलीलीटर सब्जी के जूस का सेवन करना चाहिए।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से हो सकते हैं मानसिक दिव्यांगता का शिकार

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से ऑटिज्म जैसी मानसिक दिव्यांगता विकसित हो सकती है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय समेत तीन संस्थानों के अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। ऑटिज्म के मरीज न तो अपनी बात ठीक से कह पाता है ना ही दूसरों की बात समझ पाता है और न उनसे संवाद स्थापित कर सकता है। यदि इन लक्षणों को समय रहते भांप लिया जाए, तो काबू पाया जा सकता है। प्रतिष्ठित नेचर पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे के धीमे मानसिक व शारीरिक विकास से जुड़ी इस बीमारी के लक्षण बचपन में ही दिखने लगते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय, मैसाचुएट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कोलेस्ट्रॉल और ऑटिज्म के संबंध के बारे में जानने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑटिज्म के सबटाइप वाली एक बीमारी उन्हीं अनुवांशिक तत्वों से होती है जो शरीर में कोलेस्ट्रोल मेटाबोलिज्म और मस्तिष्क विकास को नियंत्रित करते हैं। वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क के नमूनों के डीएनए अध्ययन से पाया कि लिपिड डायफंक्शन और ऑटिज्म के बीच साझा आणुविक जड़ें होती हैं। फिर वैज्ञानिकों ने ऑटिज्म पीड़ित लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड का अध्ययन करके इस बात की पुष्टि की। लिपिड जीवित कोशिकाओं में एक महत्वपूर्ण अवयव होता है जो एल्कोहल में घुलनशील है। अध्ययनकर्ता इसहाक कोहेन का कहना है कि शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि यह बहुत जटिल बीमारी है और इसके विभिन्न प्रकार अलग-अलग कारणों से उत्पन्न होते हैं।

घुटने का दर्द हो जाएगा छूमंतर ट्राय करें यह देसी नुस्खा

बढ़ती उम्र और डेली रूटीन में अलग-अलग स्थितियों के कारण हमारे शरीर में अलग-अलग प्रकार के बदलाव होते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई प्रकार की बीमारियां और स्वास्थ्य समस्याएं भी शरीर को अपना शिकार बनाती हैं जिनमें घुटनों का दर्द भी प्रमुख रूप से गिना जाता है। घुटने के दर्द की समस्या ज्यादातर बुजुर्गों को परेशान करती है वहीं खेलकूद से जुड़े लोगों को भी इस समस्या से जूझना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए यहां पर एक देसी नुस्खे के बारे में बताया जा रहा है जो उनके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए कारगर रूप से कार्य कर सकता है। आइए इस देसी नुस्खे के बारे में आपको पूरी जानकारी देते हैं।

क्यों होता है घुटनों में दर्द ?

इस देसी नुस्खे को जानने से पहले आपको यह जरूर जान लेना चाहिए कि आपके पैरों में होने वाले दर्द का प्रमुख कारण क्या होता है ? मुख्य रूप से अगर बात की जाए तो घुटनों में होने वाला दर्द टेंडइनाइटिस, गाउट, ऑस्टियोआर्थराइटिस, बेकर्स सिस्ट, बर्साइटिस जैसी मेडिकल कंडीशन के कारण होता है। इसके अलावा खेलकूद के दौरान लगने वाली चोट या फिर किसी दुर्घटना में गिरने के कारण भी घुटनों में दर्द की समस्या हो सकती है। नीचे आपको ऐसे दो खास देसी नुस्खे बताए जा रहे हैं जो सामान्य रूप से घुटने में होने वाले दर्द की समस्या को ठीक करने के लिए आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब के सिरके का करें सेवन

सेब के सिरके में ऐसे कई औषधीय गुण मौजूद रहते हैं जो आपकी सेहत के लिए भी प्रभावी रूप से फायदेमंद साबित होते हैं। एक चम्मच सेब के सिरके को अगर आप गर्म पानी के साथ मिलाकर पीने के लिए इस्तेमाल करते हैं तो इसमें मौजूद पेन रिलीविंग गुण आपके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए प्रभावी असर दिखा सकता है। आप इस तरह सेब के सिरके का दिन में दो बार सेवन कर सकते हैं। कोशिश करें कि खाना खाने के पहले इसका सेवन करें।

नींबू और तिल के तेल का इस्तेमाल

एक नींबू लें और उसे काटकर रस निकाल लें। अब दो चम्मच तिल के तेल में नींबू के रस को मिलाएं और हल्के हाथों अपने घुटनों पर इस मिश्रण की मालिश करें। रात में सोने से पहले और सुबह उठने के बाद यानी मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले आप इस देसी नुस्खे को ट्राय कर सकते हैं। नींबू में मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण घुटनों में होने वाली सूजन को कम कर के दर्द को दूर कर सकता है।

एक बात का ध्यान रखें कि गंभीर मेडिकल कंडीशन होने के कारण आपको इस देसी नुस्खे का कोई खास फायदा नहीं मिलेगा और आपको मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत भी पड़ेगी।

चेन्नईयिन एफसी ने गोलकीपर मोहम्मद नवाज के साथ किया दो साल का करार

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी ने आगामी 2024-25 सत्र से पहले युवा मणिपुरी गोलकीपर मोहम्मद नवाज के साथ दो साल का करार किया है। एआईएफएफ एलीट अकादमी से निकले नवाज पहले मुंबई सिटी एफसी और एफसी गोवा का हिस्सा थे। उन्होंने अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से भारतीय फुटबॉल में सबसे प्रतिभाशाली गोलकीपरों में से एक के रूप में ख्याति अर्जित की है। नवाज का आना चेन्नईयिन टीम में अन्य गोलकीपर समिक मित्रा और प्रतीक कुमार सिंह के साथ एक रोमांचक जुड़ाव है। 24 वर्षीय नवाज युवा ऊर्जा और असाधारण क्षमता लेकर आए हैं और उनसे आगामी सीज़न में महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की उम्मीद है।

भारतीय गोल्फर अदिति अशोक, दीक्षा डागर ने पेरिस ओलंपिक के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय गोल्फ महासंघ (आईजीएफ) द्वारा जारी योग्य महिलाओं की अंतिम सूची के अनुसार, भारतीय गोल्फ स्टार अदिति अशोक और दीक्षा डागर पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। पिछले हफ़्ते केपीएमजी महिला पीजीए चैंपियनशिप के बाद अंतिम रूप से तैयार की गई आईजीएफ की ओलंपिक योग्यता सूची में 60 महिलाएँ शामिल हैं। ओडब्ल्यूजीआर में शीर्ष 15 खिलाड़ी ओलंपिक के लिए पात्र हैं, जिसमें एक देश से अधिकतम चार गोल्फर शामिल हो सकते हैं। अदिति दुनिया की 60वें नंबर की खिलाड़ी हैं और दीक्षा दुनिया की 167वें नंबर की खिलाड़ी हैं, लेकिन उन्होंने क्रमशः 24वें और 40वें नंबर की ओलंपिक रैंक के साथ कट बनाया है। दोनों महिलाएँ शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर (पुरुष वर्ग) के साथ मिलकर चार सदस्यीय भारतीय टीम बनाती है पेरिस खेलों के लिए पुरुषों (1-4 अगस्त) और महिलाओं (7-10 अगस्त) की गोल्फ स्पर्धाएँ सेंट-क्वेंटिन-एन-यवेलिन्स में ले गोल्फ नेशनल में आयोजित की जाएँगी।

प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष चुने गए कपिल देव

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव को सर्वसम्मति से प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) का अध्यक्ष चुना गया है। कपिल, जो 2021 में बोर्ड के सदस्य बने और उन्होंने पीजीटीआई के उपाध्यक्ष के रूप में भी काम किया है, एचआर श्रीनिवासन का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल समाप्त हो गया है। 65 वर्षीय कपिल ने कहा, भारतीय पेशेवर गोल्फर पिछले कुछ सालों से बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। आज हमारे पास ज़्यादातर बड़े टूर में भारतीय पेशेवर गोल्फर हैं और लगातार तीसरी बार ओलंपिक में हमारे दो गोल्फर होंगे। हमारा टूर मज़बूत है और हमें उम्मीद है कि अगले कुछ सालों में हम और भी मज़बूत होंगे। पीजीटीआई कैलेंडर में सबसे आकर्षक इवेंट में से एक कपिल देव ग्रांट थॉर्नटन आमंत्रण टूर्नामेंट भी शामिल किया गया है, जो 2 करोड़ रुपये (लगभग 240,000 डॉलर) का गोल्फ इवेंट है।

एआईएफएफ ने सैफ अंडर-17 पुरुष चैम्पियनशिप शिविर के लिए संभावित खिलाड़ियों की सूची घोषित की

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने सैफ अंडर-17 पुरुष चैंपियनशिप 2024 की तैयारियों के लिए 8 जुलाई से श्रीनगर में आयोजित होने वाले अंडर-17 राष्ट्रीय शिविर के लिए 31 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की है। सात देशों का यह टूर्नामेंट 18 से 28 सितंबर तक भूटान में खेला जाएगा। भारत को ग्रुप ए में मालदीव और बांग्लादेश के साथ रखा गया है, जबकि भूटान, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका ग्रुप बी में हैं। सैफ अभियान समाप्त होने के बाद, टीम अक्टूबर 2024 में थाईलैंड में खेले जाने वाले 2025 एएफसी अंडर-17 एशियाई कप क्वालीफायर के लिए श्रीनगर में प्रशिक्षण लेना जारी रखेगी। संभावित खिलाड़ियों में से कई खिलाड़ी पिछले सितंबर में भूटान में सैफ पुरुष अंडर-16 चैंपियनशिप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। हेड कोच इश्फाक अहमद ने कहा, मैं इन प्रतिभाशाली युवाओं को कोचिंग देने की संभावना से उत्साहित हूं। इनमें से ज़्यादातर खिलाड़ी अंडर-17 यूथ लीग में खेल रहे थे, बाकी को हमारे स्काउट्स ने चुना है।

महिला टी20 एशिया कप 2024:पहले दिन 19 जुलाई को भारत का सामना पाकिस्तान से

एजेंसी

दांबुला। महिला टी20 एशिया कप 2024 की शुरुआत 19 जुलाई को भारत और पाकिस्तान के बीच धमाकेदार मुकाबले से होगी। एशियन क्रिकेट काउंसील (एसीसी) ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा की। भारत और पाकिस्तान दिन के दूसरे मैच के लिए मैदान में उतरेंगे, जबकि पहले दिन टूर्नामेंट के पहले मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का सामना नेपाल से होगा। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में भारत को यूएई और नेपाल के साथ ग्रुप ए में रखा गया है, जबकि ग्रुप बी में मेजबान श्रीलंका, बांग्लादेश, मलेशिया और थाईलैंड शामिल हैं।

एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा तैयार और घोषित कार्यक्रम के अनुसार, प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जो 26 जुलाई को खेला जाएगा जबकि फाइनल 28 जुलाई को होगा। अपने अन्य मैचों में, भारत 21 जुलाई को यूएई और 23 जुलाई को नेपाल से खेलेगा।

प्रारंभिक चरण में प्रतिदिन दो मैच खेले जाएंगे, जो 24 जुलाई तक जारी रहेंगे।

महिला टी20 एशिया कप 2024 का पूरा कार्यक्रमः

19 जुलाईः यूएई बनाम नेपाल; भारत बनाम पाकिस्तान

20 जुलाईः मलेशिया बनाम थाईलैंड; श्रीलंका बनाम बांग्लादेश

21 जुलाईः भारत बनाम यूएई; पाकिस्तान बनाम नेपाल

22 जुलाईः श्रीलंका बनाम मलेशिया; बांग्लादेश बनाम थाईलैंड

23 जुलाईः पाकिस्तान बनाम यूएई; भारत बनाम नेपाल

24 जुलाईः बांग्लादेश बनाम मलेशिया; श्रीलंका बनाम थाईलैंड।

26 जुलाईः सेमीफाइनल 1; सेमीफाइनल 2

28 जुलाईः फाइनल।

मैच स्थानीय समयानुसार दोपहर 2 बजे और शाम 7 बजे खेले जाएंगे।

आईसीसी ने डीएलएस पद्धति के सह-निर्माता फ्रैंक डकवर्थ के निधन पर जताया शोक

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार देर रात डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) पद्धति के सह-निर्माता फ्रैंक डकवर्थ के निधन पर दुख व्यक्त किया है। इस पद्धति का उपयोग मौसम से प्रभावित सीमित ओवरों के खेलों में लक्ष्य निर्धारित करने के लिए किया जाता है।

84 वर्षीय डकवर्थ, जो 2014 तक आईसीसी के सलाहकार सांख्यिकीविद् थे, का निधन हो गया था। आईसीसी के महाप्रबंधक - क्रिकेट संचालन, वसीम खान ने डकवर्थ के निधन पर शोक व्यक्त किया और खेल में उनके योगदान को स्वीकार किया। वसीम खान ने कहा, फ्रैंक एक शीर्ष सांख्यिकीविद् थे, जिनका सम्मान उनके साथियों के साथ-साथ व्यापक क्रिकेट बिरादरी द्वारा भी किया जाता था। उन्होंने जिस डीएलएस पद्धति का सह-निर्माण किया, वह समय की कसौटी पर खरी उतरी है और हमने इसकी शुरुआत के दो दशक से भी अधिक समय बाद भी अंतरराष्ट्रीय

क्रिकेट में इसका उपयोग जारी रखा है। फ्रैंक का खेल में योगदान बहुत बड़ा रहा है और उनके निधन से क्रिकेट की दुनिया को बहुत बड़ा झटका लगा है। हम उनके परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदनाएँ व्यक्त करते हैं।

श्रीमंत झा ने पैरा आर्म रेसलिंग में विदेशों में लहराया परचम

रायपुर। दोनों हाथों में केवल 4 उंगलियाँ होने के बावजूद भिलाई के श्रीमंत ने इस कमी को अपने लक्ष्य की राह का रोड़ा नहीं बनने दिया। राष्ट्रीय एव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पैरा आर्म रेसलिंग में नई ऊंचाईयां प्राप्त की। पैरा आर्म रेसलिंग में छत्तीसगढ़ की ओर से भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी श्रीमंत झा ने आज खेल मंत्री टंक राम वर्मा से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान खेल मंत्री ने देश-विदेश में उनके द्वारा पैरा आर्म रेसलिंग में शानदार प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने उन्हें इस खेल में और निखार लाने के लिए विदेशों में प्रशिक्षण की व्यवस्था करने में आवश्यक सहयोग दिलाने के लिए आश्वस्त किया। वर्तमान में श्रीमंत एक प्राइवेट कंपनी में इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने आर्म-रेसलिंग में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक हासिल किये हैं। पांच विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले श्रीमंत झा का अगला लक्ष्य पैरा ओलंपिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर देश के लिए पदक जीतना है। श्रीमंत की हिम्मत, अथक परिश्रम और देश के लिए कुछ कर गुज़रने की ललक सभी के लिए सच्ची प्रेरणा है। श्रीमंत ने अब तक 48 अंतर्राष्ट्रीय पदक हासिल किया है।

आईसीसी ने की टी20 विश्व कप 2024 सेमीफाइनल के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा

एजेंसी

तरौबा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आईसीसी टी-20 विश्व कप 2024 सेमीफाइनल के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है।

क्रिस गैफनी और रॉडनी टकर 27 जून को गुयाना में भारत और मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड के बीच आईसीसी टी 20 विश्व कप 2024 के दूसरे सेमीफाइनल में अंपायरिंग करेंगे। जोएल विल्सन टीवी अंपायर होंगे, जबकि पॉल रीफेल 27 जून को गुयाना में चौथे अंपायर के रूप में मौजूद रहेंगे। अफगानिस्तान और

दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जाने वाले पहले सेमीफाइनल में रिचर्ड इलिंगवर्थ और नितिन मेनन मैदानी अंपायर होंगे, रिचर्ड केटलबोरो टीवी अंपायर होंगे, जबकि अहसान रजा चौथे अंपायर होंगे।

बांग्लादेश के खिलाफ डीएलएस के जरिए आठ रन की ऐतिहासक जीत के साथ अफगानिस्तान ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया, अफगानिस्तान की जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया सुपर 8 से बाहर हो गया। पहले सेमीफाइनल में अफगानिस्तान की टीम बुधवार 26 जून (स्थानीय समयानुसार) को त्रिनिदाद में दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका ने सुपर आठ चरण का समापन ग्रुप 2 में शीर्ष पर रहते हुए किया था।

यूरो 2024: ऑस्ट्रिया ने नीदरलैंड को हराया, पोलैंड ने फ्रांस के साथ 1-1 से ड्रा खेला

एजेंस

बर्लिन। ऑस्ट्रिया ने चल रहे यूरो 2024 में ग्रुप डी में नीदरलैंड को 3-2 से हराया, जबकि रॉबर्ट लेवांडोव्स्की की मदद से पोलैंड ने ग्रुप प्ले के अंतिम दौर में फ्रांस को 1-1 से बराबरी पर रोक लिया।

नीदरलैंड्स ने बर्लिन ओलंपिया स्टेडियम में सबसे खराब शुरुआत की, जब डोनियल मालेन ने अलेक्जेंडर्स प्रैस के स्क्वायर पास को अपने ही गोल पोस्ट में पहुंचा दिया, जिससे ऑस्ट्रिया को मैच के छठें मिनट में ही1-0 की बढ़त मिल गई। इसके बाद डच खिलाड़ियों ने अच्छी प्रतिक्रिया दी और बराबरी हासिल करने की कोशिश की, लेकिन मैच आगे बढ़ने के साथ ही तिजानी रेइंडर्स ने दो आशाजनक मौके गंवा दिए।

पहले हाफ में ऑस्ट्रिया ने अपनी 1-0 की बढ़त बनाए रही। दूसरे हाफ के दूसरे मिनट में कोडी गाकपो ने गोल कर नीदरलैंड को 1-1 से बराबरी दिला दी। रोनाल्ड कोमैन की टीम के लिए यह क्षणिक खुशी थी क्योंकि ऑस्ट्रिया ने वापसी की और फ्लोरियन ग्रिलिट्श के सटीक क्रॉस से रोमानो श्मिड ने 60वें मिनट पर गोल कर ऑस्ट्रिया को फिर से 2-1

की बढ़त दिला दी। मैच के 75वें मिनट में मेम्फिस डेपे ने हेडर द्वारा वाउट वेघोर्ट की सहायता से गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया।

ऑस्ट्रिया ने मैच को 80वें मिनट में मार्केल सबित्जर की गोल की बदौलत 3-2 से बढ़त हासिल की और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। ग्रुप डी के दूसरे मुकाबले में फ्रांस को पोलैंड के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेलना पड़ा। फ्रांस के लिए किलियन एमबाप्पे ने शुरुआती गोल किया, लेकिन अनुभवी स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने गोल कर पोलैंड को 1-1 से बराबरी दिलाई और यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ।

मुंबई सिटी एफसी ने फ्रांसीसी मिडफील्डर जेरेमी मंज़ोरो के साथ किया करार

एजेंस

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने फ्रेंच मिडफील्डर जेरेमी मंज़ोरो के साथ फ्री ट्रांसफर पर करार किया है। मंज़ोरो 2024-25 सीज़न के अंत तक क्लब में बने रहेंगे।

32 वर्षीय खिलाड़ी ने फ्रांस में स्टेड डी रिम्स के साथ अपने वरिष्ठ पेशेवर करियर की शुरुआत की और तब से दुनिया भर में विभिन्न लीगों में अपने कौशल का प्रदर्शन किया है, जिसमें बुल्गारिया (पीएफसी स्लाविया सोफिया), लिथुआनिया (एफके ज़लगिरिस) और कजाकिस्तान (टोबोल और अस्ताना) शामिल हैं।

उन्होंने यूईएफए यूरोपा लीग और यूईएफए यूरोपा कॉन्फ्रेंस लीग जैसी कुलीन यूरोपीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया है। उनके पुरस्कारों में लिथुआनियाई कप, कजाख कप और लगातार दो कजाख लीग खिताब शामिल हैं। मंज़ोरो 2023 में जमशेदपुर एफसी में शामिल होने के लिए भारत आए, 2023-24 सीज़न के दौरान उन्होंने 24 मैच खेले और दो असिस्ट के साथ छह गोल किए। वह अपने सटीक पास और फ्री किक के लिए प्रसिद्ध हैं। अपने शानदार

फुटवर्क, रचनात्मक स्वभाव और विविध पासिंग रेंज के लिए जाने जाने वाले मंज़ोरो अपने साथ बहुमूल्य अनुभव भी लेकर आए हैं जो आइलैंडर्स की टीम के संतुलन के साथ मेल खाता है। क्लब के साथ करार पर जेरेमी मंज़ोरो ने कहा, मैंने अब तक भारत में अपने समय का आनंद लिया है और एक और सीज़न के लिए यहाँ रहने के लिए उत्साहित हूँ। मुंबई सिटी एफसी आईएसएल की सबसे सफल टीमों में से एक है और खिताब जीतने का इतिहास रखती है। मैं अपने नए साथियों से मिलने और कोच पेट्र क्रेटकी के साथ काम करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता। मैं मुंबई के जीवंत शहर में अपने जीवन का यह नया अध्याय शुरू करने और क्लब की सफलता में योगदान देने के लिए रोमांचित हूँ। मेरा लक्ष्य टीम को उसके उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करना और क्लब को और अधिक खिताब दिलाना है।

पेरिस 2024: ओलंपिक में ड्रेसाज स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे अनुष अग्रवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) ने आगामी पेरिस ओलंपिक में ड्रेसाज स्पर्धा में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए अनुष अग्रवाल का चयन किया है। ईएफआई ने उनके हालिया प्रदर्शन के गहन मूल्यांकन के आधार पर श्रुति वोरा के ऊपर उनका चयन किया, जहां अनुष ने बेहतर औसत का प्रदर्शन किया।

यह ओलंपिक में ड्रेसेज इवेंट में भारत की पहली प्रविष्टि होगी क्योंकि पिछले संस्करणों में ज्यादातर राइडर्स केवल इवेंटिंग श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करते थे। अग्रवाल पिछले साल क्वालिफिकेशन अवधि शुरू होने के बाद से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने चार बार न्यूनतम पात्रता हासिल की है, जबकि अनुभवी श्रुति वोरा ने इस महीने आवश्यक दो एमईआर अर्जित किए हैं। मूल्यांकन में जब दावेदारों का औसत निकाला गया तो अनुष विजेता बने। उनका औसत स्कोर 67.695 प्रतिशत था, जो श्रुति के 67.163 प्रतिशत से बेहतर था।

फेडरेशन द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार, पेरिस खेलों की योग्यता के लिए पात्र होने के लिए सवार-घोड़े के संयोजन को 1 जनवरी, 2023 से 24 जून, 2024 के बीच दो बार न्यूनतम 67 प्रतिशत प्राप्त करना आवश्यक है। ईएफआई चयन मानदंडों के अनुसार, यदि एक से अधिक एथलीट पात्र हैं तो पिछले एक वर्ष में सर्वश्रेष्ठ चार स्पर्धाओं में से ग्रैंड प्रिक्स में उच्चतम औसत वाले एथलीट को भाग लेने के लिए

चुना जाएगा। केवल एफईआई स्तर की प्रतियोगिताओं और उससे अधिक के स्कोर गिने जाते हैं। ये स्कोर 2023 से 2024 तक एमईआर इवेंट्स की सूची में शो में हासिल करने होंगे।

श्रुति (घोड़े मैग्नेनिमस के साथ) ने चेक गणराज्य में ब्रनो ग्रैंड प्रिक्स में दूसरे स्थान पर रहते हुए वर्ष का अपना दूसरा एमईआर अर्जित किया था, जहां उन्होंने ड्रेसाज स्पर्धा में 68.174 अंक प्राप्त किए थे, जिससे वह ओलंपिक योग्यता के लिए पात्र बन गईं। श्रुति ने इस महीने की शुरुआत में अपना पहला एमईआर अर्जित किया था, जब वह स्लोवेनिया के लिपिका में आयोजित थ्री-स्टार ग्रैंड प्रिक्स इवेंट ड्रेसेज वर्ल्ड कप में 67.761 अंकों के साथ जीतने वाली पहली भारतीय राइडर बनी थीं। उनके अन्य दो जीपी प्रदर्शनों में 66.543 और 66.174 अंक थे, जो एमईआर स्तर से नीचे थे। अनुष अग्रवाल ने चार बार - 67.936 (विस्बेडेन, मई 2024), 68.261 (मेचेलन में दिसंबर 2023), 67.152 (फ्रैंकफर्ट में दिसंबर 2023) और 67.804 (व्रोकला में अक्टूबर 2023) एमईआर हासिल किया। यह निर्णय कार्यकारी परिषद द्वारा सर्वसम्मति से लिया गया और अध्यक्ष ने इस निर्णय पर अपनी मुहर लगाई।

फवाद मिर्जा ने 2020 टोक्यो खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। उनसे पहले इम्तियाज अनीस ने 2000 सिडनी खेलों में भाग लिया था जबकि इंद्रजीत लांबा ने 1996 अटलांटा खेलों में भाग लिया था। जितेंद्रजीत सिंह अहलूवालिया, हुसैन सिंह, मोहम्मद खान और दरिया सिंह सभी ने 1980 मास्को खेलों में भाग लिया था।

बंगाल प्रो टी 20 लीग: महिला सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स टीम ने जीत के साथ ली लीग से विदाई

कोलकाता। सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स महिला टीम ने साल्ट लेक के जादवपुर विश्वविद्यालय मैदान में खेले गए अपने आखिरी मैच में स्मैशर्स मालदा पर शानदार जीत के साथ अपने बंगाल प्रो टी20 लीग अभियान का समापन किया।

प्रियंका बाला की अगवाई में सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने स्मैशर्स मालदा के खिलाफ 2 रन से इस मैच को अपने नाम किया। हालांकि अपने पिछले कई मुकाबलों में सिलीगुड़ी जीत का स्वाद चखते चखते रह गई।

टीम के प्रदर्शन पर सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स के मालिक ऋषभ भाटिया ने कहा, हार और जीत सिक्के के दो पहलू हैं, किसी एक को जीतना होता

है, लेकिन हमारी महिला टीम ने जिस दृढ़ संकल्प और जोश के साथ सभी मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की उस पर मुझे बहुत गर्व है। टीम ने कई करीबी मुकाबले खेले और अपने अंतिम मुकाबले में रोमांचक जीत भी हासिल की यह उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और मैं उम्मीद करता हूं कि अगली बार हम एक नई ऊर्जा के साथ ट्रॉफी को अपने नाम करेंगे। आखिरी मैच में प्रीति मंडल, समयिता अधिकारी और प्रियंका बाला के महत्वपूर्ण योगदान की बदौलत सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 128 का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्मैशर्स मालदा ने काफी करीबी मुकाबला खेला, लेकिन पियाली घोष के 48 रन के बावजूद भी उन्हें 2 रन से हार का सामना करना पड़ा। वहीं सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की पुरुष टीम ने भी लीग में जीत के साथ अपना अभियान समाप्त किया। जिसमें कप्तान ऋत्विक रॉय चौधरी, तेज गेंदबाज आकाश दीप और बल्लेबाज तरुण गोदारा जैसे खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। अरिवा स्पोर्ट्स की देखरेख में हो रही बंगाल प्रो टी20 लीग की नींव आईपीएल की तर्ज पर रखी गई है। जिसमें पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में 8 फ्रेंचाइजी टीमें शामिल हैं। सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कूच बिहार, अलीपुरद्वार और कलिम्पोंग का प्रतिनिधित्व कर रही थी।

पेरिस 2024: जूडोका तूलिका मान ने भारत के लिए ओलंपिक कोटा हासिल किया

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय जूडो महासंघ (आईजेएफ) द्वारा प्रकाशित नवीनतम रैंकिंग के अनुसार, तूलिका मान ने जूडो में भारत के लिए पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है।बर्मिंघम में 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाली 25 वर्षीय भारतीय जूडोका ने महिलाओं के 78 किग्रा वर्ग में महाद्वीपीय कोटा हासिल किया।

22 जून 2022 से 23 जून 2024 तक की योग्यता अवधि के दौरान 1345 रैंकिंग अंक हासिल करने वाली तूलिका मान भारत के लिए महाद्वीपीय कोटा हासिल करने के लिए स्टैंडिंग में 36वें स्थान पर रहीं। पेरिस 2024 ओलंपिक

में 14 जूडो भार श्रेणियों में से प्रत्येक के लिए, आईजेएफ की ओलंपिक रैंकिंग के अनुसार 17 सर्वोच्च रैंक वाले एथलीटों (प्रत्येक देश के लिए एक) ने कोटा प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, सभी भार श्रेणियों में अधिकतम 100 महाद्वीपीय कोटा उपलब्ध थे, जिसमें प्रत्येक देश सभी भार वर्गों और लिंगों में केवल एक महाद्वीपीय कोटा सुरक्षित करने के लिए पात्र था। राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों (एनओसी) के पास ओलंपिक खेलों में अपने-अपने देशों के प्रतिनिधित्व के लिए विशेष अधिकार है और पेरिस खेलों में एथलीटों की भागीदारी उनके एनओसी द्वारा पेरिस 2024 में अपने प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व करने के लिए उन्हें चुनने पर निर्भर करती है।

एनओसी को 2 जुलाई तक यह पुष्टि करनी होगी कि वे जूडो के लिए कोटा स्थानों का उपयोग करेंगे या नहीं टोक्यो 2020 में जूडो में सुशीला देवी लिकमबाम भारत की एकमात्र प्रतिभागी थीं, लेकिन महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में शुरुआती दौर से आगे नहीं बढ़ सकीं। भारत ने अभी तक जूडो में ओलंपिक पदक नहीं जीता है।

पेरिस 2024 ओलंपिक में जूडो का आयोजन 27 जुलाई से 3 अगस्त तक चैंप-डे-मार्स एरिना में किया जाएगा। इस प्रमुख प्रतियोगिता में 372 जूडोका (186 पुरुष और 186 महिला) भाग लेंगे।

जहीर इकबाल

के साथ रजिस्टर्ड मैरिज होते ही सोनाक्षी सिन्हा ने कर दी थी ऐसी हरकत, वीडियो देख रह जाएंगे हैरान

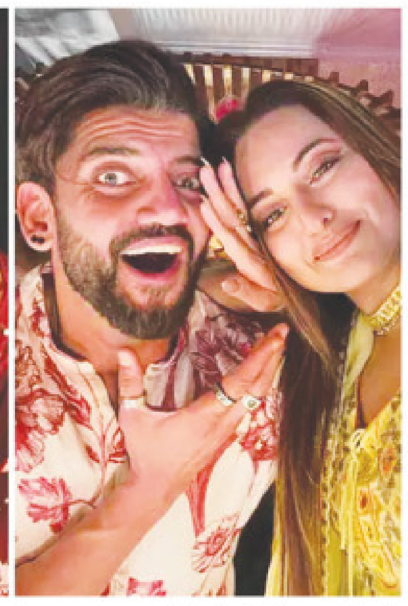

बॉलीवुड का एक और कपल अब शादी के बंधन में बंध गया है। जो है सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल । सात सालों तक गुपचुप डेटिंग के बाद दोनों ने 23 जून को अपने परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में घर पर रजिस्टर्ड मैरिज की। शादी को भले ही दो दिन चुके हो, लेकिन सोशल मीडिया पर फोटोज और वीडियोज का आना लगा हुआ है। मंगलवार को कई अनदेखी वीडियो सामने आई है। इस बीच एक और वीडियो आया है, जिसमें सोनाक्षी की खुशी सातवें आसमान पर नजर आ रही है।

सोनाक्षी और जहीर का अनदेखा वीडियो

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी के बाद सोशल मीडिया पर कपल्स की कई तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं। इस बीच एक्ट्रेस का नया वीडियो सामने आया है, जिसमें एक्ट्रेस पति-पत्नी के कानूनी कागजों पर अपना अंगूठा लगाती नजर आ रही हैं।

जैसे ही एक्ट्रेस अंगूठा लगाती है उनके चेहरे पर लंबी सी स्माइल देखने को मिलती है और खुशी के मारे वहीं पर उछलने लगती है और जहीर को गले लगाती है। इस दौरान वीडियो में मां पूनम सिन्हा और पिता शत्रुघन सिन्हा भी नजर आ रहे हैं।

सोनाक्षी ने शेयर की रिसेप्शन की तस्वीरें

25 जून को सोनाक्षी सिन्हा ने अपने इंस्टा पर जहीर इकबाल रिसेप्शन लुक की फोटोज शेयर की। इन तस्वीरों में ये कपल रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहा है। इस दौरान अभिनेत्री अपनी वेडिंग रिंग भी फ्लॉन्ट करती नजर आ रही है। इन तस्वीरों के साथ एक प्यार भरा पोस्ट भी साझा किया है।

जूनियर NTR की अगली बड़ी फिल्म में आलिया भट्ट की एंट्री? KGF से भी बड़ा धमाका होने वाला है

जूनियर एनटीआर को लेकर तगड़ा माहौल बना हुआ है. उनके खाते में कई बड़ी फिल्में हैं. इस वक्त वो थाइलैंड में हैं. वो अपनी अपकमिंग फिल्म 'देवरा' का एक स्पेशल गाना शूट करने वहां पहुंचे हुए हैं. इस दौरान जान्हवी कपूर भी उनके साथ वहां मौजूद हैं. RRR के बाद ये उनकी कमबैक फिल्म होने वाली है. फिल्म की लगभग शूटिंग हो चुकी है. पहले मेकर्स ने अक्टूबर में फिल्म रिलीज करने की प्लानिंग की थी. पर बाद में उसी डेट पर रजनीकांत ने अपनी फिल्म लाने का ऐलान कर दिया. इसके बाद 'देवरा' की डेट बदल दी गई. इसके साथ ही वो ऋतिक रोशन की 'वॉर 2' में भी नजर आने वाले हैं. फिल्म का अगला शेड्यूल जल्द ही शुरू होने वाला है.इन दोनों फिल्मों के बाद वो KGF वाले प्रशांत नील की फिल्म की तैयारियां शुरू कर देंगे. फिल्म का टैंटेटिव टाइटल 'ड्रैगन' बताया जा रहा है. इस पिक्चर के लिए प्रशांत नील ने प्रभास की 'सलार 2' की शूटिंग को आगे बढ़ाया है. ऐसा कहा जा रहा है कि, जूनियर एनटीआर की फिल्म का प्री-प्रोडक्शन वर्क भी शुरू हो चुका है.

जूनियर NTR की फिल्म में इस एक्ट्रेस की एंट्री!

जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील की फिल्म का काम इस साल सितंबर में शुरू होने वाला है. इसी बीच Cinejosh की एक रिपोर्ट सामने आई. इससे पता लगा कि, इस फिल्म में आलिया भट्ट की एंट्री हो सकती है. यानी वो एक बार फिर जूनियर एनटीआर के साथ बड़े पर्दे पर काम करती दिख सकती हैं. इस खबर ने फैन्स का एक्साइटमेंट लेवल काफी बढ़ा दिया है. इससे पहले वो ऋऋऋ में भी उनके साथ काम कर चुकी हैं. हालांकि, फिल्म में आलिया भट्ट का कैमियो था.

ऐसा भी कहा जा रहा है कि, जूनियर एनटीआर की फिल्म में आलिया भट्ट के अलावा एक और एक्ट्रेस हो सकती हैं. जिनका फिल्म में काफी अहम रोल होने वाला है. फिल्म के लिए कास्टिंग चल रही है. ऐसे में यह दोनों एक्टर्स के फैन्स के लिए बहुत बड़ा अपडेट है. इस फिल्म के लिए एक्टर का तगड़ा ट्रांसफॉर्मेशन होने वाला है. उनका लुक पूरी तरह से बदल दिया जाएगा.बीते दिनों पता लगा था कि, इस फिल्म के लिए प्रशांत नील ने तगड़ा प्लानिंग की है. जो भी चलस्र में देखने को मिला, कहानी उससे काफी हटकर होगी. फैन्स को बहुत कुछ नया देखने को मिलने वाला है.

ना आसिम रियाज ना अभिषेक कुमार, इस कंटेस्टेंट को रोहित शेट्टी ने दिया 'टिकट टू फिनाले

इंडिया से 7 समंदर पार रोमानिया में रोहित शेट्टी और उनकी टीम 'खतरों के खिलाड़ी' के सीजन 14 की शूटिंग कर रही है. फिर भी इस शो से जुड़ी हर खबर सोशल मीडिया पर लीक हो रही है. कलर्स टीवी के इस एडवेंचर रियलिटी शो के लिए फैन्स बेहद एक्साइटेड हैं. अब यूरोप में चल रही इस शो की शूटिंग अपने अंतिम चरण की तरफ बढ़ रही है और इस बीच 'खतरों के खिलाड़ी 14' के फाइनलिस्ट को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है. हाल ही में रोहित शेट्टी ने कंटेस्टेंट को 'टिकट टू फिनाले' जीतने के लिए एक अनोखा चैलेंज दिया था.

रोहित शेट्टी का 'टिकट टू फिनाले' चैलेंज न तो आसिम रियाज जीत पाए न ही अभिषेक कुमार. रोहित शेट्टी के लाडले शालीन भनोट भी इस टास्क में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए. टीवी एक्टर करणवीर मेहरा ने अपने साथी खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए 'खतरों के खिलाड़ी' के सीजन 14 का 'टिकट टू फिनाले' अपने नाम किया है. इस टिकट की वजह से करण ने सीधे इस स्टंट बेस्ड रियलिटी शो के ग्रैंड फिनाले में एंट्री कर है. अब उनसे मुकाबला करने के लिए शो में बचे कंटेस्टेंट को कई स्टंट का सामना करना होगा.

अब तक हुए हैं 3 एलिमिनेशन

'खतरों के खिलाड़ी' के सीजन 14 से अब तक शिल्पा शिंदे, अदिति शर्मा और आशीष मेहरोत्रा के बाहर होने की खबरें वायरल हो रही हैं. यानी निमृत कौर अहलूवालिया, सुमोना चक्रवर्ती, आसिम रियाज, अभिषेक कुमार, कृष्णा श्रॉफ, गशमीर महाजनी, नियति फतनानी, शालीन भनोट में से इस शो का अगला फाइनलिस्ट चुना जाएगा. रोहित शेट्टी का ये शो अंकिता लोखंडे, कृष्णा अभिषेक और करण कुंद्रा के 'लाफ्टर शेफ' को रिप्लेस करने वाला है. सूत्रों की मानें तो जुलाई के आखिरी हफ्ते से कलर्स टीवी और जियो सिनेमा पर 'खतरों के खिलाड़ी 14' ऑन एयर हो सकता है.

एल्विश यादव

ने वीडियो में उड़ाया शिवानी कुमारी का मजाक, बोले - उसकी आवाज कानों में चुभती है...

बिग बॉस ओटीटी में इस बार विवादों से ज्यादा शो के कंटेस्टेंट्स को लेकर चर्चा है। शो पर यूट्यूबर्स, पत्रकार, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, स्पोर्ट्स और अलग-अलग कैटेगरी से कई लोगों को इनवाइट किया गया है। शो में सबसे ज्यादा चर्चित लोगों में से हैं यूपी के अरयारी गांव से आई शिवानी कुमारी की ।शिवानी कुमारी की देहाती भाषा को लेकर लोग उन्हें काफी ज्यादा ट्रोल कर रहे हैं। एक तरफ जहां उन्हें अपने गांव और यूपी की पूरी हिंदी बेल्ट का समर्थन प्राप्त है। वहीं कुछ सोशल मीडिया यूजर्स और इन्फ्लूएंसर्स को शिवानी का यूं पॉपुलर होना रास नहीं आ रहा। इससे पहले मैक्सटर्न नाम के एक यूजर ने शिवानी पर गंदे कमेंट्स किए थे। मैक्सटर्न ने शिवानी को गंवार बताया था।

कान में चुभती है आवाज

अब उन्होंने फिर एक वीडियो डालकर उन्हें रोस्ट करने की कोशिश की है। यूट्यूबर मैक्सटर्न के नाम से सोशल मीडिया अकाउंट चलाने वाले यूजर का असल नाम सागर ठाकुर है। सागर ने एक्स पर एक वीडियो डाला है जिसमें एल्विश यादव शिवानी को भला बुरा कह रहे हैं। वीडियो में एल्विश कहते हैं- मैं बिग बॉस का बहुत शुक्रिया अदा करना चाहता हूं कि आज शिवानी कुमारी को बहुत कम फुटेज मिली। उसकी आवाज बहुत इरिटेटिंग है और कानों ने चुभती है जिसको बुरा लगता हो लगे, हम हैं सच्चे आदमी।

दोस्त करता है शिवानी की नकल

इसके बाद वो अपने एक दोस्त से शिवानी की आवाज निकालने को कहता है। दोस्त शिवानी की भाषा में देहाती अंदाज में बोलता है इसके अलावा एक दूसरी पोस्ट में मैक्सटर्न ने लिखा है कि अगर शिवानी कुमारी टॉप 3 कंटेंस्टेंट्स में पहुंचती है तो वो खुद उसे बिना कहा 2,50,000 रुपये देंगे।

बता दें कि पहले एलिमिनेशन राउंड में शिवानी कुमारी और नीरज गोयत नॉमिनेट हुए हैं। आने वाले हफ्ते में दोनों ने से एक मेंबर को शो से अलविदा कहना पड़ेगा।